नई दिल्ली । शुक्रवार, 24 अप्रैल, 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष नवमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :108 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल ला लीगा: बार्सिलोना ने सेल्टा विगो को हराया...
@ विचार लोकतंत्र का आधार : सशक्त ग्राम पंचायतें...
@ व्यापार भारत में तेजी से बढ़ रही बेहद अमीर लोगों की आबादी...

बंगाल में वोटिंग का नया रिकॉर्ड, पहले फेज में 92% मतदान,तमिलनाडु के इतिहास में सबसे ज्यादा 85% वोट पड़े

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में गुरुवार को बंपर वोटिंग हुई। बंगाल की 294 सीटों में से 152 सीटों पर पहले फेज में 92.10% मतदान हुआ। वहीं, तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 84.95% वोटिंग हुई। चुनाव आयोग के आंकड़े शाम 8 बजे तक हैं। इनमें बदलाव हो सकता है। दोनों राज्यों में आजादी के बाद अब तक सबसे ज्यादा वोटिंग हुई है। इससे पहले तमिलनाडु में सबसे ज्यादा मतदान 2011 में 78.29% था, जबकि बंगाल में 2011 में 84.72% मतदान दर्ज किया गया था। ममता ने वोटिंग के बाद कहा- बंगाल की जनता ने एसआईआर के खिलाफ बंपर वोटिंग की है। गृह मंत्री शाह ने कहा कि टीएमसी का सूरज ढल चुका है। इससे पहले असम, केरलम और पुडुचेरी में भी 9 अप्रैल को रिकॉर्ड वोटिंग हुई थी। असम के इतिहास में सबसे ज्यादा 85.91%, पुडुचेरी में 90% और केरलम में 1987 के बाद सबसे ज्यादा 78.27% वोटिंग हुई थी। पाचों राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को एकसाथ आएंगे। तमिलनाडु में अब तक 14 बार चुनाव, इस बार रिकॉर्ड वोटिंग।

बंगाल में वोटिंग के दौरान मारपीट-झड़प

बंगाल के दक्षिण मिदनापुर में कुमारगंज सीट से भाजपा कैंडिडेट सुवेंदु सरकार को भीड़ ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। उनका सिक्योरिटी गार्ड उनके साथ था। इसके बावजूद भीड़ ने उन्हें खदेड़ दिया। पश्चिम बर्धमान जिले के बर्नपुर में आसनसोल साउथ सीट से भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल की कार पर हमला हुआ। इससे गाड़ी के पीछे का शीशा टूट गया। अग्निमित्रा ने बताया कि उनकी कार पर पत्थर फेंके गए। बीरभूम के बोधपुर गांव में ईवीएम खराब होने के बाद लोगों ने पुलिस और सेंट्रल फोर्स पर पथराव कर दिया। पुलिस की गाड़ी में तोड़फोड़ भी की। घटना में कई सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।

मुर्शिदाबाद के नौदा में बुधवार देर रात देसी बम से हमले में कई लोग घायल हो गए। आम जनता उन्नयन पार्टी चीफ हुमायूं कबीर सुबह घटनास्थल पर पहुंचे। इस दौरान उनके समर्थकों और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट, पथराव हुआ। पुलिस ने लाठीचार्ज किया। हुमायूं की कार पर पत्थरों और लाठियों से हमला किया गया। सिलीगुड़ी के जगदीश चंद्र विद्यापीठ में भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। बूथ के बाहर दोनों पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच बहस हो गई। विवाद बढ़ता देख सुरक्षाबलों ने दोनों पक्षों को शांत कराया। यहां से शंकर घोष भाजपा प्रत्याशी हैं।

बंगाल चुनावों में तृणमूल की जीत का संकेत : सीएम ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के पहले चरण में रिकॉर्ड 90 प्रतिशत मतदान होने के बाद, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को दावा किया कि मतदाताओं की इतनी बड़ी संख्या में भागीदारी इस बात का संकेत है कि तृणमूल कांग्रेस पहले से ही चुनाव जीतने की स्थिति

में है। कोलकाता में एक चुनावी रैली में मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा, 'अगर मेरी नजर सही है, तो आज हुई वोटिंग को देखते हुए मैं कहूंगी कि हम (तृणमूल कांग्रेस) पहले ही ऐसी स्थिति में पहुंच चुके हैं जहां हम जीत सकते हैं। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने यह भी कहा, 'क्या आप जानते हैं कि इतने ज्यादा वोट क्यों पड़े? यह चुनाव लोगों के अधिकारों की रक्षा की लड़ाई है।

विधानसभा चुनाव 2026

बंगाल में पहले चरण में 91% से ज्यादा मतदान

तमिलनाडु	पश्चिम बंगाल
84.35%	91.40%
सीटें 234	सीटें 152

बंगाल में भाजपा सरकार बनाओ, हर घुसपैठिए को चुन-चुनकर बाहर निकाल देंगे: अमित शाह

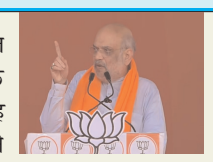

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को पुरसुराह में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में केंद्रीय गृह मंत्री ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तीखा हमला बोला। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की कानून-व्यवस्था, घुसपैठ और राजनीतिक माहौल को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए। अमित शाह ने कहा कि आज बंगाल के हर कोने में टीएमसी के खिलाफ भारी गुस्सा देखने को मिल रहा है। प्रदेश की जनता मौजूदा सरकार से परेशान हो चुकी है और बदलाव चाहती है। तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ यह आक्रोश अब पूरे राज्य में फैल चुका है, जो आने वाले चुनाव में साफ दिखाई देगा।

अपने संबोधन में घुसपैठ के मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए उन्होंने कहा कि बंगाल में घुसपैठ एक बड़ी समस्या बन चुकी है ।

संक्षिप्त खबर

यूपी बोर्ड के रिजल्ट में लड़कियों का दबदबा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश बोर्ड से 10वीं और 12वीं की परीक्षा देने वाले लाखों छात्रों को बड़ी राहत मिली। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपीएमएसपी) ने गुरुवार को हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 के परिणाम घोषित कर दिए। एक बार फिर बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बाजी मारी।

हाईस्कूल (कक्षा 10वीं) की परीक्षा में सीतापुर की कशिश वर्मा और बाराबंकी की अंशिका वर्मा ने 97.83 प्रतिशत अंक हासिल कर संयुक्त रूप से प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

ट्रंप का यूटर्न : अमेरिकी राष्ट्रपति ने पहले भारत को बताया था नरक, अब कहा- यह महान देश

चौतरफा दबाव और कूटनीतिक परिणामों को भांपते हुए ट्रंप ने भाषा बदली

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अक्सर अपने बयानों के कारण चर्चा में रहते हैं, लेकिन इस बार मामला कुछ अलग है। महज 24 घंटे के भीतर ट्रंप ने भारत को लेकर जो यूटर्न लिया है, उसने पूरी दुनिया के कूटनीतिक हलकों में हलचल पैदा कर दी है। जिस देश को कल तक उन्होंने 'नरक का द्वार' कहा था, आज उसी भारत को उन्होंने एक महान राष्ट्र बताया है। इतना ही नहीं, ये भी कहा कि शीर्ष पर मेरा सबसे अच्छा दोस्त है।

विवाद की जड़ क्या है?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक रेडियो होस्ट माइकल सैवेज के पॉडकास्ट का अंश साझा किया। इस पोस्ट में जन्मसिद्ध नागरिकता के कानून की आलोचना की गई थी। इस दौरान भारत और चीन जैसे देशों के लिए अत्यंत आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया। ये भी कहा गया था कि भारत और चीन के लोग अमेरिका में सिर्फ इसलिए आते हैं ताकि उनके बच्चे वहां पैदा हों और उन्हें तुरंत अमेरिकी नागरिकता मिल जाए। हैरान करने वाली बात यह थी कि इस पोस्ट में भारत को 'हेल-होल' यानी नरक की संज्ञा दी गई थी। ट्रंप के पत्र में दावा किया गया कि कैलिफोर्निया के तकनीकी क्षेत्र में भारतीयों का वर्चस्व है और वे अमेरिकी संसाधनों का दुरुपयोग कर रहे हैं। इस पोस्ट के बाद न केवल अमेरिका में रह रहे भारतीय समुदाय में रोष फैला, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी इसकी आलोचना हुई।

चौतरफा दबाव और शायद कूटनीतिक परिणामों को भांपते हुए ट्रंप ने अगले 24 घंटों में अपनी भाषा पूरी तरह बदल ली।

नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता क्रिस्टोफर एल्म्स ने स्पष्ट किया कि रिपब्लिकन नेता ने अब भारत के बारे में बहुत गर्मजोशी से बात की है। ट्रंप ने अपने नए बयान में कहा, 'भारत एक महान राष्ट्र है और इस देश के शीर्ष पर बैठा व्यक्ति मेरा बहुत अच्छा दोस्त है।

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में बंपर मतदान, आजादी के बाद ऐतिहासिक वोटिंग पर आयोग ने जताई खुशी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश के चुनावी इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है, जब तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान के दौरान रिकॉर्ड स्तर पर मतदाताओं की भागीदारी देखने को मिली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने इसे आजादी के बाद अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत बताते हुए दोनों राज्यों के मतदाताओं को सलाम किया।

तमिलनाडु में एक ही चरण में 234 सीटों के लिए मतदान हुआ। जबकि, पश्चिम बंगाल में पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान प्रक्रिया संपन्न हो गई, जिसमें दोनों राज्यों में मतदाताओं का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। इस दौरान देश की आजादी के बाद अब तक का सबसे ज्यादा वोटिंग प्रतिशत दर्ज किया गया। सीईसी ज्ञानेश कुमार ने

कहा, 'आजादी के बाद से पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अब तक का सबसे ज्यादा मतदान प्रतिशत। ईसीआई पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के हर मतदाता को सलाम करता है। चुनाव आयोग से जारी आंकड़ों के अनुसार, शाम 6 बजे तक तमिलनाडु में करीब 84.64 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल में लगभग 91.74 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इन आंकड़ों ने स्पष्ट संकेत दिया है कि इस बार मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लिया। पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान के दौरान कई जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। जिलावार आंकड़ों के मुताबिक दक्षिण दिनाजपुर में सर्वाधिक करीब 94.77, कूचबिहार में 94.40, बीरभूम में 93.61 और जलपाईगुड़ी में 93.01 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

उत्तराखंड : टिहरी गढ़वाल में वाहन खाई में गिरा, 8 की मौत, 2 घायल

एजेंसी ■ टिहरी गढ़वाल

उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले में एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। थाना चंबा क्षेत्र के अंतर्गत चंबा-कोटी कॉलोनी रोड पर नैल के पास एक यूटिलिटी पिकअप वाहन (मैक्स) अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 लोग घायल हो गए।

वाहन में कुल 10 लोग सवार थे। हादसा तब हुआ जब वाहन ऋषिकेश से घनसाली की ओर जा रहा था। सभी यात्री घनसाली क्षेत्र के चांजी, ठेला और चकरेडा गांव के निवासी थे। वे हरिद्वार में एक अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद वापस लौट रहे थे। रास्ते में नैल के निकट वाहन अचानक अनियंत्रित हो गया और गहरी खाई में जा गिरा। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू कर दिया।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी बृजेश भट्ट ने आठ लोगों की मौत की पुष्टि की है। दोनों घायलों को खाई से बाहर निकालकर तत्काल जिला अस्पताल बौराड़ी भेज दिया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। दोनों घायल खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। घायलों की पहचान उत्तम कुमार (उम्र 30 वर्ष), पुत्र पुस्सू, निवासी ग्राम लोस्तु बड़ियारगढ़ और अंकित (उम्र 22 वर्ष), पुत्र आशा लाल, निवासी ग्राम नेलचामी, घनसाली के रूप में हुई है।

दोनों घायलों को खाई से निकालकर तत्काल जिला अस्पताल बौराड़ी पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

टिहरी-गढ़वाल हादसा: राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने जताया दुख, आर्थिक मदद की घोषणा

नई दिल्ली। उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले में पिकअप वैन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। इस घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। इसके साथ ही मृतकों और घायलों के लिए आर्थिक मदद की घोषणा की गई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड में एक वाहन के खाई में गिरने से लोगों की मृत्यु होने का समाचार अत्यंत दुखद है। मैं शोक-संतप्त परिवारजनों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करती हूं तथा घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना में हुए नुकसान पर दुख जताया और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से दी गई । जानकारी के मुताबिक, पीएम मोदी ने कहा कि उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले में दुर्घटना के कारण हुई।

होर्मुज में तनाव के बीच 14 भारतीय जहाज सुरक्षित निकले, 14 अब भी फंसे: एमईए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने गुरुवार को कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में 14 भारतीय जहाज सुरक्षित रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार कर चुके हैं, जबकि 14 जहाज अभी भी पर्शियन गल्फ में मौजूद हैं। एमईए के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नई दिल्ली में साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा, 'पिछले कुछ हफ्तों में हमारे दस भारतीय जहाज सुरक्षित रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से बाहर निकल चुके हैं। वहीं, 14 भारतीय जहाज अभी भी पर्शियन गल्फ में हैं।'

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और उसके आसपास का इलाका अब भी तनाव में है। यह एक बहुत अहम समुद्री रास्ता है, जहां से दुनिया के करीब वन फिफ्थ तेल व्यापार होता है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बाद से यहां स्थिति और संवेदनशील हो गई है। ईरान ने बुधवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक जहाज पर हमला किया, जो भारत के मुंद्रा पोर्ट की ओर जा रहा था। यह हमला उस वक्त हुआ जब कुछ ही घंटे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनिश्चितकालीन युद्धविराम की घोषणा की थी। यह उन दो जहाजों में से एक था, जिन पर ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स नेवी (आईआरजीसी-एन) ने हमला कर कब्जा करने का दावा किया। ईरान के सरकारी चैनल प्रेस टीवी के मुताबिक, इन जहाजों के नाम मएससी फ्रांसेस्का और एपामिनोंडास हैं।शिप ट्रैकिंग वेबसाइट्स के अनुसार, लाइबेरिया के झंडे वाला एपामिनोंडास जहाज दुबई के जेबेल अली पोर्ट से गुजरात के मुंद्रा की ओर जा रहा था। इसे गुरुवार को मुंद्रा पहुंचना था।एक अन्य वेबसाइट के मुताबिक, यह जहाज ग्रीस की कंपनी कालमार मैरीटाइम एलएलसी का है। शनिवार को भी ईरान ने दो भारतीय जहाजों पर हमला किया था, जिन्हें इस रास्ते से गुजरने की अनुमति मिली हुई थी।

इस घटना के बाद भारत ने ईरान के सामने कड़ा विरोध जताया। भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथाली को विदेश मंत्रालय ने बुलाकर इस मुद्दे पर बात की।इस बैठक में भारत ने अपनी गहरी चिंता जाहिर की और कहा कि भारतीय जहाजों पर हुई फायरिंग बेहद गंभीर मामला है। एमईए के बयान में कहा गया, 'विदेश सचिव ने साफ कहा कि भारत के लिए अपने जहाजों और नाविकों की सुरक्षा बहुत अहम है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि पहले ईरान ने कई भारतीय जहाजों को सुरक्षित रास्ता दिया था। उन्होंने ईरान से कहा कि वह इस मामले को गंभीरता से ले और जल्द से जल्द भारत जाने वाले जहाजों की सुरक्षित आवाजाही फिर से शुरू करे।

त्रिपुरा विधानसभा का विशेष सत्र 30 अप्रैल को, महिला आरक्षण पर होगा विचार

अगरतला । त्रिपुरा विधानसभा का एक विशेष सत्र 30 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा, जिसमें महिला आरक्षण के मुद्दे पर चर्चा की जाएगी और इस पर एक प्रस्ताव भी पारित किया जाएगा। यह जानकारी राज्य सरकार के अधिकारियों ने गुरुवार को दी।

विधानसभा सचिव अमिया कांति नाथ ने बताया कि त्रिपुरा विधानसभा का 13वीं विधानसभा का 9वां सत्र, जिसे पहले अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था, अब 30 अप्रैल को फिर से शुरू होगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष रामपदा जमातिया ने सदन की दूसरी चरण की बैठक उसी दिन बुलाने का निर्णय लिया है।

नाथ के अनुसार, यह सत्र 13 मार्च को शुरू हुआ था और 23 मार्च को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था।

संसदीय कार्य एवं बिजली मंत्री रतन लाल नाथ ने बताया कि 30 अप्रैल को महिला आरक्षण मुद्दे पर विस्तृत चर्चा के बाद विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा शासित अन्य राज्यों की विधानसभाओं में भी इसी तरह के विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे और वहां भी इस विषय पर प्रस्ताव पारित होने की संभावना है।

यह विशेष सत्र उस समय हो रहा है जब हाल ही में संसद में 17 अप्रैल को संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 पारित नहीं हो सका था। यह विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 2029 तक महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने से संबंधित है।

संसद में विधेयक पारित न होने के बाद भाजपा ने देश के विभिन्न हिस्सों में 'जन आक्रोश पदयात्रा' शुरू की है और कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, समाजवादी पार्टी, वाम दलों सहित विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण का विरोध करने का आरोप लगाया है।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने 17 अप्रैल को 'भारतीय लोकतंत्र का काला दिन' बताते हुए कहा कि विपक्ष का रुख महिलाओं के प्रति उसकी सोच को उजागर करता है।

उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक का पारित न होना विपक्ष के 'महिला विरोधी मानसिकता' को दर्शाता है और यह लोकतंत्र के लिए एक 'दुखद अध्याय' है।

मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि विपक्ष के इस रुख का राजनीतिक परिणाम भुगतना पड़ेगा और आने वाले चुनावों में महिलाएं इसका जवाब देंगी।

एआईआईएमएस ऋषिकेश का छठा दीक्षांत समारोह संपन्न, उपराष्ट्रपति ने छात्रों को सेवा और नैतिकता का दिया संदेश

ऋषिकेश । अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश में गुरुवार को छठा दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और राज्यपाल गुरमीत सिंह भी मौजूद रहे।

समारोह के दौरान उपराष्ट्रपति ने संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'रुद्राक्ष' का विमोचन किया। इस पत्रिका में पिछले एक वर्ष में संस्थान की उपलब्धियों, शोध कार्यों और शैक्षणिक प्रगति को शामिल किया गया है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल पढ़ाई पूरी होने का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह छात्रों के जीवन में एक नई जिम्मेदारी की शुरुआत भी है।

स्नातक हो रहे छात्रों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह उपलब्धि वर्षों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे अपने पेशे में ईमानदारी, संवेदनशीलता और सेवा भाव को हमेशा प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान देश की भूमिका का भी जिक्र किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने मजबूत और प्रभावी तरीके से इस चुनौती का सामना किया। उन्होंने देश में बड़े स्तर पर चलाए गए टीकाकरण अभियान और अन्य देशों को टीके उपलब्ध कराने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये प्रयास मानवता और वैश्विक सहयोग की भावना को दर्शाते हैं।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने छात्रों को बधाई दी और कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में काम करना मानव सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है।

नोएडा: यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट में छात्रों का शानदार प्रदर्शन, हिमांशी शर्मा बनीं टॉपर

नोएडा । नोएडा में वर्ष 2026 के माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। गुरुवार शाम 04.00 बजे घोषित हुए परिणाम में केसीएस गर्ल्स इंटर कॉलेज, सूरजपुर की छात्रा हिमांशी शर्मा ने 91.20 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में पहला स्थान प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय और परिवार में खुशी का माहौल है।

दूसरे स्थान पर मिहिर भोज गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्रा गौरांगी रहीं, जिन्होंने 89.60 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वहीं दयावती मेमोरियल इंटर कॉलेज की छात्रा गुड़िया कुमार ने 89 प्रतिशत अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। टॉपर्स की सूची में अन्य छात्रों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है।

जिले के टॉप 10 छात्रों में खुशी (88.80 प्रतिशत), गरिमा (88.60 प्रतिशत), शाक्षी शर्मा (88.60 प्रतिशत), यश (88.20 प्रतिशत), आदर्श खारी (88.20 प्रतिशत), सोनिया (88.00 प्रतिशत) और कनक (87.40 प्रतिशत) शामिल हैं। इन सभी छात्रों ने कठिन परिश्रम और लगन के बल पर यह सफलता प्राप्त की है। इस वर्ष जिले में कुल 22,745 छात्रों ने परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था।

परिणाम जारी होते ही छात्र-छात्राओं ने बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइटों पर जाकर अपने रिजल्ट देखे। परिणाम घोषित होते ही विद्यालयों में उत्साह का माहौल देखने को मिला और छात्रों को बधाई देने वालों का तांता लग गया। अगर पिछले तीन वर्षों के परिणामों पर नजर डालें, तो सफलता दर में लगातार सुधार देखने को मिला है।

वर्ष 2025 में 85.56 प्रतिशत परिणाम रहा, जिसमें 19,762 में से 16,327 छात्र सफल हुए थे। वर्ष 2024 में 84.96 प्रतिशत छात्र पास हुए थे, जबकि 2023 में यह प्रतिशत 82.14 रहा था। इस तरह से हर साल छात्रों के प्रदर्शन में निरंतर सुधार दर्ज किया जा रहा है। जिले के शिक्षकों और अभिभावकों ने छात्रों की इस सफलता पर खुशी जताते हुए ।

हर छात्र पर योगी सरकार की नजर, 'अपार प्लस' से एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्ज हो रही शैक्षणिक जानकारी

लखनऊ । अब उत्तर प्रदेश में कोई भी बच्चा पढ़ाई के सिस्टम से बाहर नहीं रहेगा और उसकी पूरी शैक्षणिक जानकारी एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्ज हो रही है।

योगी सरकार के ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री, अपार प्लस मिशन के अंतर्गत हर छात्र को एक यूनिक आईडी दी जा रही है, जिससे उसकी पढ़ाई, उपस्थिति और प्रगति पर सीधी नजर रखी जा सकेगी। मतलब साफ है, न तो किसी बच्चे का रिकॉर्ड खोएगा और न ही कोई छात्र व्यवस्था से बाहर रह पाएगा। यह व्यवस्था सरकारी विद्यालयों के साथ-साथ सहायता प्राप्त और निजी मान्यता प्राप्त स्कूलों में भी लागू की जा रही है।

11 अप्रैल से शुरू होकर 30 जून 2026 तक चलने वाले इस मिशन में 4.24 करोड़ छात्रों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें अब तक 2.68 करोड़ से अधिक बच्चों को शामिल कर 63 प्रतिशत से ज्यादा लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। खास बात यह है कि सरकारी स्कूलों में 82 प्रतिशत से अधिक बच्चों को इस डिजिटल व्यवस्था से जोड़ दिया गया है। इससे शिक्षा को जमीनी स्तर तक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने की दिशा में तेज प्रगति दिखाई दे रही है। सबसे बड़े छात्र समूह तक डिजिटल पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य की पूर्ति की ओर बड़ी उपलब्धि है। वहीं सहायता प्राप्त विद्यालयों में 74.84 प्रतिशत, निजी विद्यालयों में 50.54 प्रतिशत और अन्य श्रेणियों में 46.97 प्रतिशत प्रगति दर्ज की गई है।

अपार प्लस व्यवस्था के अंतर्गत प्रत्येक छात्र को एक यूनिक डिजिटल आईडी प्रदान की जा रही है, जिसके माध्यम से उसकी नामांकन, उपस्थिति, कक्षा प्रगति, परीक्षा परिणाम और उपलब्धियों सहित पूरी शैक्षणिक प्रोफाइल एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित रूप से दर्ज हो जाती है। आधार से लिंक होने के कारण यह आईडी छात्र की पहचान को प्रमाणित करती है और स्कूल परिवर्तन की स्थिति में उसका पूरा शैक्षणिक रिकॉर्ड स्वत: स्थानांतरित हो जाता है, जिससे डेटा की निरंतरता बनी रहती है।

इस प्रणाली से ड्रॉपआउट और फर्जी नामांकन की पहचान आसान होती है, वहीं सरकार को रियल-टाइम डेटा के आधार पर प्रभावी मॉनिटरिंग और नीति निर्माण में सहायता मिलती है। परिणामस्वरूप, हर छात्र सिस्टम में दर्ज और ट्रैक हो रहा है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षा को डेटा आधारित और ट्रैक योग्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

योगी सरकार ने अपार सेचुरेशन के लिए डेटा शुद्धिकरण, आधार सीडिंग, बायोमेट्रिक अपडेट और अभिभावक सहमति जैसी प्रक्रियाओं को एकीकृत कर व्यवस्थित रूप से लागू किया है।

केरल में लू लगने से एक व्यक्ति की मौत, चेतावनी जारी

तिरुवनंतपुरम। केरल के कन्नूर में 37 वर्षीय एक व्यक्ति की कथित तौर पर लू लगने से मौत हो गई। केरल में तेज गर्मी पड़ रही है, जिसके कारण राज्य के कुछ हिस्सों में आधिकारिक तौर पर हीट वेव (लू) का अलर्ट जारी किया गया है।

मृतक सनल कुमार पल्लीपोयिल के रहने वाले थे; बुधवार दोपहर कुआं खोदने के काम के दौरान वह अचानक गिर पड़े और बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

यह घटना केरल भर में तापमान में भारी बढ़ोतरी के बीच हुई है, जिसके चलते भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पलक्कड़, कोल्लम और त्रिशूर जिलों के लिए लू की चेतावनी जारी की है।

यह चेतावनी तब जारी की गई है जब वायुमंडलीय तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया है। साथ ही, यह सामान्य स्तर से 4.5 डिग्री से भी ज्यादा बढ़ गया है। अधिकारियों ने सभी जिलों में ज्यादा सतर्कता बरतने की अपील की है।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) ने सख्त सुरक्षा उपायों को लागू करने का निर्देश देते हुए यह चेतावनी दी है कि मौजूदा हालात स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा हैं, खासकर उन लोगों के लिए जो दिन के सबसे गर्म समय में सीधे धूप के संपर्क में आते हैं।लू की चेतावनी को देखते हुए, कोल्लम और पलक्कड़ जिलों के साथ-साथ उन अन्य क्षेत्रों में भी दोपहर 12:30 बजे के बाद अलर्ट सिस्टम के तहत सायरन बजाए गए, जहां तापमान लगातार बढ़ रहा है।इस कदम का उद्देश्य बढ़ती गर्मी के तनाव के मद्देनजर लोगों में जागरूकता और तैयारियों को मजबूत करना है।केरल की तटीय जगह की वजह से हालात और भी खराब हो गए हैं, जहां ज्यादा नमी की वजह से हीट इंडेक्स, यानी इंसान के शरीर में महसूस होने वाला तापमान, रिकॉर्ड किए गए आंकड़ों से कहीं ज्यादा बढ़ गया है। इससे ज्यादा देर तक बाहर रहना खास तौर पर खतरनाक हो जाता है।

अगर मौजूदा ट्रेंड लगातार दो दिनों तक बना रहता है, तो आईएमडी से उम्मीद है कि वह आधिकारिक तौर पर हीट वेव की स्थिति की पुष्टि करेगा। तब तक, अधिकारियों ने सावधानी बरतने की जरूरत दोहराई है, जिसमें काफी पानी पीना, धूप में कम निकलना, और सलाह मानना ??शामिल है।

भारत ने पाकिस्तानी विमानों के लिए एयरस्पेस प्रतिबंध 24 मई तक बढ़ाया

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तानी विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र (एयरस्पेस) पर प्रतिबंध को 24 मई 2026 तक बढ़ा दिया है। यह प्रतिबंध अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद लगाया गया था, जिसमें 26 पर्यटकों की हत्या कर दी गई थी।

जारी किए गए नोटिस टू एयरमेन (नोटाम) के अनुसार, यह प्रतिबंध 24 मई सुबह 5:30 बजे (भारतीय समय) तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान पाकिस्तान में पंजीकृत विमान, पाकिस्तान की एयरलाइंस द्वारा संचालित या स्वामित्व वाले विमान, और सैन्य उड़ानें भारतीय हवाई क्षेत्र का उपयोग नहीं कर सकेंगी।

यह कदम दोनों देशों के बीच जारी जवाबी कार्रवाई का हिस्सा है। पिछले एक साल से अधिक समय से भारत और पाकिस्तान हर महीने इस प्रतिबंध को बढ़ाते आ रहे हैं।

इस प्रतिबंध के कारण विमानों को लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है, जिससे ईंधन की खपत और लागत बढ़ रही है। एयरलाइंस के कुल संचालन खर्च का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा ईंधन पर होता है, ऐसे में इसका सीधा असर उनकी लाभप्रदता पर पड़ रहा है।

वहीं, पाकिस्तान ने भी भारतीय विमानों के लिए अपने एयरस्पेस को 24 मई तक बंद रखा है। इस पारस्परिक प्रतिबंध के चलते दोनों देशों की उड़ानों को एक-दूसरे के हवाई क्षेत्र से गुजरने की अनुमति नहीं है। मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष और पाकिस्तान के एयरस्पेस बंद होने के कारण भारतीय एयरलाइंस को अरब सागर, मध्य एशिया और अफ्रीका के कुछ हिस्सों से होकर लंबा रास्ता अपनाना पड़ रहा है। इससे उड़ानों का समय बढ़ रहा है, ईंधन की खपत ज्यादा हो रही है और क्रू ड्यूटी पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।

कर्नाटक और हिमाचल की अर्थव्यवस्थाओं को कमजोर करती हैं गारंटी योजनाएं : कुमारस्वामी

हासन। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने गुरुवार को चिंता व्यक्त की कि 2,000 रुपए देने वाली गारंटी योजनाएं विकास को आगे नहीं बढ़ा सकतीं, बल्कि उन्होंने राज्य के वित्त को संकट में डाल दिया है।

उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया कि वे ऐसे छोटे-मोटे पैसों के फायदों से प्रभावित न हों, क्योंकि ये फायदे परिवार का भला सुनिश्चित नहीं कर सकते।

हासन जिले के होलेनरासिपुरा तालुका के उद्दानहोसहल्ली गांव में वीरंजनेय स्वामी मंदिर के जीर्णोद्धार कार्यक्रम में बोलते हुए मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी जरूरी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए 2,000 रुपये काफी नहीं हैं।उन्होंने सवाल किया, 'क्या लोग सिर्फ 2,000 रुपए में बड़ी बीमारियों का इलाज करवा सकते हैं? उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कर्नाटक सरकार ने अभी तक सरकारी कर्मचारियों को मार्च महीने की सैलरी नहीं दी है, और हिमाचल प्रदेश, जहां कांग्रेस की सरकार है, भी अपने कर्मचारियों को सैलरी देने में मुश्किलों का सामना कर रहा है; वहां सैलरी में कटौती की भी खबरें आ रही हैं। उन्होंने कहा कि इन बातों से पता चलता है कि इन राज्यों में शासन-प्रशासन 'गारंटी योजनाओं' की वजह से पटरी से उतर गया है।कुमारस्वामी ने दावा किया कि कर्नाटक सरकार पर 7.26 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कर्ज जमा हो गया है, और हर नागरिक पर 1 लाख रुपए से ज्यादा का कर्ज है। उन्होंने पूछा कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है और इसे कौन चुकाएगा, और क्या इतने कर्ज के बोझ तले कोई राज्य तरक्की कर सकता है?उन्होंने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह एक हाथ से 2,000 रुपए देती है, लेकिन दूसरे हाथ से ज्यादा टैक्स लगा देती है। उन्होंने बढ़ती कीमतों की ओर इशारा किया, जिसमें हाल ही में बिजली के बिल और शराब की कीमतों में हुई बढ़ोतरी भी शामिल है; उन्होंने सरकार पर जनता पर बोझ डालने का आरोप लगाया।मंत्री ने वोटरों से आग्रह किया कि वे जाति के आधार पर वोट देने के बजाय ऐसे नेताओं को चुनें जो उनके और उनके बच्चों के भविष्य के लिए पूरी ईमानदारी से काम करें।उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान स्वास्थ्य, शिक्षा और बिजली जैसे क्षेत्रों में हुए विकास को गिनाते हुए कहा कि हज़ारों शिक्षकों की भर्ती पूरी पारदर्शिता के साथ की गई थी, जबकि मौजूदा सरकार में एक भी भर्ती करने की क्षमता नहीं है।

एम्स रायपुर के डॉक्टरों ने 70 वर्षीय बुजुर्ग का कटा हुआ हाथ सफलतापूर्वक जोड़ा

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर के डॉक्टरों ने एक 70 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति का कटा हुआ हाथ सफलतापूर्वक जोड़कर चिकित्सा क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

मरीज का बायां हाथ धान की भूसी (पैडी हस्क) मशीन के चलती बेल्ट में फंस जाने से कोहनी के नीचे से कट गया था। घटना के लगभग दो घंटे के भीतर मरीज को अस्पताल लाया गया। कटा हुआ हाथ सही तरीके से बर्फ वाले डिब्बे में सुरक्षित रखा गया था, जिससे सर्जरी सफल होने की संभावना बढ़ गई।

प्रारंभिक उपचार के बाद मरीज को तुरंत ऑपरेशन थिएटर में ले जाया गया। लगभग 8 घंटे चली इस जटिल सर्जरी का नेतृत्व ष्ठह Jiten Kumar Mishra (प्लास्टिक सर्जरी विभागाध्यक्ष) ने किया। चोट गंभीर होने के कारण सर्जरी काफी चुनौतीपूर्ण थी। ऑर्थोपेडिक टीम, जिसका नेतृत्व Dr Sandeep Nema ने किया, ने हड्डी को छोटा कर उसे ठीक से जोड़ा। एनेस्थीसिया टीम ने ऑपरेशन के दौरान मरीज की स्थिति को स्थिर बनाए रखा।

प्लास्टिक सर्जरी टीम के अन्य सदस्यों ने मिलकर हाथ में दोबारा रक्त प्रवाह शुरू किया और उसे सुरक्षित रूप से जोड़ने में सफलता पाई। मरीज को बाद में दो और सर्जरी से गुजरना पड़ा और लगातार निगरानी में रखा गया। एक महीने बाद, मरीज का हाथ ठीक तरह से रक्त प्रवाह के साथ काम कर रहा है और घाव लगभग भर चुका है। हड्डी को पूरी तरह जुड़ने में लगभग 2 महीने और लग सकते हैं, जबकि हाथ की पूरी कार्यक्षमता लौटने में अधिक समय लग सकता है। डॉक्टरों ने बताया कि ऐसी स्थिति में मरीज और कटा हुआ अंग 6 घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचना और अंग को बर्फ में सही तरीके से सुरक्षित रखना बेहद जरूरी होता है।

ऐम्स रायपुर के कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ Lt Gen Ashok Jindal (सेवानिवृत्त) ने पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी आपात स्थितियों में टीमवर्क की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

महिला आरक्षण पर विशेष सत्र, भाजपा लाएगी निंदा प्रस्ताव

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजनीति 30 अप्रैल को गरमाने वाली है। विधानसभा का विशेष सत्र बुला लिया गया है और इसकी अधिसूचना भी जारी हो चुकी है। इस बार पूरा फोकस महिला आरक्षण पर रहेगा... लेकिन मामला सिर्फ बहस तक सीमित नहीं रहने वाला। बीजेपी इस मुद्दे पर विपक्ष की भूमिका को लेकर निंदा प्रस्ताव लाने की तैयारी में है। वहीं कांग्रेस भी चुप नहीं बैठने वाली... पार्टी ने साफ कर दिया है कि वो इस प्रस्ताव का विरोध करेगी और अपने तर्कों के साथ मैदान में उतरेगी। मतलब साफ है, सदन के अंदर जबरदस्त टकराव तय है। 30 अप्रैल का दिन छत्तीसगढ़ की सियासत के लिए हाई-वोल्टेज होने वाला है।

शिक्षकों के समर्पण से ही होगा शिक्षा का सशक्त निर्माण - मंत्री राजवाड़े

मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण बना प्रेरणा का मंच, उत्कृष्ट शिक्षकों के योगदान को मिला सम्मान

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा है कि शिक्षकों का समर्पण ही एक सशक्त शिक्षा व्यवस्था की नींव है और उनके प्रयासों से ही समाज एवं राष्ट्र का भविष्य आकार लेता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला है, जिसे मजबूत करने में शिक्षकों की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।मंत्री श्रीमती राजवाड़े जिला स्तरीय मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रही थीं, जिसे राज्यभर में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों के सम्मान और प्रेरणा के रूप में देखा जा रहा है।

मंत्री राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए निरंतर प्रयासरत है और इस दिशा में शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

उन्होंने शिक्षकों का आह्वान करते हुए कहा कि वे नवाचार, समर्पण और संवेदनशीलता के साथ विद्यार्थियों को शिक्षित करें, ताकि बच्चे न केवल शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट बनें, बल्कि नैतिकता, अनुशासन और जीवन कौशल से भी परिपूर्ण हों। मंत्री ने सम्मानित शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन शिक्षकों के मनोबल को बढ़ाते हैं और उन्हें और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं।

कार्यक्रम में विधायक भूलन सिंह मरावी ने भी शिक्षकों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षक सीमित संसाधनों के बावजूद उत्कृष्ट परिणाम दे रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों को समग्र शिक्षा देने का आह्वान किया।

समारोह के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी ने राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलावों की जानकारी देते हुए बताया कि नवाचार, सतत मूल्यांकन एवं विविध शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम में उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया गया, जिससे पूरे वातावरण में उत्साह और गौरव का भाव देखने को मिला। इस प्रकार के आयोजन शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार करते हैं। समारोह में जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद्, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

एसपी ऑफिस में युवक ने जहर खाकर जान देने की कोशिश की

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में एक अवसादग्रस्तता मामला सामने आया है, जहां एसपी कार्यालय परिसर में एक युवक ने जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की है। बताया गया है कि युवक काफी समय से अपनी शिकायत लेकर पुलिस अधिकारियों के चक्कर काट रहा था और कोई कार्रवाई नहीं कर रहा था, जिसके बाद उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया। गंभीर रूप से घायल युवाओं का अस्पताल में इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, युवाओं की पहचान ट्रेवल साहू (23 वर्ष), निवासी ग्राम मड़वा के रूप में हुई है। उन्होंने अपने मालिक मालिक रॉबर्ट पर गंभीर आरोप लगाए थे और इस संबंध में एसपी कार्यालय में लिखित शिकायत भी दी थी।

युवक ने मकान मालिक पर लगाया था आरोप

शिकायत में युवक ने बताया कि वह पिछले कुछ महीने से एक बिल्डर के कमरे में किराए पर रह रहा था। इस दौरान उनके भाई माइकल साहू ने अपनी पत्नी रानी केंवट के नाम पर 40 लाख के डाक टिकट बीमा कक्ष में रखे। इसके बाद वह अपनी पत्नी रानी केंवट को पैसे देने के लिए जान से मिलना चाहते थे, इसके जानकारियों के लिए वह बिल्डर बिल्डर बन गए।

इसके बाद रान्डर रोज रान्डर ने वैल्युएट स्टोर्स को बंद कर दिया और बड़ी-बड़ी बातें करने लगा। वह उसे रोज फैब्रीकेशन के काम या घर के काम में लगाता था और पिछले तीन महीने से उसका मालिक भी नहीं था। जब युवा ने मांग की थी तो उसने कहा था कि तेरी बहन की शादी मैं कराऊंगा, लेकिन पैसे नहीं देता था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बिल्डर ने अपना आधार कार्ड, राशन कार्ड, बैंक खाते और चेकबुक हस्ताक्षर अपने पास रख लिए हैं। उन्होंने दावा किया कि दबाव बनाने वाली कंपनी ने कहा था कि रानी केंवट को उसकी मौत के लिए मजबूर किया गया था।

अमित जोगी को मिली सुप्रीम कोर्ट से राहत!

रायपुर। रामअवतार जग्गी हत्याकांड में चर्चा बना हुआ है। अमित जोगी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। जिस सरेंडर की डेडलाइन गुरुवार थी, उस पर कोर्ट ने रोक लगा दी है। उच्च न्यायालय ने अमित जोगी को उम्रकैद की सजा सुनाते हुए 23 अप्रैल तक सरेंडर करने का आदेश दिया था। लेकिन अमित ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे दी। अब सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने सुनवाई के बाद तुरंत सरेंडर से छूट दे दी है और सीबीआई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मतलब साफ है कि मामला अभी खत्म नहीं हुआ है...अब गेंद सीबीआई के पास है और आगे की सुनवाई में इस केस का रुख तय

पुरानी पेंशन योजना पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक, विद्युत आपूर्ति के पक्ष में

बिलासपुर। उच्च न्यायालय से एक राहत भरी खबर। कोर्ट ने पूर्व सेवा गणना को लेकर लंबे समय से चल रही कानूनी लड़ाई में निगम के पक्ष में बड़ा फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट की डबल बेंच ने राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया, जिसमें सिंगल बेंच के आदेश को चुनौती दी गई थी।

मामला चिरमिरी नगर निगम में प्रवासी शिक्षक राजद प्रसाद पटेल से जुड़ा है। उन्होंने उच्च न्यायालय में एक प्रारूप में यह मांग की थी कि उनकी पूर्व सेवा में पुरानी पेंशन योजना को शामिल किया जाए। याचिका में कहा गया था कि संविलियन के बाद भी उनकी पूर्व सेवा को पेंशन गणना में शामिल नहीं किया जा रहा है, जो उनके साथ अन्याय है।

मामले में पहले हाई कोर्ट के सिंगल बेंच ने सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह पूर्व सेवा को पुरानी पेंशन योजना में शामिल करने पर विचार करे। इसके लिए सरकार को 120 दिन का समय दिया गया था। राज्य सरकार ने इस निर्देश पर अमल करने के बजाय सिंगल बेंच के खिलाफ डबल बेंच में अपील की, जहां मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश की एडवांस वाली पीठ में हुई थी।

राज्य सरकार ने अपने पक्ष में संविलियन की पेंशन का भुगतान करते हुए तर्क दिया कि संविलियन की जो समय सीमा तय की गई थी, उसी के आधार पर पेंशन का प्रावधान किया जाना चाहिए। हालाँकि कोर्ट ने इस को स्वीकार नहीं किया। डबल बेंच ने टिप्पणी करते हुए कहा कि जब संविलियन के दौरान पूर्व सेवा की गणना तय की जाती है तो पुरानी पेंशन योजना में उसे शामिल करने में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। न्यायालय का मानना ??था कि पूर्व सेवा को न्यायसंगत बनाना उचित नहीं है। उच्च न्यायालय की डबल बेंच ने राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया और सिंगल बेंच के आदेश को

ट्रेन से गांजा सप्लाई का भांडाफोड़, तीन युवक गिर तार

रायगढ़। एसएसपी शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन पर 'ऑपरेशन आघात' के तहत जिले में अवैध गांजा तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत रायगढ़ पुलिस ने लगातार तीसरी बड़ी सफलता हासिल की है। सप्ताह के भीतर तमनार से 60 किलो और चक्रधरनगर से 36 किलो गांजा जब्त करने के बाद 22 अप्रैल को खरसिया क्षेत्र में 52 किलोग्राम गांजा के साथ तीन अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ओडिशा से तीन युवक बड़े-बड़े बैग में गांजा लेकर निकले हैं। सूचना पर एसएसपी शशि मोहन द्वारा सड़क और रेल मार्ग से तस्करी की संभावना को देखते हुए सभी थानों और साइबर टीम को अलर्ट किया गया। इसी दौरान खरसिया रेलवे कॉलोनी के पास तीन संदिग्ध युवकों के बड़े बैग के साथ घूमने की सूचना मिली, जो संभवत: ग्राहकों की तलाश में थे। तत्काल चौकी प्रभारी त्रिनाथ त्रिपाठी के नेतृत्व में थाना साइबर और चौकी खरसिया की संयुक्त टीम द्वारा योजनाबद्ध घेराबंदी कर तीनों संदिग्धों को पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम (1) दिनेश कुमार बेहरा उम्र 22 वर्ष, (2) शिवा बेहरा उम्र 21 वर्ष और (3) देवी प्रसाद कंहर उम्र 19 वर्ष, सभी निवासी जिला कंधमाल (ओडिशा) बताया। आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे ट्रेन से गांजा लेकर आ रहे थे, लेकिन रेलवे पुलिस की चेकिंग के कारण खरसिया में उतरकर भागने की कोशिश कर रहे थे। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से क्रमश: 16.1 किलो, 20.4 किलो और 15.5 किलो, कुल 52 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया।

निलंबित आईएएस रानू साहू के रिश्तेदारों की करोड़ों की संपत्ति होगी अटैच

रायपुर। छत्तीसगढ़ की निलंबित आईएएस रानू साहू और उनके रिश्तेदारों को बिलासपुर हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। दरअसल, कोल लेवी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी (श्वष्ठ) द्वारा अटैच की गई करोड़ों की संपत्ति को छुड़ाने के लिए दायर की गई सभी याचिकाओं को कोर्ट ने सिरे से खारिज कर दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने साफ कर दिया कि 'जुर्म की कमाई' के बराबर की कोई भी संपत्ति जब्त की जा सकती है।

पूरे परिवार पर कसा शिकंजा

बता दें कि इस मामले में ईडी ने सिर्फ रानू साहू ही नहीं, बल्कि उनके पूरे परिवार को लपेटे में लिया है। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने रानू साहू के भाई पूनम साहू, बहन, पिता अरुण कुमार, मां लक्ष्मी साहू, कजिन पंकज और पीयूष साहू, समेत उनकी आंटी रेवती साहू और रिश्तेदारों की संपत्तियों को कुर्क किया है। इन सभी ने कोर्ट में दलील दी थी कि यह संपत्तियां रानू साहू के कोरबा कलेक्टर बनने से पहले खरीदी गई थीं, इसलिए इन्हें छोड़ दिया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस की बेंच ने एक बेहद महत्वपूर्ण टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि अगर सीधे तौर पर क्राइम प्रोसी' यानी जुर्म का पैसा नहीं मिल रहा है, तो अधिकारी उतनी ही कीमत की दूसरी कानूनी संपत्ति भी अटैच कर सकते हैं। मनी लॉन्ड्रिंग के तरीके इतने घुमावदार होते हैं कि सीधे सबूत मिलना मुश्किल होता है। सिर्फ इसलिए कि संपत्ति पहले खरीदी गई थी, वह क्राइम के तहत अटैचमेंट से सुरक्षित नहीं मानी जा सकती।

अपीलेट ट्रिब्यूनल के फैसले को रखा बरकरार

दरअसल, याचिकाओं में यह भी कहा गया था कि एफआईआर में उनका नाम नहीं है और अपीलेट ट्रिब्यूनल का फैसला गलत है। लेकिन कोर्ट ने साफ कर दिया कि अपराधियों को आर्थिक फायदा लेने से रोकना ही कानून का मुख्य मकसद है। इस फैसले के बाद अब रानू साहू के परिवार के पास से करोड़ों की जायदाद निकलने का रास्ता पूरी तरह बंद होता दिख रहा है।

बरसात के पहले जलभराव रोकने तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए आवश्यक निर्देश

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने वर्षा ऋतु के पहले नगरीय निकायों में नाले व नालियों की सफाई तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने संचालनालय से परिपत्र जारी कर सभी निकायों को जलभराव रोकने, बाढ़ की स्थिति में आपदा प्रबंधन तथा बरसात में संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक कार्यवाही करने को कहा है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय साव ने विगत 20-21 अप्रैल को नगर निगमों, नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के कार्यों की समीक्षा के दौरान आगामी 31 मई तक बड़े नाला-नालियों और ड्रेनेज की सफाई के काम पूर्ण करने के साथ ही बरसात में जल भराव रोकने जरूरी उपाय करने के निर्देश दिए थे। बैठक में उन्होंने कहा कि जून के पहले सप्ताह में राज्य स्तरीय टीम निकायों में इसका भौतिक निरीक्षण करेंगी। कार्य संतोषजनक नहीं मिलने पर स्वास्थ्य अधिकारी और इंजीनियर पर कार्रवाई की जाएगी। नगरीय प्रशासन विभाग ने सभी नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को जारी परिपत्र में कहा है कि वर्षा ऋतु में बारिश के पानी के निकासी के लिए निर्मित नालियों की समय पूर्व समुचित सफाई न होने तथा पानी निकासी के रास्तों के अवरोधों को दूर नहीं करने के कारण आकस्मिक वर्षा से बाढ़ की स्थिति निर्मित हो जाती है।

कंधों पर सिस्टम : बीमार पत्नी को 'जुगाड़ स्ट्रेचर' पर ढोकर अस्पताल लेकर पहुंचा पति

कबीरधाम। कबीरधाम जिले के ग्राम नगवाही से सामने आई एक तस्वीर न सिर्फ दिल को झकझोरती है, बल्कि उस पूरे सिस्टम पर करारा तमाचा भी है, जो कागजों में 'बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं' के दावे करता है। इस तस्वीर में एक बेबस पति—समलू मरकाम—अपनी गंभीर रूप से बीमार पत्नी को बचाने के लिए हर मुमकिन जुगाड़ करता नजर आ रहा है। लेकिन सवाल ये है कि आखिर 21वीं सदी के भारत में किसी को अपनी पत्नी को बाइक पर लकड़ी का पटिया बांधकर 'स्ट्रेचर' बनाकर क्यों ढोना पड़ रहा है?

समलू मरकाम की कहानी सिर्फ एक व्यक्ति की मजबूरी नहीं, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र की विफलता की जीवंत तस्वीर है। पत्नी की हालत गंभीर है, इलाज के लिए पैसे खत्म हो चुके हैं, और सरकारी एंबुलेंस सेवा—जिसे जरूरत के वक्त जीवन रक्षक माना जाता है—यहां नदारद है। ऐसे में समलू ने अपनी मोटरसाइकिल को ही 'अस्पताल' बना लिया। बाइक में लकड़ी का पटिया बांधकर अस्थायी स्ट्रेचर तैयार किया और पत्नी को लेकर सैकड़ों किलोमीटर का सफर शुरू कर दिया।

एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल तक भटकते समलू की आंखों में सिर्फ एक उम्मीद है—कहीं तो इलाज मिल जाए। लेकिन यह उम्मीद हर मोड़ पर सिस्टम की लापरवाही से टकराकर टूटती नजर आती है। सवाल यह उठता है कि आखिर सरकार की योजनाएं जमीन पर क्यों नहीं उतर पा रही हैं? क्यों '108 एंबुलेंस सेवा' जैसी सुविधाएं जरूरतमंदों तक समय पर नहीं पहुंचतीं?

यह घटना केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं है, बल्कि यह उस सच्चाई को उजागर करती है जिसे अक्सर आंकड़ों और प्रेस कॉन्फ्रेंस के पीछे छिपा दिया जाता है। ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं आज भी बदहाल हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टर नहीं, दवाइयां नहीं, और न ही पर्याप्त संसाधन। ऐसे में गंभीर मरीजों को जिला अस्पताल या बड़े शहरों का रुख करना पड़ता है, जो कई बार उनके लिए 'मौत का सफर' बन जाता है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी अक्सर यह दावा करते हैं कि हर गांव तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं, लेकिन नगवाही की यह तस्वीर उन दावों की सच्चाई बयां कर रही है। क्या विभाग के पास इस सवाल का जवाब है कि आखिर समलू को अपनी पत्नी को इस तरह ढोने के लिए क्यों मजबूर होना पड़ा? क्या यह उनकी जिम्मेदारी नहीं थी कि मरीज को समय पर एंबुलेंस और इलाज उपलब्ध कराया जाता? और सबसे बड़ा सवाल—क्या यह पहली घटना है? जवाब है, नहीं। देश के कई हिस्सों से ऐसी तस्वीरें बार-बार सामने आती रही हैं, जहां लोग अपने बीमार परिजनों को कंधों, ठेलागाड़ियों, या जुगाड़ वाहनों पर ढोते नजर आते हैं। हर बार कुछ दिनों तक हंगामा होता है, फिर मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है।

हजारीबाग : रांची-पटना हाईवे पर दो ट्रकों की सीधी भिड़ंत के बाद लगी भीषण आग

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग जिले के पदमा ओपी थाना क्षेत्र अंतर्गत इटखोरी मोड़ के पास दो मालवाहक ट्रकों की सीधी टक्कर के बाद दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहनों के इंजन से निकली चिंगारी ने कुछ ही पलों में विकराल रूप ले लिया, जिससे हाईवे पर अफरातफरी का माहौल बन गया।

राहत की बात यह रही कि इस बड़े हादसे में किसी की जान नहीं गई। इस हादसे की वजह से रांची-पटना रोड पर करीब दो घंटे तक यातायात बाधित रहा। जानकारी के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त ट्रकों में से एक में भारी मात्रा में कोल्ड ड्रिंक लदा था, जबकि दूसरे ट्रक में स्पंज लोड था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि भिड़ंत के तुरंत बाद आग लग गई और देखते ही देखते लपटें आसमान छूने लगीं। घटना की सूचना मिलते ही पदमा ओपी प्रभारी संचित दुबे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सुरक्षा के मद्देनजर हाईवे पर यातायात को रोक दिया। आग की भयावहता को देखते हुए तत्काल बरही से फायर ब्रिगेड की टीम को बुलाया गया। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कोल्ड ड्रिंक से लदा ट्रक पूरी तरह जलकर राख हो चुका था। गनीमत रही कि आग फैलने से पहले ही दोनों वाहनों के चालक और सह-चालक सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। हादसे के बाद सुरक्षा कारणों से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई थीं। पदमा ओपी प्रभारी संचित दुबे ने बताया कि दमकल टीम ने आग बुझा दी है और स्थिति अब नियंत्रण में है। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे हटाने का काम शुरू कर दिया है। फिलहाल हाईवे पर 'वन-वे' मार्ग खोलकर यातायात को धीरे-धीरे सामान्य किया जा रहा है।

रक्षा उद्योग प्रतिनिधियों व राजनाथ सिंह की मुलाकात में टेक्नोलॉजी के सह-विकास और सह-उत्पादन पर हुई बात

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जर्मनी और भारत के रक्षा उद्योग से जुड़े प्रमुख उद्योग प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की है। यह मुलाकात जर्मनी की राजधानी बर्लिन में हुई और इस दौरान रक्षा क्षेत्र में मौजूद व्यापक संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत और जर्मनी के बीच रक्षा क्षेत्र में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं।

दोनों देशों के उद्योग जगत के साथ विस्तृत यह विचार-विमर्श गुरुवार को हुआ। यहां बर्लिन में आयोजित एक बैठक में रक्षा उत्पादन, टेक्नोलॉजी और दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच साझेदारी को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण सामने आया। रक्षा मंत्री नेबताया कि जर्मन उद्योग जगत ने भारत में रक्षा क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों की सराहना की है। उन्होंने भारत की बदलती रक्षा नीति और निवेश के अनुकूल माहौल को सराहनीय बताया। राजनाथ सिंह ने जर्मन कंपनियों से आग्रह किया कि वे भारत के साथ मिलकर उन्नत और विशेष तकनीकों के क्षेत्र में सह-विकास और सह-उत्पादन की दिशा में काम करें। उन्होंने कहा कि इस तरह का सहयोग न केवल भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि वैश्विक स्थिरता और सुरक्षा को भी बढ़ावा देगा। यहां इस बात पर भी जोर दिया गया कि भारत विश्वसनीय साझेदारों के साथ मिलकर रक्षा उत्पादन और तकनीकी नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह बैठक भारत-जर्मनी रक्षा सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। दरअसल रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तीन दिवसीय जर्मनी यात्रा पर हैं। यहां वह जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस से भी एक बेहद महत्वपूर्ण मुलाकात कर चुके हैं।

पाकिस्तान ने भारत में होने वाली सैफ विमेंस चैंपियनशिप से नाम वापस लिया

लाहौर। पाकिस्तान ने सैफ विमेंस चैंपियनशिप 2026 से अपना नाम वापस ले लिया है। यह फैसला भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते राजनीतिक तनाव के कारण लिया गया है। पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन (पीएफएफ) ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की है। सैफ विमेंस चैंपियनशिप का आयोजन 25 मई से 6 जून तक गोवा के मडगांव स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होना है। पाकिस्तान के हटने के बाद अब यह प्रतियोगिता छह टीमों के साथ ही खेली जाएगी। टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ पहले ही हो चुका है, जिसमें बाकी टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। इन टीमों में भारत (मेजबान), नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश (डिफेंडिंग चैंपियन), भूटान और मालदीव शामिल हैं।

यह दूसरी बार है जब भारत इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले साल 2016 में सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में सैफ टूर्नामेंट का आयोजन हुआ था, जहां भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना चौथा खिताब जीता था। वहीं, गोवा में दूसरी बार यह टूर्नामेंट खेला जाएगा। इससे पहले साल 1999 में यहां पुरुषों की चैंपियनशिप आयोजित हुई थी।

पाकिस्तान के इस फैसले से उसकी महिला फुटबॉल टीम को बड़ा नुकसान हो सकता है। लंबे समय से प्रशासनिक समस्याओं और कम अंतरराष्ट्रीय मैचों के कारण टीम को ऐसे टूर्नामेंट की जरूरत थी, जहां वह अपने खिलाड़ियों को मौका दे सके। हालांकि, पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन के फैसले के बाद टीम की खिलाड़ी अब इस बड़े मंच पर अपनी काबिलियत नहीं दिखा पाएंगी।

यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने किसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से नाम वापस लिया हो। इससे पहले भी पाकिस्तान ने नवंबर में भारत के तमिलनाडु में हुए पुरुषों के जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप से भी अपना नाम वापस ले लिया था, और राजगीर में हुए एशिया कप में भी अपनी सीनियर पुरुष टीम नहीं भेजी थी।

अगर रिकॉर्ड की बात करें तो भारत इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है। भारत ने 2010, 2012, 2014, 2016 और 2019 में खिताब को अपने नाम किया है। वहीं, बांग्लादेश ने पिछले दो संस्करण (2022 और 2024) में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी को अपने नाम किया है।

विदेश राज्य मंत्री मार्गेरिटा की वानुअतु के विदेश मंत्री से मुलाकात, द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

पोर्ट विला। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने गुरुवार को वानुअतु के कार्यवाहक विदेश मंत्री, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और बाहरी व्यापार जेवियर इमैनुएल हैरी से मुलाकात की और अलग-अलग क्षेत्रों में आपसी सहयोग को गहरा करने पर चर्चा की।

उन्होंने वानुअतु के विकास की कोशिशों में एक भरोसेमंद साझेदार बने रहने के भारत के वादे को फिर से दोहराया। मीटिंग के बाद, एमओएस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, वानुअतु के एक्टिंग फॉरेन अफेयर्स, आईसी और एक्सटर्नल ट्रेड मिनिस्टर जेवियर इमैनुएल हैरी से मिलकर खुशी हुई। भारत और वानुअतु आपसी भरोसे और साझा मूल्यों पर आधारित एक मजबूत साझेदारी शेयर करते हैं। उन्होंने कहा, खासकर स्वास्थ्य, कैपेसिटी बिल्डिंग और क्लाइमेट-रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर में द्विपक्षीय विकास सहयोग को आगे बढ़ाने पर अच्छी बातचीत हुई। मल्टीलेटरल फोरम में सहयोग पर भी चर्चा हुई। वानुअतु के विकास के सफर में भारत एक समर्पित और भरोसेमंद सहयोगी बना हुआ है। बुधवार को, मार्गेरिटा ने वानुअतु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी का दौरा किया। यह एक खास संस्था है, जिसे भारत के समर्थन से युवाओं में डिजिटल स्किल्स को मजबूत करने और स्थानीय क्षमता बढ़ाने के लिए बनाया गया है। उन्होंने कहा कि यह संस्था भारत-वानुअतु दोस्ती का एक मजबूत स्तंभ है और बढ़ते द्विपक्षीय संबंध का सबूत है। एमओएस बुधवार को वानुअतु के अपने पहले आधिकारिक दौरे पर पोर्ट विला पहुंचे, जिसका मकसद दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करना है। मार्गेरिटा ने एक्स पर पोस्ट किया, वानुअतु के अपने पहले आधिकारिक दौरे पर पोर्ट विला पहुंचकर बहुत खुश हूं। हमारी पुरानी दोस्ती और साझेदारी को गहरा करने के लिए अच्छे एंगेजमेंट की उम्मीद है। मार्गेरिटा 22 से 25 अप्रैल तक वानुअतु और तुवालु के आधिकारिक दौरे पर हैं, इस दौरान वह दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों और दूसरे अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह दौरा पैसिफिक आइलैंड देशों के साथ राजनीतिक और विकास सहयोग संबंधों को मजबूत करने के भारत की प्रतिबद्धता को दिखाता है और यह मई 2023 में पोर्ट मोरेस्बी में हुए फोरम फॉर इंडिया-पैसिफिक आइलैंड्स कोऑपरेशन (एफआईपीआईसी) के ऐतिहासिक तीसरे समिट के अगले चरण में है।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और टीएमसी के पक्ष में माहौल : कांग्रेस सांसद तारिक अनवर

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी अकेले मैदान में है। दूसरी तरफ, कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने ऐसा दावा कर दिया है, जो पार्टी की रणनीति के विपरीत है। तारिक अनवर ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में वर्तमान माहौल पूरी तरह ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पक्ष में है।

पश्चिम बंगाल की 152 विधानसभा सीटों पर पहले चरण में गुरुवार को वोटिंग को लेकर तारिक अनवर ने आईएएनएस से बात की। कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने कहा कि जनता पूरी तरह से इस चुनाव में दिलचस्पी ले रही है और ये भी सूचना है कि महिलाओं की संख्या ज्यादा है। महिलाएं पूरी तरह से चुनाव में दिलचस्पी ले रही हैं। मैं समझता हूं कि शाम तक 80 फीसदी मतदान हो सकता है और ये तो गुप्त मतदान है, कुछ कहा नहीं जा सकता। हमारी जो उम्मीद है, वो लगता है कि ममता बनर्जी के पक्ष में माहौल है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को चुनाव आयोग से नोटिस मिलने पर तारिक अनवर ने कहा कि मेरा ख्याल है कि कांग्रेस पार्टी जवाब देगी। हालांकि, खड़गे ने अपना स्पष्टीकरण कल ही दिया था कि मेरे कहने का अर्थ बिल्कुल यह नहीं था। हमारा यह कहना था कि जिस तरह से ईडी और सीबीआई और दूसरी एजेंसियों का इस्तेमाल केंद्र सरकार कर रही है, यह लोगों, खासतौर पर, विपक्ष को आतंकित करने का काम है। कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि बंगाल में भाजपा बुरी तरह हारने वाली है। कांग्रेस पहले से बेहतर प्रदर्शन करेगी। 294 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस चुनाव लड़ रही है।

असम : पुलिस ने 23 मवेशियों को सुरक्षित कब्जे में लिया

गुवाहाटी। असम के बोंगाईगांव जिले में पुलिस ने अवैध रूप से मवेशियों की ढुलाई के संदेह में की गई कार्रवाई के दौरान एक संयुक्त अभियान में 23 मवेशियों को जब्त किया। इसकी जानकारी अधिकारियों ने गुरुवार को दी।

यह छापा बरतारी में स्थित मन्नत अली नामक एक कथित पशु तस्कर के आवास पर मारा गया, जो बोंगाईगांव और बरपेटा जिलों के बीच एक संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र है। अभयपुरी और मेरेरचर पुलिस स्टेशनों की टीमों द्वारा अभयपुरी के उप-मंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) की देखरेख में संयुक्त रूप से यह अभियान चलाया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, तलाशी अभियान के दौरान मवेशियों को बरामद किया गया, जिनके बारे में संदेह है कि उन्हें मौजूदा नियमों का उल्लंघन करते हुए ले जाया गया था। पुलिस ने मवेशियों को अपने कब्जे में ले लिया और फिर अभयपुरी पुलिस स्टेशन ले जाया गया।अधिकारियों ने बताया कि मवेशियों के स्रोत, उनके गंतव्य और क्या इसमें किसी संगठित नेटवर्क की संलिप्तता हो सकती है, इसका पता लगाने के लिए एक विस्तृत जांच शुरू की गई है। अधिकारी मवेशियों के परिवहन और तस्करी से संबंधित प्रासंगिक कानूनों के तहत संभावित उल्लंघनों की भी जांच कर रहे हैं।

इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं हुई है, और पुलिस ने संकेत दिया है कि आगे की कार्रवाई चल रही जांच के निष्कर्षों पर निर्भर करेगी।

लापरवाही और अनियंत्रित चिकित्सा व्यवस्था के कारण पाकिस्तान में हेपेटाइटिस का बढ़ता संकटः रिपोर्ट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में लापरवाही और अनियंत्रित चिकित्सा व्यवस्था के चलते हेपेटाइटिस के मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी हो रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में दुनिया में सबसे ज्यादा हेपेटाइटिस-सी (एचसीवी) मरीज पाए जाते हैं, जिसका प्रमुख कारण झोलाछाप डॉक्टरों की बड़ी संख्या और असुरक्षित चिकित्सीय प्रथाएं हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में 6 लाख से अधिक झोलाछाप डॉक्टर सक्रिय हैं, जो बिना लाइसेंस के इलाज करते हैं और मरीजों की सुरक्षा के बजाय मुनाफे को प्राथमिकता देते हैं। हेपेटाइटिस-सी के करीब 9.8 से 10 मिलियन मामले सामने आए हैं। वहीं, हेपेटाइटिस-बी (एचबीवी) को मिलाकर 13.8 से 15 मिलियन लोग इन वायरस से संक्रमित माने जाते हैं, जिनमें से केवल 25-30 प्रतिशत लोगों को ही अपनी बीमारी की जानकारी है। पाकिस्तान के प्रमुख अखबार 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' में प्रकाशित संपादकीय के अनुसार, देश की स्वास्थ्य व्यवस्था ऐसी स्थिति में पहुंच गई है कि कई बार इलाज कराने जाना ही लोगों के लिए जोखिम बन जाता है। अस्पतालों में सस्ती चिकित्सा की तलाश में आने वाले लोग अनजाने में खतरनाक संक्रमण लेकर लौटते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि सिरिंज का दोबारा उपयोग, असुरक्षित रक्त चढ़ाना और उपकरणों की सही तरीके से सफाई न होना आम बात है, जिससे संक्रमण तेजी से फैल रहा है। हेपेटाइटिस-सी सीधे लीवर को प्रभावित करता है और इसके लक्षण कई वर्षों बाद सामने आते हैं, तब तक मरीज के लीवर को गंभीर नुकसान पहुंच चुका होता है।

इसके अलावा, आम लोगों के लिए बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच भी मुश्किल है, जिससे नियमित जांच और स्क्रीनिंग की उम्मीद करना भी कठिन हो जाता है। पाकिस्तान सरकार ने 2025 में 2050 तक हेपेटाइटिस-सी उन्मूलन का लक्ष्य तय किया था, लेकिन रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि सरकार अक्सर समस्याओं की पहचान तो करती है, पर बाद में उन्हें अधूरा छोड़ देती है।

इसी संदर्भ में पंजाब प्रांत के तौंसा स्थित एक सरकारी अस्पताल में बच्चों के वार्ड में गंभीर लापरवाही का मामला भी सामने आया है।

बंगाल चुनाव : 'मोदी की 10 गारंटी' पर भरोसा, नदिया की जनता ने भाजपा सरकार बनाने का किया ऐलान

नदिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर में 'विजय संकल्प सभा' को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा-एनडीए की विजय का परचम पूरी शक्ति से लहराना है। 4 मई को बंगाल में भाजपा की विजय का जश्न होगा। मिठाई भी बंटेगी और झालमुड़ी भी बांटी जाएगी। झालमुड़ी ने भी कुछ लोगों को झन्नाटेदार झटका दिया है। झालमुड़ी मैंने खाई। लेकिन, 'झाल' टीएमसी को लगी है।

उन्होंने चुनावी सभा के दौरान कहा कि कृष्णानगर में आज भय पर भरोसे की विजय का विश्वास दिख रहा है। ये उत्साह, ये उमंग और ये जोश, भरोसे का है। भय जा रहा है, भरोसा आगे बढ़ रहा है। वर्षों से जिनकी आवाज को दबाकर रखा गया था, वो अब एक सुर में बोल रहे हैं। गांव-गांव, गली-गली, स्त्री-पुरुष, युवा-बुजुर्ग सब बोल रहे हैं। भाजपा की सरकार आ रही है। दूसरी ओर 'विजय संकल्प सभा' को सुनने के लिए बहुत बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। कुछ लोगों ने आईएएनएस से बातचीत की और अपने विचार सामने रखे। एक युवती ने कहा कि पीएम मोदी को सुनने के लिए आए थे। उन्होंने महिलाओं के लिए जो 10 गारंटी दी है, हम उसे लेकर बहुत खुश हैं। हम सभी चाहते हैं कि यहां पर भाजपा की सरकार बने। पीएम मोदी ने पहली गारंटी दी है कि बहन-बेटियों पर अत्याचार करने वालों को कड़ी सजा मिलेगी। हर ब्लॉक में महिला थाने मिलेंगे। बंगाल की बेटियों की भर्ती सरकारी नौकरी में की जाएगी। महिलाओं को एक साल में 36 हजार रुपए बैंक अकाउंट में दिए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि बंगाल में भाजपा सरकार ग्रेजुएशन के लिए लड़कियों को 50 हजार रुपए देगी। गर्भवती माताओं को 21 हजार रुपए तक की आर्थिक सहायता देगी। शिशुओं के पोषण के लिए 36 हजार रुपए अलग से देगी। सुकन्या समृद्धि योजना के जरिए बेटियों का भविष्य सुरक्षित किया जाएगा।

त्रिपुरा विधानसभा का विशेष सत्र 30 अप्रैल को, महिला आरक्षण पर होगा विचार

अगरतला। त्रिपुरा विधानसभा का एक विशेष सत्र 30 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा, जिसमें महिला आरक्षण के मुद्दे पर चर्चा की जाएगी और इस पर एक प्रस्ताव भी पारित किया जाएगा। यह जानकारी राज्य सरकार के अधिकारियों ने गुरुवार को दी।

विधानसभा सचिव अमिया कांति नाथ ने बताया कि त्रिपुरा विधानसभा का 13वीं विधानसभा का 9वां सत्र, जिसे पहले अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था, अब 30 अप्रैल को फिर से शुरू होगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष रामपदा जमातिया ने सदन की दूसरी चरण की बैठक उसी दिन बुलाने का निर्णय लिया है। नाथ के अनुसार, यह सत्र 13 मार्च को शुरू हुआ था और 23 मार्च को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। संसदीय कार्य एवं बिजली मंत्री रतन लाल नाथ ने बताया कि 30 अप्रैल को महिला आरक्षण मुद्दे पर विस्तृत चर्चा के बाद विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा शासित अन्य राज्यों की विधानसभाओं में भी इसी तरह के विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे और वहां भी इस विषय पर प्रस्ताव पारित होने की संभावना है। यह विशेष सत्र उस समय हो रहा है जब हाल ही में संसद में 17 अप्रैल को संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 पारित नहीं हो सका था। यह विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 2029 तक महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने से संबंधित है।

संपादकीय

ब्रिगेड मैदान की जंग में ममता बनाम अमित शाह की जंग

उमेश चतुर्वेदी

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई।

प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने कोलकाता की यात्रा की थी। उस दौरे पर उन्होंने तत्कालीन रेल मंत्री के कालीघाट स्थित घर का दौरा किया था। तब उन्होंने मंत्री की मां से उलाहना दिया था, आपकी बेटी मुझे बहुत परेशान करती हैं। कहना न होगा कि वह शख्सियत डेढ़ दशक से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री है। ममता बनर्जी लड़ाका है। धूल से उठकर राजनीतिक आसमान का तारा अगर वे बनी हुई हैं, उसकी वजह उनका सघर्षशील व्यक्तित्व ही है। लेकिन कोलकाता के मैदान में इस बार यह योद्धा फंसा नजर आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह उनसे दो-दो हाथ कर रही है, निश्चित तौर पर उसके पीछे नरेंद्र मोदी की अगुआई में बंगाल की धूल में लगातार परिश्रम कर रहे बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। आज अगर बंगाली की सियासी लड़ाई आर-पार के दौर में आ चुकी है तो इसके पीछे अमित शाह की रणनीति काम कर रही है। साल 2021 के विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद कहा गया था कि बीजेपी चुनाव जीतते-जीतते हार गई है। ममता का संघर्ष बीजेपी की रणनीतियों पर भारी पड़ गया था। पांच साल बाद कोलकाता के रायटर्स बिल्डिंग पर कब्जे को लेकर सेनाएं सज गई हैं। लेकिन इस बार हालात बदले नजर आ रहे हैं। इसकी वजह अमित शाह का चुनाव प्रचार की कमान खुद संभालना है, जिन्होंने 170 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर रखा है। पिछले विधानसभा चुनाव में पिछड़ने के बावजूद अमित शाह ने राज्य की यात्राएं जारी रखीं और इसके जरिए अपने कार्यकर्ताओं को उत्साहित बनाए रखा। इस बार बीजेपी अगर सत्ता की प्रबल दावेदार के रूप में उभरी है तो इसकी बड़ी वजह बूथ प्रबंधन तो है ही, घुसपैठ और महिला सुरक्षा को मुद्दा बनाना भी है। बंगाल के बारे में कहा जाता है कि वह जो आज सोचता है, पूरा देश उस पर बाद में आगे बढ़ता है। शक्ति पूजा की संस्कृति वाले राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ममता के राज में कई बार सवाल उठे। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में रेजिडेंट डाक्टर से दुष्कर्म और बर्बर हत्या के बाद अंग्रेजों की पहली राजधानी का भद्रलोक उद्वेलित हो उठा। अभी इसकी आंच ठंडी पड़ी नहीं कि कस्बा लॉ कालेज की छात्रा के साथ बलात्कार हुई। इसके पहले संदेशखाली में हुई कथित तौर पर यौन हिंसा और ज़मीन हड़पने के मामलों से पश्चिम बंगाल का समाज उद्वेलित रहा। अमित शाह के बार-बार के बंगाल दौरे के चलते बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने महिला सुरक्षा के मसले को कभी धीमा नहीं पड़ने दिया। इन्हीं वजहों से महिला सुरक्षा को लेकर तृणमूल कांग्रेस सवालों के घेरे में आ गई। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 2023 की रिपोर्ट भी राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की ही तसदीक करती है, जिसके अनुसार, राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 34,691 मामले दर्ज किए गए और एसिड हमलों में इसका हिस्सा सबसे ज्यादा करीब 27.5 प्रतिशत रहा। बीजेपी को महिला सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बनाने में ममता बनर्जी के एक बयान से भी मिला, जिसमें उन्होंने कहा था कि महिलाओं को शाम सात बजे के बाद बाहर नहीं निकलना चाहिए। बीजेपी ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आरजी कर की पीड़िता की मां मंजू देवनाथ को पनियाहाटा से उम्मीदवार बनाकर एक तरह से राज्य की महिलाओं को संदेश दे दिया है, संदेश यह कि वह उनकी सुरक्षा के लिए संजीदा है। बीजेपी ने महिलाओं को लुभाने के लिए दुर्गा सुरक्षा दस्ते बनाने और नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण देने का भी वादा किया है। इसके साथ ही महिलाओं को मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र की तरह प्रतिमाह तीन हजार रूपए देने का वादा किया है। यहां याद रखना चाहिए कि ममता सरकार हर महीने महिलाओं को डेढ़ हजार रूपए दे रही है।

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई। अमित शाह ने इसी बुनियाद को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति बनाई। इसके तहत उन्होंने दो बातों पर जोर दिया। उन्होंने उन गढ़ों को और मज़बूत बनाने की रणनीति बनाई, जहां पहले से ही पार्टी मजबूत स्थिति में है।

'रश्मिरथी' की हीरक जयंती पर विशेष

जाति और राजसत्ता के दम्भ को खंड-खंड करने वाली अमर कृति

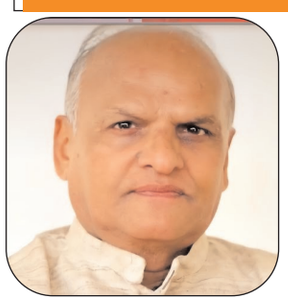

गिरीश पंकज

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की पुण्य तिथि (24 अप्रैल) पर लखनऊ में तीन दिवसीय आयोजन (24, 25 एवं 26 अप्रैल, 2026) हो रहा है. इस अवसर पर उनके खण्ड काव्य रश्मि रथी पर भी चर्चा होगी. अन्य आयोजन भी होंगे.1952 में यह खण्ड काव्य लिखा गया था. इस तरह यह इस कृति की हीरक जयंती है. यह एक सामान्य खंडकाव्य ही नहीं है,वह मानव-सभ्यता किस तरह की हो, इसको गढ़ी जाने वाली एक आचार संहिता भी है. जहां वीरता भी है, शौर्य भी है,लेकिन उसकी अंतर्धारा में समतामूलक मानवीय मूल्य भी हैं. कवि दिनकर मनुष्यता के पक्षधर हैं. सिर्फ भारतीयता नहीं वरन वैश्विक मनुष्यता के पक्ष में उसका रचनात्मकता अवदान रहा है. इसलिए तो रश्मिरथी के प्रथम सर्ग के प्रथम भाग में वह लिखते हैं :-

'जय हो जग में जेल जहां भी,
नमन पुनीत अनल को,
जिस नर में भी बसे हमारा नमन
तेज को, बल को. किस वृंत पर खिले
विपिन में, पर नमस्य है फूल.

**सुधी खोजने नहीं, गुणों को आदि
शक्ति का मूल.'**

दिनकर 'रश्मिरथी' में जो चिंतन व्यक्त करते हैं, वह चिंतन श्रेष्ठ मनुष्य की संरचना का सहायक बन सकता है. एक बेहतर मनुष्य आखिर कैसा होना चाहिए, उसकी सुंदरतम परिभाषा देते हुए दिनकर कहते हैं कि श्रेष्ठ मनुष्य या श्रेष्ठ ज्ञानी वह है जो किसी से किसी तरह का भेदभाव नहीं करता.जिसके भीतर करुणा है, दया है,ममता है,दरअसल वही संसार का पूज्य प्राणी हो सकता है. और जहां तक क्षत्रिय होने की बात है तो वह कहते हैं क्षत्रिय वही है, जिसके भीतर निडरता हो, साहस हो, हिम्मत हो. श्रेष्ठ ब्राह्मण की परिभाषा बताते हुए भी वह कहते हैं, एक अच्छे ब्राह्मण में तप और त्याग की भावना होती है. वह उदार होकर सबसे स्नेह करता है. दिनकर गोत्र से ज्यादा महत्व व्यक्ति के तेज को देते हैं. जिसमें चरित्र होता है, तेज होता है, वे लोग यशस्वी होते हैं. दुनिया में उनका नाम होता है. लेकिन जो हीनभावना से ग्रस्त होते हैं, वह जहां के तहाँ रह जाते हैं. वह इतिहास नहीं बनाते. इतिहास तो वही बनाते हैं जो सही मायने में ज्ञानी और तेजस्वी होते हैं. कविता देखें,

'ऊँच- नीच का भेद नहीं माने,
वही श्रेष्ठ ज्ञानी है.
दया-धर्म जिसमें हो, सबसे वही
पूज्य प्राणी है.
क्षत्रिय वही, भरी हो जिसमें निर्भरता
की आग,

**सबसे श्रेष्ठ ब्राह्मण है, हो जिसमें
तप-त्याग.'**

'रश्मिरथी' को पढ़ते हुए या कहें कि उससे संवाद करते हुए हमारे सामने एक ऐसे महान व्यक्तित्व का चित्र उभरता है, जिसने तमाम संघर्षों के बीच अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई. जो सूर्यपुत्र था लेकिन उपेक्षित था. लेकिन अंतत: उसे इतिहास में वह प्रतिष्ठा मिली, जिसके वह सर्वथा योग्य था. अपनी उपेक्षा के कारण वह विद्रोही जरूर हुआ लेकिन उसके भीतर दानशीलता थी,पौरुष था. लेकिन ऐसा पुरुष जो स्वाभिमान से भरा हो. जिसने जाति धर्म को कोई महत्व नहीं दिया. जिसने अपने बलबूते अपने व्यक्तित्व को गढ़ा.शस्त्र और शास्त्र दोनों का जिसने अध्ययन किया.उसमें निपुण हुआ.सचमुच वह कर्ण था, जिसके व्यक्तित्व को दुर्योधन ने पहचाना. समाज जीवन में अगर एक महानायक के रूप में जिसे प्रतिष्ठा मिली, तो कहा जा सकता है कि दिनकर जी के खण्डकाव्य 'रश्मिरथी' के माध्यम से ही मिली. पौराणिक काल में अनेक

पात्र हुए, लेकिन कर्ण की जिस तरह से आधुनिक संदर्भ में व्याख्या और कथानक दिनकर जी ने प्रस्तुत किया,वह अप्रतिम है. अगर आधुनिक दौर में हजारीप्रसाद द्विवेदी ने कबीर की पुनरव्याख्या की और उन्हें जन-जन तक बौद्धिक स्तर पर लोकप्रिय किया, तो महाभारत के एक महान पात्र कर्ण को 'रश्मिरथी' के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का काम दिनकर जी ने ही किया।

कर्ण तो ऐसे व्यक्तित्व का प्रतीक बन करके भी उभरता है, जिसे हम समाज में उपेक्षित जन कह सकते हैं. जो प्रतिभाशाली तो होते हैं, लेकिन कहीं छुपे रहते हैं. उनकी उपेक्षा होती है. लेकिन समय आने पर वे सबके सामने आते हैं. अर्जुन के सामने जब कर्ण के धनुष की टंकार गूंजती है, जब वह युद्ध की कलाएं दिखाता है, तब सारे पांडव चकित रह जाते हैं. दिनकर जी ने ऐसी छिपी प्रतिभाओं को 'गुदड़ी का लाल' कहा है. रश्मिरथी के प्रथम सर्ग के भाग 2 में वह कहते हैं कि

'नहीं फूलते कुसुम मात्र राजाओं
के उपवन में
अमित बार खिलते वे पुर दूर कुंज-
कानन में.
समझे कौन रहस्य प्रकृति का बड़ा
अनोखा हाल,
गुदड़ी में रखती चुन चुन कर बड़े
कीमती लाल.'

रश्मिरथी में दिनकर जी कर्ण का पूरा जीवन चरित्र प्रस्तुत करते हैं. कविता के माध्यम से अभिव्यक्त हुई कथा लोक रंजक है, लोक लुभावनी है. यही कारण है कि लाखों लोगों को रश्मिरथी कंठस्थ है. बहुत गर्व से लोग उसका सस्वर पाठ भी करते हैं. रश्मिरथी को पढ़ते या सुनते हुए दृश्य भी बनते चलते हैं. गोया हम अपने सामने उस बड़ी घटना को घटते हुए देख रहे हैं, जिसे महाभारत के माध्यम से हमने कुछ-कुछ देखा -पढ़ा भी है. लेकिन रश्मिरथी के माध्यम से तो जैसे एक पूरी फिल्म पाठक-श्रोताओं के सामने दृश्यमान हो जाती है. कह सकते हैं कि कर्ण अपने समय के बड़े धुरंधर थे, जिसे दिनकर जी ने समझा और विश्व के सामने प्रस्तुत किया. दिनकर जी ने रश्मिरथी के माध्यम से समाज में प्रचलित जातिवादी मानसिकता को लांछित किया है. इसमें दो राय नहीं कि हमारे समाज में आज भी अनेक ऐसे लोग हैं जो व्यक्ति की प्रतिभा को नहीं उसकी जाति को पूछते हैं. भले ही वह कितना निकृष्ट हो लेकिन अगर वह उच्च जाति का है, तो सम्माननीय है. दिनकर जी ने तो कर्ण के माध्यम से दो टूक कहा, ' पाते हैं सम्मान तपोबल से भूतल पर शूर /जाति-जाति का शोर मचाते केवल कायर क्रूर.' दुर्भाग्यवश ऐसी मानसिकता के शिकार आज भी मौजूद हैं. इसी मानसिकता को दिनकर जी ने कर्ण के माध्यम से कुछ इस तरह से अभिव्यक्त किया है,

' 'जाति! हाय री जाति!' कर्ण का
हृदय क्षोभ से डोला, कुपित सूर्य की ओर
दिख वह वीर क्रोध से बोला, जाति -
जाति रटते, जिनकी पूँजी केवल पाषंड,
मैं क्या जानूँ जाति? जाति हैं ये मेरे
भुजदण्ड.
मस्तक ऊँचा किये जाति का नाम
लिए चलते हो,
पर अधर्ममय शोषण के बल से
सुख में पलते हो.
अधम जातियों से थर-थर कांपते
तुम्हारे प्राण,
छल से मांग लिया करते हो, अंगूठे
का दान.''

आज हमारे समाज में यही सब तो चल रहा है. हम जितने भी हाईटेक हो जाएं, मगर यह जो 'जाति' है,लोगों की मानसिकता से नहीं 'जाती'! दिनकर ने बड़ी सरलता के साथ समाज की मानसिकता को काव्य के माध्यम से प्रस्तुत करके एक रास्ता हमें दिखाया. वह रास्ता यही है कि हम जातिवाद से ऊपर उठकर किसी भी व्यक्ति की प्रतिभा को पहचानने की कोशिश करें. ऊँच-नीच का भेद भूल कर हम केवल व्यक्ति के गुण को देखें. दुर्योधन ने कर्ण की प्रतिभा को पहचाना और उसने अपना मुकुट उतार कर उसे पहना दिया.स्वाभाविक था कि तब तक उपेक्षित नायक अपने सम्मान से अभिभूत हुआ और उसने दुर्योधन का जय-जयकार किया।

कर्ण कहता है,

'भरी सभा के बीच आज तूने
जो मान दिया है,
पहले पहल मेरे जीवन में जो
उत्थान दिया है.
उऋण भला होऊँगा उससे, चुका
कौन-सा दाम,
कृपा करें दिनमान कि आऊँ तेरे
कोई काम।

रश्मिरथी वीरता का आख्यान है. जातिवाद के विरुद्ध एक हस्तक्षेप है, लेकिन वह दान के महत्व को भी प्रतिपादित करने वाली कृति है. कर्ण को हम महान वीर के साथ साथ महादानी के रूप में भी याद करते हैं.दिनकर जी ने रश्मिरथी के अंत में कर्ण के दानवीर स्वरूप को प्रस्तुत हुए भारतीय समाज से यही आग्रह किया है कि हमारे भीतर भी वह दानवीरता बनी रहे,जो कर्ण के जीवन में थी. सब कुछ जानते समझते हुए भी वह आसानी से अपना सर्वस्व दान करने पर आमादा थे. दिनकर जी कहते हैं :-

'दानवीर! जय हो, महिमा का
गान सभी जन गाएँ,
देव और नर दोनों ही तेरा चरित्र
अपनाएँ.
दे अमोघ शर-दान सिधारे,
देवराज अंबर को,
व्रत का अंतिम मूल्य चुका कर,
गया कर्ण निज घर को.''

साहित्य की अनमोल धरोहर के रूप में सात दशक पहले लिखी गई यह कृति आज भी अगर चर्चा के केंद्र में है तो इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि यह खण्ड काव्य बुद्धि विलास नहीं करता वरन यह दीपशिखा की तरह ज्योतिर्मान है. सूर्य की रश्मियों की तरह ज्ञान की रश्मियाँ बिखरने वाली इस कृति का रचनाकार यानी दिनकर ही मुझे सूर्य की रश्मियों रथ पर सवार दिखाई देते हैं. इसलिए उन्हें रश्मिरथी आगे बढ़कर सूर्यरथ पर सवार महाकवि कहूँगा।

लोकतंत्र का आधार: सशक्त ग्राम पंचायतें

महेन्द्र तिवारी

भारत जैसे विशाल और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राष्ट्र की आत्मा उसके गाँवों में बसती है। यदि हम भारतीय लोकतंत्र के वृक्ष की कल्पना करें, तो इसकी जड़ें उन छोटी छोटी बस्तियों और गाँवों में हैं, जहाँ सदियों से लोग अपनी समस्याओं का समाधान सामूहिक चर्चा और आपसी सहमति से करते आ रहे हैं। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस, जो प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को मनाया जाता है, वास्तव में उसी प्राचीन परंपरा को आधुनिक संवैधानिक ढांचे में स्वीकार करने का एक उत्सव है। यह केवल एक तिथि नहीं है, बल्कि उस संकल्प की पुनरावृत्ति है जो सत्ता को बड़े नगरों की अट्टालिकाओं से निकालकर खेत खलिहानों तक पहुँचाने के लिए लिया गया था। भारतीय शासन व्यवस्था का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब भी स्थानीय शासन को महत्व दिया गया, समाज में सुख, समृद्धि और न्याय का संचार हुआ। ऋग्वेद जैसे प्राचीन ग्रंथों में सभा और समिति का वर्णन मिलता है, जो इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि

निर्णय लेने की प्रक्रिया में जनभागीदारी हमारे संस्कारों में समाहित है। चोल साम्राज्य के शासनकाल में भी स्थानीय स्वशासन के ऐसे उत्कृष्ट उदाहरण मिलते हैं, जिन्हें आज भी प्रशासनिक विज्ञान के विद्वान अध्ययन का विषय मानते हैं। मध्यकाल और विशेष रूप से औपनिवेशिक काल के दौरान यद्यपि इन संस्थाओं को आघात पहुँचा, परंतु इनकी मूल चेतना कभी समाप्त नहीं हुई। स्वतंत्रता के पश्चात राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने बार बार इस बात पर बल दिया कि वास्तविक स्वतंत्रता तभी आएगी जब भारत का प्रत्येक गाँव एक आत्मनिर्भर गणराज्य होगा। उनके अनुसार, दिल्ली में बैठकर लिया गया निर्णय पूरे देश की नियति नहीं बदल सकता, जब तक कि गाँवों के लोग स्वयं अपने विकास के मार्गदर्शक न बनें।

संविधान सभा में इस विषय पर गहन वैचारिक विमर्श हुआ और अंतत: अनुच्छेद 40 के अंतर्गत राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में पंचायतों के गठन का प्रावधान किया गया। प्रारंभ में यह केवल राज्यों की इच्छा पर निर्भर था, परंतु समय की माँग को देखते हुए इसमें व्यापक सुधारों की आवश्यकता अनुभव की गई। 1957 में बलवंत राय मेहता समिति ने त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का सुझाव दिया, जिसे सर्वप्रथम 2 अक्टूबर 1959 को राजस्थान के नागौर जिले में लागू किया गया। इसके उपरांत अशोक मेहता समिति, 1977, जी.वी.के. राव समिति, 1985 और एल.एम. सिंघवी समिति, 1986 जैसी विभिन्न समितियों ने इस व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक और प्रभावशाली बनाने के लिए अपने महत्वपूर्ण परामर्श दिए। सिंघवी समिति की सिफारिशों का ही परिणाम था कि पंचायतों को संवैधानिक दर्जा देने की मांग दृढ़ता से उठाई गई। अंतत: वर्ष 1992 में भारतीय संसद द्वारा 73वां संविधान संशोधन अधिनियम पारित किया गया, जो 24 अप्रैल 1993 से पूर्णत: प्रभावी हुआ। इस ऐतिहासिक कदम ने भारतीय प्रजातंत्र के स्वरूप को मौलिक रूप से बदल दिया।

बोध कथा

एक महात्मा का उपदेश- सच्चाई का फल

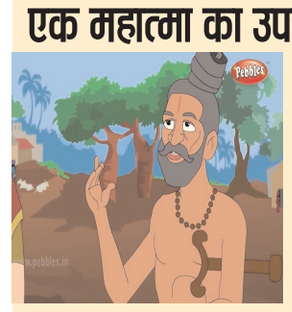

किसी नगर में एक बूढ़ा चोर रहता था। सोलह वर्षीय उसका एक लड़का भी था। चोर जब ज्यादा बूढ़ा हो गया तो अपने बेटे को चोरी की विद्या सिखाने लगा। कुछ ही दिनों में वह लड़का चोरी विद्या में प्रवीण हो गया। दोनों बाप बेटा आराम से जीवन व्यतीत करने लगे। एक दिन चोर ने अपने बेटे से कहा, 'देखो बेटा, साधु-संतों की बात कभी नहीं सुननी चाहिए। अगर कहीं कोई महात्मा उपदेश देता हो तो अपने कानों में उंगली डालकर वहां से भाग जाना, समझे।

'हां बापू, समझ गया।' एक दिन लड़के ने सोचा, क्यों न आज राजा के घर पर ही हाथ साफ कर दूं। ऐसा सोचकर उधर ही चल पड़ा। थोड़ी दूर जाने के बाद उसने देखा कि रास्ते में बगल में कुछ लोग एकत्र होकर खड़े हैं। उसने एक आते हुए व्यक्ति से पूछा, 'उस स्थान पर इतने लोग क्यों एकत्र हुए हैं?

उस आदमी ने उत्तर दिया, 'वहां एक महात्मा उपदेश दे रहे हैं।' यह सुनकर उसका माथा ठनका। 'इसका उपदेश नहीं सुनूंगा।' ऐसा सोचकर अपने कानों में उंगली डालकर वह वहां से भाग निकला। जैसे ही वह भीड़ के निकट पहुंचा एक पत्थर से ठोकर लगी और वह गिर गया। उस समय महात्मा जी कह रहे थे, 'कभी झूठ नहीं बोलना चाहिए। जिसका नमक खाएं उसका कभी बुरा नहीं सोचना चाहिए।

ऐसा करने वाले को भगवान सदा सुखी बनाए रखते हैं।' ये दो बातें उसके कान में पड़ीं। वह झटपट उठा और कान बंद कर राजा के महल की ओर चल दिया। वहां पहुंचकर जैसे ही अंदर जाना चाहा कि उसे वहां बैठे पहरेदार ने टोका, 'अरे कहां जाते हो? तुम कौन हो?' उसे महात्मा का उपदेश याद आया, 'झूठ नहीं बोलना चाहिए।' चोर ने सोचा, आज सच ही बोल कर देखें। उसने उत्तर दिया, 'मैं चोर हूं, चोरी करने जा रहा हूं।

व्यंग्य केसरी

रामभरोसे की भूख

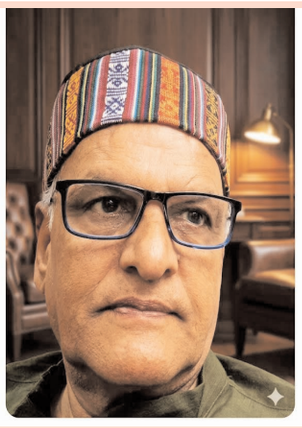

गिरीश पंकज

रामभरोसे को पिछले कुछ दिनों भूख नहीं लग रही थी। कुछ खाने का मन ही नहीं होता था। वह आश्चर्यचकित था कि भूख को क्या हो गया।पहले तो डट कर खाता था लेकिन अब क्या हो गया। सुबह फलाने दल के नेता का भाषण सुना, उसके बाद भी भूख नहीं लगी । दोपहर को ढिकाने दल के नेता का भाषण सुना, उसके बाद भी वही हाल। सोचा, शाम को भूख लगेगी, मगर कोई फायदा नहीं।

वह तीसरी पार्टी के नेता का भाषण सुन कर घर लौटा, तो भी पेट लबालब भरा-भरा सा। घर वाले परेशान कि मामला क्या है। कहीं पेट में कोई खराबी तो नहीं। रामभरोसे ने डॉक्टर से मुलाकात की। डॉक्टर ने पहले उसका पेट को दबाया। पर कुछ समझ में नहीं आया। फिर उसने सोनोग्राफी की तो देखा सारा सिस्टम ठीकठाक है। फिर भूख क्यों नहीं लगती ? डॉक्टर ने रामभरोसे पिछले कुछ दिनों की दिनचर्या पूछी तो उसने बताया कि 'कुछ दिनों से राजनीतिक दलों की आमसभाओं में जा रहा हूँ। बाहर का कुछ विशेष खा भी नहीं रहा हूँ।' डॉक्टर उसकी बात सुनकर मुस्कुराया और बोला, 'तुम्हारी बीमारी की जड़ तक में पहुंच गया हूँ। ये जो तुम रोज नेताओं के तरह- तरह के लुभावन भाषण सुन रहे हो न, इसके कारण तुम्हारे मन में तृप्ति का एहसास जाग जाता है और तुम भविष्य की सुखद कल्पना करके निश्चिंत हो जाते हो । किसम किसम के वादे सुन- सुनकर तुम्हारा पेट भर जाता है। यही कारण है कि भूख नहीं लग रही। बेहतर यही होगा कि भाषण सुनना बंद करो। फिर देखो कमाल।' डॉक्टर की बात सुनकर रामभरोसे लगा यह ठीक कह रहे हैं । कुछ दिनों से नेताओं के भाषण सुनने का नशा ही लग गया था उसे।इस कारण समय भी बर्बाद हुआ और भूख न लगने की बीमारी भी लग गई । रामभरोसे ने कसम खाई कि 'अब किसी की आमसभा में नहीं जाऊंगा' । वह दिन और आज का दिन, राम भरोसे का पेट बिलकुल ठीक है। उसे भूख लग रही है। वह पर्याप्त भोजन ले रहा है।

इतिहास

23 अप्रैल का इतिहास ज्ञान, साहित्य और अन्वेषण से भरा है। आज के दिन विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस मनाया जाता है। साथ ही, आज प्रसिद्ध अंग्रेजी नाटककार विलियम शेक्सपियर का जन्म और निधन दोनों माना जाता है, जो विश्व साहित्य के लिए एक अनूठा संयोग है। इसके अलावा, 1984 में एड्स वायरस की खोज की घोषणा की गई थी।

23 अप्रैल की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ:

विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस (World Book and Copyright Day) UNESCO द्वारा साहित्य और प्रकाशन को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है।

विलियम शेक्सपियर (1564-1616): अंग्रेजी के महानतम लेखक का जन्म और मृत्यु 23 अप्रैल को हुई थी।

एड्स वायरस की खोज (1984): अमेरिकी शोधकर्ताओं ने बताया कि उन्होंने AIDS का कारण बनने वाला वायरस खोज लिया है, जिसे बाद में HIV नाम दिया गया।

स्पेन में खोज (1492): स्पेन ने क्रिस्टोफर कोलंबस को उनकी समुद्री खोज यात्रा के लिए मंजूरी दी थी।

प्रसिद्ध व्यक्तित्व का निधन (1616): स्पेनिश लेखक मिगुएल डी सर्वेंट्स, जिन्होंने 'डॉन क्विक्सोट' लिखा था, का निधन। आज का दिन साहित्य प्रेमियों के लिए विशेष रूप से स्मरणीय है।

भारत में तेजी से बढ़ रही बेहद अमीर लोगों की आबादी, 2031 तक 25 हजार के पार होगी : रिपोर्ट

मुंबई। भारत में अल्ट्रा-हाई-नेटवर्थ-इंडिविजुअल (यूएचएनडब्ल्यूआई) की आबादी तेजी से बढ़ी है और 2031 तक यह 25,000 के अधिक होने का अनुमान है। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

नाइट फ्रैंक के एनालिसिस में कहा गया कि भारत की यूएचएनडब्ल्यूआई आबादी वर्तमान में 19,877 है, जो कि 2031 तक 27 प्रतिशत बढ़कर 25,217 होने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में अरबपतियों की संख्या में भी पिछले पांच वर्षों में 58 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी गई है, जो 2026 में बढ़कर 207 हो जाएगी, जो अमेरिका और चीन के बाद वैश्विक स्तर पर तीसरी सबसे बड़ी संख्या है।

देश में अरबपतियों की संख्या में 2031 तक 51 प्रतिशत की और वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे यह संख्या 313 तक पहुंच जाएगी। इसके साथ ही वैश्विक अरबपति आबादी में भारत की हिस्सेदारी 6.7 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 8 प्रतिशत हो जाएगी।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 2026 में वैश्विक यूएचएनडब्ल्यूआई की आबादी में भारत की हिस्सेदारी 2.8 प्रतिशत होगी, जो पांच साल पहले मात्र 2 प्रतिशत से थोड़ी अधिक थी। यह वैश्विक धन परिदृश्य में देश के बढ़ते महत्व को दर्शाता है।

अल्ट्रा-रिच लोगों के मामले में देश अब विश्व स्तर पर छठे स्थान पर है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत में धन का वितरण भौगोलिक रूप से अधिक होता जा रहा है, हालांकि मुंबई अल्ट्रा-रिच लोगों की आबादी में 35.4 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अपना दबदबा बनाए हुए है।

दिल्ली की हिस्सेदारी बढ़कर 22.8 प्रतिशत हो गई है, जबकि चेन्नई और हैदराबाद ने भी पिछले दशक में मजबूत वृद्धि दर्ज की है।

वहीं, बेंगलुरु की हिस्सेदारी में मामूली गिरावट आई है।

नाइट फ्रैंक इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा कि भारत के वेल्थ आधार में विस्तार देश के अधिक उद्यमशील और वित्तीय रूप से परिष्कृत अर्थव्यवस्था में परिवर्तन को दर्शाता है।

उन्होंने आगे कहा कि डिजिटलीकरण, सूचीबद्ध शेयर बाजार, निजी पूंजी और पारिवारिक स्वामित्व वाले व्यवसाय इस निरंतर धन सृजन के प्रमुख चालक हैं।

मजबूत डॉलर से सोने और चांदी में बिकवाली, कीमतें 1.6 प्रतिशत तक घटीं

मुंबई। सोने और चांदी की कीमतों में मजबूत डॉलर के चलते गुरुवार को दबाव देखा जा रहा है और दोनों कीमती धातुओं में करीब 1.6 प्रतिशत तक की गिरावट है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सुबह सोने का 05 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 9:56 पर 0.36 प्रतिशत या 546 रुपए की कमजोरी के साथ 1,52,111 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,51,719 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,52,200 रुपए उच्चतम स्तर बनाया है।

चांदी का 05 मई, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 1.61 प्रतिशत की गिरावट या 3,987 रुपए की कमजोरी के साथ 2,44,377 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,42,220 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,44,730 रुपए का उच्चतम स्तर बनाया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमत में कमजोरी कमजोरी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर गोल्ड की कीमत 0.68 प्रतिशत कम होकर 4,720 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 2.43 प्रतिशत कम होकर 76 डॉलर प्रति औंस हो गया है। सोने और चांदी में कमजोरी की वजह मजबूत डॉलर इंडेक्स को माना जा रहा है, जो कि 0.11 प्रतिशत बढ़कर 98.50 के ऊपर कारोबार कर रहा था। आमतौर पर जब भी डॉलर इंडेक्स में मजबूती देखी जाती है तो सोने और चांदी में दबाव देखने को मिलता है। डॉलर इंडेक्स के तेजी का कारण कच्चे तेल की कीमत में बढ़ोतरी होना है, जिससे डॉलर की मांग बढ़ गई है। अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 1.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 103 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ 94 डॉलर प्रति बैरल पर है। डॉलर इंडेक्स दुनिया की छह बड़ी मुद्रओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दिखाता है, जिसमें यूरो, जापानी येन, पाउंड स्टर्लिंग,कैनेडियन डॉलर, स्वीडिश क्रोना और स्विस फ्रैंक शामिल हैं।

लगातार दूसरे दिन बाजार में छाई लाली, सेंसेक्स 852 अंक फिसला, निफ्टी 0.84 प्रतिशत गिरा

मुंबई। मध्य पूर्व में जारी संघर्षों के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी नाकाबंदी के चलते कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, कमजोर रुपए और अन्य प्रतिकूल कारकों के कारण भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे कारोबारी दिन बड़ी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। इस दौरान प्रमुख घरेलू बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 852.49 अंकों यानी 1.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,664 पर ट्रेड करते नजर आया, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 205.05 (0.84 प्रतिशत) अंक फिसलकर 24,173.05 पर पहुंच गया।

दिन के कारोबार में सेंसेक्स 77,983.66 पर खुलकर 823 अंक या 1 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर 77,574.18 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। तो वहीं निफ्टी 24,202.35 पर खुलकर 243 अंक या करीब 1 प्रतिशत गिरकर 24,134.80 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

इस तरह, महज दो सत्रों में सेंसेक्स करीब 1,600 अंक या 2 प्रतिशत तक गिर गया है, जबकि निफ्टी 50 में भी लगभग 2 प्रतिशत की गिरावट आई है।

सत्र के दौरान, व्यापक बाजार सूचकांकों में भी गिरावट दर्ज की गई, जबकि पिछले सत्र में बाजार में गिरावट के बावजूद व्यापक सूचकांक हरे निशान में बंद हुए थे। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में जहां 0.67 प्रतिशत की गिरावट आई, वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.41 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी फार्मा (2.36 प्रतिशत की तेजी) और निफ्टी मीडिया (0.90 प्रतिशत की बढ़त) को छोड़कर अन्य सभी सेक्टर्स में गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा निफ्टी ऑटो में 2.35 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक में 2.19 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी में 1.83 प्रतिशत और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.38 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 1.31 प्रतिशत और निफ्टी आईटी में 1.22 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। निफ्टी50 पैक में डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, सिप्ला, अदाणी इंटरप्राइजेज, कोल इंडिया, अपोलो हॉस्पिटल, अदाणी पोर्ट्स, ओनजीसी और नेस्ले इंडिया के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली।

भारत के प्राइवेट सेक्टर में गतिविधियां अप्रैल में बढ़ीं, रोजगार सृजन 10 महीनों के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली। भारत के प्राइवेट सेक्टर में अप्रैल में गतिविधियों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। इसकी वजह क्षमता में विस्तार, बेहतर मांग, नए ऑर्डर्स और टेक्नोलॉजी निवेश में बढ़ोतरी होना है। यह जानकारी एचएसबीसी 'फ्लैश इंडिया पीएमआई कंपोजिट आउटपुट इंडेक्स' में गुरुवार को दी गई।

यह इंडेक्स मासिक आधार पर भारत के सर्विस और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की गतिविधियों को दिखाता है। अप्रैल में यह 58.3 पर रहा है, मार्च में यह 57.0 पर था।

एचएसबीसी की ओर से बताया गया कि अप्रैल में नए ऑर्डर मार्च की अपेक्षा अधिक तेजी से बढ़े हैं।

सर्वेक्षण में बताया गया कि भारत में निजी क्षेत्र में रोजगार में बढ़ोतरी देखने को मिली है। अप्रैल में रोजगार सृजन में वृद्धि 10 महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है।

एचएसबीसी की चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट प्रांजुल भंडारी ने कहा, 'मध्य पूर्व संघर्ष से जुड़ी बाधाओं के कारण मार्च में आई सुस्ती के बाद निजी क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी आई है। उत्पादन और नए ऑर्डर में तेजी से वृद्धि के साथ विनिर्माण क्षेत्र ने इस सुधार का नेतृत्व किया।

सर्वेक्षण से संकेत मिलता है कि कंपनियां आपूर्ति पक्ष के झटके की अवधि को लेकर अनिश्चितताओं से निपटने के लिए बफर स्टॉक बना रही हैं।

भंडारी ने कहा, 'खरीद की मात्रा में वृद्धि के साथ-साथ तैयार माल और इनपुट इन्वेंट्री में भी वृद्धि हुई है। इनपुट लागत का दबाव उच्च बना हुआ है और कंपनियों ने बढ़ी हुई बिक्री कीमतों के माध्यम से इस वृद्धि का कुछ हिस्सा ग्राहकों से वसूला।

मुद्रास्फीति दरें ऐतिहासिक रूप से उच्च बनी रहीं, लेकिन सेवा क्षेत्र में मंदी के कारण पिछले महीने की तुलना में इनमें कुछ कमी आई।

एस एंड पी ग्लोबल द्वारा संकलित पीएमआई रिपोर्ट में कहा गया है, 'उत्पादन और बिक्री में मजबूत उछाल के साथ विनिर्माण क्षेत्र ने रिकवरी का नेतृत्व किया, लेकिन यहां कीमतों का दबाव बढ़ गया।

रिपोर्ट के अनुसार, सेवा प्रदाताओं की तुलना में वस्तु उत्पादकों ने नए ऑर्डर और उत्पादन में तेजी से वृद्धि दर्ज की।

पहली तिमाही में हुंडई मोटर का मुनाफा 23.6 प्रतिशत घटा, अमेरिकी टैरिफ और बढ़ती लागत का असर

सोल। दक्षिण कोरिया की प्रमुख ऑटो कंपनी हुंडई मोटर ने गुरुवार को बताया कि अमेरिकी टैरिफ और कच्चे माल की बढ़ती लागत के चलते इस साल की पहली तिमाही (क्यू1) में उसका शुद्ध मुनाफा (नेट प्रॉफिट) 23.6 प्रतिशत घट गया।

कंपनी के अनुसार, जनवरी से मार्च के बीच उसका शुद्ध मुनाफा 2.58 ट्रिलियन वोन (लगभग 1.7 अरब डॉलर) रहा, जो पिछले साल इसी अवधि में 3.38 ट्रिलियन वोन था।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि इस दौरान कंपनी की ऑपरेटिंग इनकम 30.8 प्रतिशत घटकर 2.51 ट्रिलियन वोन रह गई, जबकि बिक्री (सेल्स) 3.4 प्रतिशत बढ़कर 45.93 ट्रिलियन वोन हो गई।

मुनाफे में गिरावट के बावजूद कंपनी का प्रदर्शन बाजार के अनुमान से बेहतर रहा। विश्लेषकों ने औसतन 2.43 ट्रिलियन वोन के मुनाफे का अनुमान लगाया था।

कंपनी ने मुनाफे में गिरावट के लिए अमेरिकी ऑटो टैरिफ, कच्चे माल की बढ़ती कीमतें और बढ़ते निवेश को जिम्मेदार बताया। कंपनी ने कहा कि केवल टैरिफ से जुड़े खर्च ही इस तिमाही में 860 अरब वोन रहे। वैश्विक स्तर पर कंपनी की कुल थोक बिक्री 2.5 प्रतिशत घटकर 9,76,219 यूनिट रही, जो बाजार में कमजोर मांग को दर्शाती है। हालांकि, कंपनी ने कहा कि उसने अन्य कंपनियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन बनाए रखा।

कंपनी के अनुसार, हाई-वैल्यू वाहनों, खासकर हाइब्रिड कारों की मजबूत बिक्री और फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस के अच्छे प्रदर्शन ने कुल बिक्री में आई गिरावट को कुछ हद तक संतुलित किया।

हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों (एचईवी) की बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर 1,73,977 यूनिट रही, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री 58,788 यूनिट रही। कुल बिक्री में इको-फ्रेंडली वाहनों की हिस्सेदारी बढ़कर 24.9 प्रतिशत हो गई, जिसमें सिर्फ हाइब्रिड की हिस्सेदारी 17.8 प्रतिशत रही, दोनों ही रिकॉर्ड स्तर हैं।

हुंडई मोटर ने बताया कि उसका वैश्विक बाजार हिस्सा बढ़कर 4.9 प्रतिशत हो गया, जो पिछले साल 4.6 प्रतिशत था। वहीं, अमेरिकी बाजार में कंपनी की हिस्सेदारी 5.6 प्रतिशत से बढ़कर 6 प्रतिशत हो गई।

आगे के लिए कंपनी ने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, भू-राजनीतिक जोखिम और बढ़ते व्यापार तनाव के कारण कारोबार का माहौल चुनौतीपूर्ण बना रह सकता है। कंपनी ने कहा कि वह नए मॉडल लॉन्च करके, हाई-वैल्यू वाहनों की रेंज बढ़ाकर और इलेक्ट्रिफिकेशन (इलेक्ट्रिक वाहनों) पर फोकस बढ़ाकर ग्रोथ हासिल करने की योजना बना रही है। साथ ही, कंपनी लागत नियंत्रण और बेहतर योजना बनाकर टैरिफ और अन्य बाहरी दबावों से होने वाले नुकसान को कम करने की कोशिश करेगी।

छत्तीसगढ़ में एमएसपी खरीद बढ़ी, बिहार में पहली बार दाल की संगठित खरीद शुरू: केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को बताया कि छत्तीसगढ़ में एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर खरीद को काफी बढ़ाया गया है। साथ ही, बिहार में 'आत्मनिर्भर दलहन मिशन' के तहत पहली बार दाल की संगठित खरीद शुरू की गई है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने पीएम-आशा योजना के तहत एमएसपी खरीद को मजबूत किया है, जिसमें नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनसीसीएफ) और नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएएफईडी) छत्तीसगढ़ में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

वहीं, एनसीसीएफ ने बिहार में पहली बार मसूर दाल की संगठित खरीद शुरू की है, जो दाल उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बताया कि यह पहल वैज्ञानिक भंडारण व्यवस्था से जुड़ी है, जिसमें सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के साथ मिलकर डब्ल्यूडीआरए-मान्यता प्राप्त गोदामों का उपयोग किया जा रहा है।

22 अप्रैल 2026 तक बिहार में 32,000 मीट्रिक टन मसूर खरीद का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए 16 पीएसीएस/एफपीओ रजिस्टर किए गए हैं, 59 किसानों को जोड़ा गया है और अब तक 100.4 मीट्रिक टन की खरीद पूरी हो चुकी है।

एनएएफईडी भी राज्य में अपने नेटवर्क के जरिए 'प्राइस सपोर्ट स्कीम' के तहत खरीद को और बढ़ाने की तैयारी कर रहा है।

छत्तीसगढ़ में पीएम-आशा के तहत खरीद में तेजी आई है। 'ई-सम्युक्ति पोर्टल' के जरिए किसानों की डिजिटल भागीदारी बढ़ाई गई है और जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, जिसमें दूरदर्शन के माध्यम से भी प्रचार किया गया है।

वर्तमान में 85 पीएसीएस केंद्र सक्रिय हैं और धमतरी, दुर्ग, बालोद, बलौदाबाजार, रायपुर, रायगढ़ और सारंगढ़ जिलों में खरीद जारी है।

मारुति सुजुकी इंडिया का प्रोडक्शन वित्त वर्ष 26 में ऑल-टाइम हाई पर रहा

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने गुरुवार को कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में उसने 23.4 लाख यूनिट्स का उत्पादन किया है, जो कि अब तक का सबसे अधिक वार्षिक उत्पादन है।

देश में वार्षिक आधार पर 23 लाख से अधिक यूनिट्स का उत्पादन करने वाली मारुति सुजुकी एकमात्र कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है।

कंपनी ने बयान में कहा कि वैश्विक स्तर पर सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन की सभी कंपनियों में मारुति सुजुकी इंडिया एक मात्र कंपनी है, जिसने यह उपलब्धि हासिल की है।

कंपनी का उद्देश्य उत्पादन को बढ़ाकर 40 लाख यूनिट्स प्रति वर्ष तक करना है।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ, हिसाशी ताकेउची ने कहा, 'यह हमारे लिए गर्व का क्षण है, क्योंकि विश्व भर में बहुत कम कंपनियां एक ही देश में इतनी बड़ी मात्रा में उत्पादन करने में सक्षम हैं। मारुति सुजुकी में, हम हमेशा से ऐसे उत्पाद और तकनीकें पेश करने में विश्वास रखते आए हैं जो हमारे ग्राहकों की बदलती जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करती हैं, जिससे पीढ़ी दर पीढ़ी उनका विश्वास अर्जित होता रहा है।

कंपनी ने बताया कि डिजायर, फ्रोंक्स, स्विफ्ट, एर्टिगा और बलेनो वर्ष के दौरान सबसे अधिक उत्पादित मॉडल रहे, जिनमें से प्रत्येक ने दो लाख यूनिट का आंकड़ा पार किया।

ताकेउची ने कहा, 'इसकी नींव हमारे कर्मचारियों, विक्रेताओं और डीलर भागीदारों के साथ हमारे आपसी विश्वास और दीर्घकालिक सहयोग पर टिकी है। वर्तमान सरकार की नीतिगत व्यवस्था, जैसे जीएसटी 2.0 की शुरुआत, ने बाजार के भरोसे को मजबूत किया और एक महत्वपूर्ण समय में मांग को बढ़ाया, जिससे हमें रिकॉर्ड-उच्च यूनिट उत्पादन करने में मदद मिली।

वर्तमान में, ऑटोमोबाइल कंपनी हरियाणा के गुरुग्राम, मानेसर और खरखोदा में एक-एक और गुजरात के हंसलपुर में चार विनिर्माण संयंत्र संचालित करती है।

इन संयंत्रों की कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 24 लाख यूनिट है।

सूंघने की क्षमता में गिरावट भी अल्जाइमर्स का शुरुआती संकेत

नई दिल्ली। अल्जाइमर एक ऐसी अवस्था है जिसमें ढलती उम्र के साथ याददाश्त कमजोर होती चली जाती है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, अल्जाइमर डिमेंशिया (मस्तिष्क क्षीणता) का एक प्रकार है। इसमें याददाश्त के साथ-साथ सोचने-समझने, निर्णय लेने, और पहचानने व बोलने और समझने की क्षमता में गिरावट आती है। कुछ ऐसे लक्षण होते हैं जिन पर गौर किया जाए तो इसको काबू में किया जा सकता है। इसमें से एक सूंघने की क्षमता भी है।

एक नए शोध में संकेत मिला है कि सूंघने की क्षमता में कमी अल्जाइमर्स के शुरुआती संकेत हो सकते हैं, जो याददाश्त में गिरावट के स्पष्ट लक्षणों से पहले ही दिखाई दे सकती है।

यह निष्कर्ष प्रतिष्ठित जर्नल नेचर कम्युनिकेशन्स में प्रकाशित हुआ है, जिसमें बताया गया कि दिमाग में होने वाले शुरुआती बदलाव इंद्रियों, विशेष रूप से सूंघने की क्षमता पर असर डालते हैं।जर्मनी के डीजेडएनई और लुडविंग-मैक्सिमिलियंस-यूनिवर्सिटी म्यूनिख के वैज्ञानिकों ने पाया कि दिमाग की प्रतिरक्षा प्रणाली इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। शोध के अनुसार, माइक्रोग्लिया नामक प्रतिरक्षा कोशिकाएं गलती से उन तंत्रिका रेशों पर हमला कर सकती हैं, जो सूंघने की क्षमता के लिए जरूरी होते हैं।

अध्ययन में बताया गया कि सूंघने से जुड़ी समस्या तब उत्पन्न होती है, जब दिमाग के दो अहम हिस्सों के बीच संचार बाधित हो जाता है। इनमें ओलफैक्ट्री बल्ब, जो नाक से आने वाले गंध संकेतों को प्रोसेस करता है, और लोकस कोरुलियस शामिल हैं, जो इस प्रक्रिया को तंत्रिका कनेक्शनों के जरिए नियंत्रित करता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, जब माइक्रोग्लिया इन दोनों हिस्सों के बीच संपर्क को प्रभावित करती हैं, तो गंध पहचानने की क्षमता कमजोर पड़ने लगती है।

बच्चों और बुजुर्गों को हीटवेव का खतरा सबसे ज्यादा, जानें बचाव के आसान उपाय

नई दिल्ली। देश में गर्मी तेजी से बढ़ रही है और हीटवेव या लू का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, बच्चों और बुजुर्गों को इस मौसम में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुसार, इन आयु वर्ग के लोगों का शरीर तापमान को जल्दी नियंत्रित नहीं कर पाता, जिससे वे लू की चपेट में जल्दी आ सकते हैं।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, बच्चों और बुजुर्गों को इस मौसम में लू लगने का खतरा सबसे ज्यादा होता है। इनकी उम्र के कारण शरीर तापमान को जल्दी नियंत्रित नहीं कर पाता, जिससे डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में इन दोनों आयुवर्ग के लोगों की विशेष देखभाल जरूरी है।

बच्चों का शरीर अभी पूरी तरह विकसित नहीं होता और उनकी पसीने की ग्रंथियां भी कम सक्रिय होती हैं। वहीं, बुजुर्गों में कई बार दवाइयों का असर या कमजोर स्वास्थ्य के कारण शरीर गर्मी को सहन नहीं कर पाता। दोनों ही मामलों में लू लगने की आशंका बढ़ जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि थोड़ी सी सावधानी से इन जोखिमों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

लू लगने के मुख्य लक्षणों पर नजर डालें तो इनमें चक्कर आना, तेज सिरदर्द, ज्यादा पसीना आना, अचानक कमजोरी महसूस होना, मतली या उल्टी जैसा लगना। अगर किसी बच्चे या बुजुर्ग में ये लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और उन्हें ठंडी जगह पर ले जाएं। ऐसे में एनएचएम सुरक्षा के आसान और प्रभावी उपाय भी बताता है।

पानी ज्यादा पिएं: - बच्चों और बुजुर्गों को बार-बार पानी पिलाएं।

सामान्य पानी के साथ नींबू पानी, छाछ या ओआरएस घोल भी दिया जा सकता है। डिहाइड्रेशन से बचने के लिए तरल पदार्थों का सेवन जरूरी है।

धूप से बचाव: - बाहर निकलते समय सिर पर टोपी, आंखों पर चश्मा और हल्के, ढीले, सूती कपड़े पहनें। इससे शरीर की गर्मी आसानी से बाहर निकल सके।

दोपहर के समय घर में रहें: - दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक बच्चों और बुजुर्गों को घर के अंदर ही रखें। इस समय सूर्य की किरणें सबसे तेज होती हैं।

हल्का और पौष्टिक खाना: - भोजन में ज्यादा तेल-मसाले वाले भारी खाने से बचें। फल, सब्जियां, दही और हल्का खाना दें जो शरीर को ठंडक प्रदान करे और सुपाच्य हो।

परहेज रखें:- शराब, ज्यादा कैफीन वाली चीजें और बहुत ठंडे पेय पदार्थों से दूर रहें। ये शरीर के तापमान को असंतुलित कर सकते हैं। प्राकृतिक शरबत या जूस का सेवन करें।

शरीर की निगरानी: बच्चों और बुजुर्गों पर लगातार नजर रखें। अगर वे थकान महसूस करें या खेलने-घूमने में कम रुचि दिखाएं तो उन्हें आराम कराएं व डॉक्टर से सलाह लें।

स्वास्थ्य विभाग की सलाह है कि गर्मी के मौसम में घरों में पंखे, कूलर या एसी का इस्तेमाल करें और कमरों को ठंडा रखें। अगर किसी को लू लगने का शक हो तो उसे ठंडे पानी से नहलाएं, गीले कपड़े से शरीर पोछें और तुरंत चिकित्सकीय मदद लें। इन आसान उपायों से बच्चों और बुजुर्गों को गर्मी की मार से बचा सकते हैं।

कम ऑक्सीजन में छिपा है 'नए जीवन' का रहस्य: रिसर्च ने खोला बड़ा राज

नई दिल्ली। जीवन के रहस्य वाकई अद्भुत और अकल्पनीय हैं। ऑक्सीजन हमारे वायुमंडल का बहुत उपयोगी तत्व है। जिंदगी में भी इसका योगदान अभूतपूर्व है। हाल ही में एक रिसर्च के आधार पर रिपोर्ट छपी जो दावा करती है कि कम ऑक्सीजन में भी नए जीवन का रहस्य छिपा है। आखिर क्या है ये?

दुनिया भर के वैज्ञानिक लंबे समय से यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर कुछ जीव—जैसे मेंढक या सलामेंडर—अपने कटे हुए अंगों को दोबारा कैसे उगा लेते हैं, जबकि इंसान ऐसा नहीं कर पाते। अब इस पहेली को सुलझाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। प्रतिष्ठित जर्नल साइंस में प्रकाशित रिसर्च ने इस रहस्य पर नई रोशनी डाली है।

कैन एन्टेकिन के नेतृत्व में एक टीम ने पाया कि अंगों के दोबारा बनने में ऑक्सीजन की बहुत अहम भूमिका रहती है। मेंढक के टैडपोल और एम्ब्रियोनिक चूहों के कटे हुए अंगों की तुलना कर, शोधकर्ताओं ने पाया कि सेल्स जिस तरह से ऑक्सीजन को महसूस करती हैं, उससे यह तय होता है कि दोबारा बनना शुरू हो भी सकता है या नहीं।

इस अध्ययन के मुताबिक, अंगों के दोबारा उगने (रीजेनरेशन) की क्षमता का सीधा संबंध हमारे शरीर में मौजूद ऑक्सीजन के स्तर से है। सरल शब्दों में कहें तो—जहां ऑक्सीजन कम होती है, वहां शरीर में 'नया अंग बनाने' की प्रक्रिया सक्रिय हो सकती है, जबकि ज्यादा ऑक्सीजन इस प्रक्रिया को रोक देती है।

वैज्ञानिकों ने अपने प्रयोगों में मेंढक के टैडपोल और चूहों के भ्रूण का उपयोग किया। टैडपोल ऐसे जीव हैं जो अपने अंगों को दोबारा विकसित करने में सक्षम होते हैं, जबकि चूहे और उसी तरह इंसान इस क्षमता से वंचित हैं। जब इन जीवों के टिशू (ऊतक) को अलग-अलग ऑक्सीजन स्तर पर रखा गया, तो चौंकाने वाले नतीजे सामने आए।

कम ऑक्सीजन वाले माहौल में कोशिकाएं तेजी से सक्रिय हो गईं और घाव भरने के साथ-साथ नए ऊतक बनाने लगीं। इस प्रक्रिया में एक खास प्रोटीन—एचआईएफ1ए—की महत्वपूर्ण भूमिका पाई गई। यह प्रोटीन कम ऑक्सीजन की स्थिति में 'स्विच ऑन' होकर शरीर को मरम्मत से आगे बढ़ाकर रीजेनरेशन मोड में ले जाता है।

इसके विपरीत, जब ऑक्सीजन का स्तर ज्यादा था, तो कोशिकाएं जल्दी-जल्दी घाव को भरने के लिए 'स्कार' यानी दाग बना देती हैं। यही कारण है कि इंसानों में कटे हुए अंगों की जगह सिर्फ निशान बन जाता है, नया अंग नहीं उगता।

इस शोध का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि यह संकेत देता है कि इंसानों के भीतर भी कहीं न कहीं रीजेनरेशन की क्षमता मौजूद हो सकती है, लेकिन हमारी जैविक प्रणाली उसे सक्रिय नहीं होने देती। यानी समस्या क्षमता की कमी नहीं, बल्कि उसे 'चालू' करने के तरीके की है।

अगर भविष्य में वैज्ञानिक इस ऑक्सीजन-सेंसिंग सिस्टम को नियंत्रित करना सीख जाते हैं, तो चिकित्सा विज्ञान में क्रांतिकारी बदलाव संभव हैं।

एआई नहीं, हकीकत का खौफनाक आईना: एक घर में 250 कुत्ते, तस्वीरों ने सबको चौंकाया!

नई दिल्ली। ये कहानी है लंदन के एक घर और उसमें रहने वाले 250 पूडल डॉग्स की। छोटे-छोटे कमरे और कैमरे की ओर हसरत भरी निगाहों से देखते इंसान के सबसे प्यारे दोस्त। ब्रिटेन की पशु कल्याण संस्था, 'रॉयल सोसाइटी फॉर द प्रिवेंशन ऑफ क्रुएलिटी टू एनिमल्स' (आरएसपीसीए) ने 2 अप्रैल को इन कुत्तों की एक तस्वीर सोशल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की लंबे चौड़े नोट के साथ! मकसद इनको बचाना और उन हालात के बारे में बताना था जिसमें ये रहने को मजबूर थे। कुछ की हालत गंभीर थी तो कुछ कुपोषण से जूझ रहे थे।

जिसने भी तस्वीरें देखी, उन्हें लगा ये तकनीक का खेल है! मान लिया ये किसी एआई टूल का कमाल है। लेकिन जब सच्चाई सामने आई, तो मामला कहीं ज्यादा गंभीर और परेशान करने वाला निकला।

आरएसपीसीए के अनुसार कुछ अधिकारियों को एक मकान में अत्यधिक संख्या में कुत्तों के होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची टीम ने देखा कि छोटे-छोटे कमरों में बड़ी संख्या में कुत्ते ठूंसे हुए थे। गंदगी, बदबू और अव्यवस्था के बीच रह रहे इन डॉग्स की हालत ऐसी थी कि तस्वीरें देखने वालों को यकीन ही नहीं हुआ कि यह असली हैं।

सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल होते ही कई लोगों ने इन्हें 'एआई-जनरेटेड' ही माना। इसके बाद आरएसपीसीए को स्पष्ट करना पड़ा कि ये तस्वीरें वास्तविक हैं और किसी भी तरह की डिजिटल हेरफेर का हिस्सा नहीं हैं। संस्था ने इसे 'ओवरक्राउडिंग और लापरवाही का चरम उदाहरण' बताया।

जांच में सामने आया कि इतने बड़े पैमाने पर कुत्तों की संख्या बढ़ने के पीछे अनियंत्रित प्रजनन और मालिक की क्षमता से अधिक जानवर पाल लेना मुख्य कारण हो सकता है। संस्था के अनुसार कई मामलों में आर्थिक दबाव और देखभाल की कमी भी ऐसी स्थितियों को जन्म देती है।

राहत कार्य के दौरान दर्जनों कुत्तों को तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए ले जाया गया, जबकि बाकी को अलग-अलग पशु संगठनों की मदद से सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया। संस्था के मुताबिक ऐसे मामलों में जानवर लंबे समय तक तनाव, कुपोषण और संक्रमण जैसी समस्याओं से जूझते हैं, जिनसे उबरने में समय लगता है।

यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब ब्रिटेन में 'मल्टी-एनिमल' मामलों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। पशु कल्याण संगठनों का मानना है कि पालतू जानवर रखना केवल भावनात्मक निर्णय नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे नजरअंदाज करने के परिणाम बेहद गंभीर हो सकते हैं।आरएसपीसीए के अनुसार पिछले एक साल ही में उनके सामने करीब 75 मामले सामने आए, जिनमें से हर एक में करीब 100 कुत्तों को रेस्क्यू किया गया।

ललिता पवार: 9 साल की उम्र में डेब्यू, 7 दशक तक 700 से ज्यादा फिल्मों में किया काम

मुंबई । ललिता पवार... हिंदी सिनेमा के प्रेमी इनके नाम और इनके चेहरे से अच्छी तरह से वाकिफ हैं। फिल्मों में खतरनाक सास का किरदार हो या रामानंद सागर के रामायण में मंथरा का, वह इतनी शिद्दत से पर्दे पर अपनी भूमिका गढ़ती थीं कि दर्शक उनकी दमदार छवि पर खूब प्यार लुटाते थे। अपनी बेजोड़ अदायगी से सिने प्रेमियों का मनोरंजन करने वाली अभिनेत्री की 18 अप्रैल को जयंती है। हिंदी सिनेमा में 'सास' के किरदार की छवि इतनी मजबूत हो गई कि दर्शक उन्हें देखकर डर जाते थे, लेकिन असल जिंदगी में वह बेहद मेहनती और लगनशील अभिनेत्री थीं। 9 साल की छोटी सी उम्र में फिल्मों में डेब्यू करने वाली ललिता पवार ने सात दशक तक सक्रिय रहते हुए 700 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया और भारतीय सिनेमा में अपना एक अलग मुकाम बनाया।

ललिता पवार का जन्म 18 अप्रैल 1916 को नासिक जिले के योला कस्बे में हुआ था। उनका असली नाम अंबा लक्ष्मण राव शगुन था। उनके पिता लक्ष्मण राव शगुन सिल्क और कॉटन के बड़े व्यापारी थे। मात्र 9 साल की उम्र में उन्होंने एक मूक फिल्म में बाल कलाकार के रूप में काम किया और पहली फिल्म के लिए उन्हें सिर्फ 18 रुपए मिले थे। खास बात है कि उस समय लड़कियों को स्कूल भेजना आम नहीं था, लेकिन उनके पिता ने घर पर ही उर्दू-हिंदी शिक्षक और शास्त्रीय संगीत की व्यवस्था कर दी थी।

ललिता पवार बेहद खूबसूरत थीं और जबरदस्त अदाकारा भी। जल्दी ही वे हिंदी सिनेमा की सबसे महंगी हीरोइन बन गईं। वे खुद अपने गाने भी गा लेती थीं, लेकिन 1942 में फिल्म 'जंग आजादी' की शूटिंग के दौरान उनके साथ एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसा हो गया।

बीआर चोपड़ा की 'साधना', जब फिल्म मेकर्स से लेकर डिस्ट्रीब्यूटर्स तक डर गए थे, लोगों ने कहा- चार फिल्में फ्लॉप हुईं, ये भी नहीं चलेगी..

मुंबई । फिल्म निर्माता-निर्देशक बलदेव राज चोपड़ा यानी बीआर चोपड़ा भारतीय सिनेमा के उन दिग्गज फिल्मकारों में से एक थे, जिन्होंने मनोरंजन के साथ गंभीर सामाजिक मुद्दों को जोड़ा। उनका पूरा सिने करियर सामाजिक सरोकारों, सार्थक कहानियों और साहसिक विषयों से भरा रहा। भले ही वे इस दुनिया में नहीं रहे लेकिन उनकी फिल्में और टीवी सीरियल 'महाभारत' आज भी लोगों के दिलों में जिंदा हैं।

बीआर चोपड़ा का जन्म 22 अप्रैल 1914 को लाहौर (अविभाजित भारत) में हुआ था।

उन्होंने लाहौर विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में एमए किया। वह फिल्म समीक्षा लिखते थे और कहानियां भी लिखा करते थे।

साल 1955 में उन्होंने अपना प्रोडक्शन हाउस 'बीआर फिल्म्स' स्थापित किया। उनकी फिल्में हमेशा सामाजिक संदेश देती थीं। 'नया दौर' (1957) में दिलीप कुमार और वैजयंतीमाला के साथ उन्होंने मजदूर-पूंजीपति के संघर्ष को दिखाया।

'गुमराह', 'कानून', 'हमराज', 'निकाह', 'कर्म' जैसी फिल्मों ने दर्शकों को सोचने पर मजबूर किया। उनकी आखिरी फिल्म 'भूतनाथ' रही। साल 1998 में उन्हें भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान दादासाहेब फाल्के अवार्ड मिला।

साल 1958 में आई बीआर चोपड़ा की फिल्म 'साधना' उनके साहस और साधना की सबसे बड़ी मिसाल है। फिल्म की कहानी वेश्या की जिंदगी और उसके पुनर्वास पर आधारित थी। मुख्य किरदार चंपा (वैजयंतीमाला) एक वेश्या थी, जो एक कॉलेज लेक्चरर मोहन (सुनील दत्त) से प्यार करती है। फिल्म में समाज की वेश्याओं के प्रति सोच और उन्हें मुख्यधारा में लाने का मुद्दा उठाया गया था।

फिल्म की घोषणा होते ही इंडस्ट्री में हड़कंप मच गया। डिस्ट्रीब्यूटर चोपड़ा साहब को चिट्ठी लिखकर कह रहे थे, 'आप क्या कर रहे हैं? हम सब मर जाएंगे।'

इस बात का जिक्र उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में किया था कि फिल्म निर्माण कई लोगों ने उन्हें समझाया कि वेश्या की कहानी पर फिल्म पहले भी बनी हैं और सब फ्लॉप हो गई हैं।

'परवीन बॉबी से रेखा तक को देखा', कृतिका कामरा ने बताए 'मटका किंग' में गुलरुख के खास लुक के राज

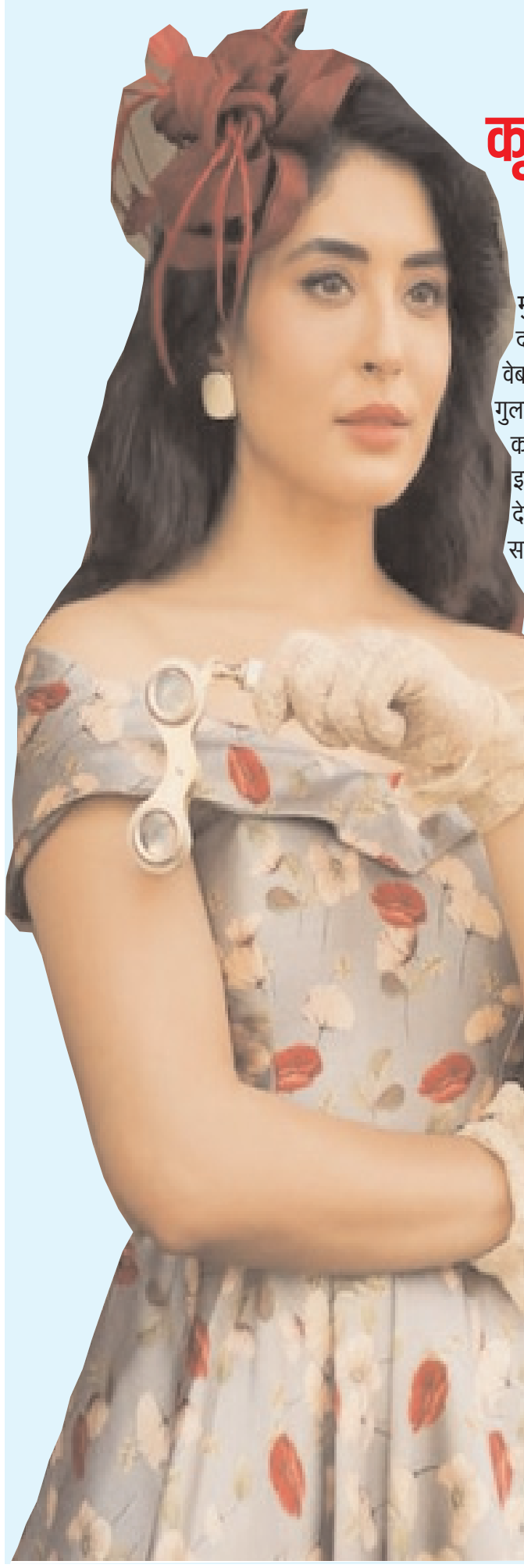

मुंबई। भारतीय ओटीटी और फिल्मों की दुनिया में जब भी किसी पुराने दौर को पर्दे पर दोबारा दिखाया जाता है, तो उसके पीछे गहरी रिसर्च होती है। ऐसी ही एक कोशिश हाल ही में वेब सीरीज़ 'मटका किंग' में देखने को मिली, जहां अभिनेत्री कृतिका कामरा ने अपने किरदार गुलरुख के जरिए 1960 और 1970 के दशक के मुंबई का फैशन और माहौल फिर से जीवंत कर दिया।

इस किरदार की तैयारी में उन्होंने न सिर्फ उस समय की मशहूर फिल्मों और सितारों को देखा, बल्कि उस दौर की असली जिंदगी, स्टाइल और सामाजिक माहौल को भी करीब से समझने की कोशिश की। कृतिका कामरा ने बताया कि उनके किरदार का लुक बनाने की शुरुआत एक खास तस्वीर से हुई थी, जो निर्देशक नागराज सर ने उन्हें दिखाई थी। यह तस्वीर परवीन बॉबी की थी। उन्होंने कहा, ''इसके बाद टीम ने जीनत अमान, शर्मिला टैगोर और रेखा जैसी दिग्गज अभिनेत्रियों के स्टाइल और पर्सनैलिटी को भी देखा। कॉस्ट्यूम डिजाइनर प्रियंका दुबे ने मेरे साथ कई बार ट्रायल किए, ताकि हर आउटफिट, हर ड्रेस और हर लुक उस समय की असलियत को सही तरह से दिखा सके।

कृतिका ने कहा, ''टीम ने उस दौर की असली तस्वीरों और दस्तावेजों को भी खंगाला। इसमें जैज क्लब, रेसिंग इवेंट्स और पारसी इवेंट्स के कार्यक्रमों की तस्वीरें शामिल थीं। इन सब चीजों ने मिलकर यह समझने में मदद की कि उस समय लोग कैसे रहते थे, कैसे कपड़े पहनते थे और उनका पूरा माहौल कैसा हुआ करता था। यही वजह है कि गुलरुख का किरदार सिर्फ एक फैशनेबल लुक नहीं बल्कि एक जीवंत समय का एहसास देता है।

कृतिका कामरा ने कहा, ''मेरे किरदार को गढ़ने में सिर्फ कपड़े या मेकअप ही नहीं, बल्कि हर छोटी चीज का ध्यान रखा गया था। हेयरस्टाइल से लेकर जूते और एक्सेसरीज तक सब कुछ बहुत सोच-समझकर चुना गया। इन्हीं बारीकियों की वजह से मुझे अपने किरदार में ढलने और गुलरुख के आत्मविश्वास को समझने में मदद मिली। जब तक किरदार का पूरा लुक सही नहीं होता, तब तक उसकी असली भावना को पर्दे पर लाना मुश्किल होता है।

फेमिना मिस इंडिया 2026 की विजेताओं ने साझा किए कामयाबी के मंत्र

मुंबई । 'फेमिना मिस इंडिया 2026' में साध्वी ने जीत हासिल की। प्रथम रनर-अप राजनंदिनी पवार और द्वितीय रनर-अप श्री अद्वैता चुनी गईं। जीत के बाद आईएएनएस के साथ खास बातचीत में तीनों ने बताया कि कैसे शिक्षा, अनुशासन और विविध अनुभवों ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया।

साध्वी ने बताया, 'मेरा जन्म गोवा में हुआ था, जिसके बाद मेरा परिवार करवार चला गया। मेरी स्कूली और उच्च शिक्षा का एक बड़ा हिस्सा कनाडा में बीता, जहां मैंने इकोनॉमिक्स और इंटरनेशनल रिलेशंस की पढ़ाई की।

साध्वी का मानना है कि उनकी अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा ने काफी मदद की। उन्होंने बताया कि पढ़ाई के दौरान ही एक मॉडलिंग एजेंसी ने उन्हें कास्ट किया, जहां से उनका झुकाव फेमिना प्रतियोगिता की ओर बढ़ा। मेरे दोस्तों के प्रोत्साहन और खुद के दृढ़ निश्चय के साथ मैंने इस सफर की शुरुआत की। इस प्रतियोगिता के लिए मैंने 10 किलो वजन घटाया और खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रशिक्षित भी किया।

राजनंदिनी पवार ने बताया कि यहां तक पहुंचना उनके बचपन का सपना था। मेरे लिए यह महज एक अंत नहीं है बल्कि, नई शुरुआत है। मैंने बचपन से ही कैमरे और मंच के प्रति अपने लगाव को पहचाना है। मात्र 3 साल की उम्र में मैंने पहला स्टेज परफॉर्मेंस दिया था। 'टाइम्स फ्रेश फेस' से लेकर 'मिस महाराष्ट्र' तक के मंचों ने मुझे तराशा। मेरे लिए कला और नृत्य खुद को अभिव्यक्त करने के माध्यम रहे हैं। बचपन से ही मेरा एक सपना था कि मैं फेमिना मिस इंडिया के मंच पर जाऊं। यह मंच मुझे भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर देता है, जिसके लिए मैं सदैव आभारी रहूंगी।

श्री अद्वैता ने अपने सफर को याद करते हुए कहा, 'मैं एक तमिल-तेलुगु परिवार से आती हूं, लेकिन मेरी परवरिश जम्मू में हुई है। मेरे पिताजी फौज में कर्नल थे, जिस वजह से मेरा परिवार पूरे इंडिया में घूमने के बाद चेन्नई शिफ्ट हो गया। सभी से बस मैं यही कहना चाहूंगी कि इतनी यात्राएं करने के बाद जीवन ने मुझे एक बहुत अहम बात सिखाई है, जिन चीजों में हमें पूरी निश्चितता नहीं होती, उनसे डरना नहीं चाहिए। हमें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना चाहिए, तभी हम आगे बढ़ते और खुद को बेहतर बना पाते हैं।

उन्होंने आगे कहा, 'मिस इंडिया बनने का सपना हर लड़की की तरह मेरा भी बचपन से रहा है। बड़े होकर मैंने मेडिकल की पढ़ाई की, अपना क्लिनिक खोला और साथ ही डांस परफॉर्मेंस भी देती रही, लेकिन यह सपना कभी खत्म नहीं हुआ, बल्कि समय के साथ और मजबूत होता गया।

आज मैं यहां बैठी हूं, फेमिना मिस इंडिया 2026 की विजेताओं में से एक के रूप में। आज के दौर में यह जरूरी नहीं है कि आप सिर्फ एक ही क्षेत्र में काम करें और उसी में आगे बढ़ें। मेरा मानना है कि जितना आप खुद को अलग-अलग क्षेत्रों में चुनौती देते हैं, उतना ही आप निखरते हैं।

परब्रमता चटर्जी के साथ काम कर खुश हैं निमृत कौर अहलूवालिया, बताया सबसे अच्छा इंसान

मुंबई । कई बार शूटिंग के दौरान कलाकारों के बीच अच्छी बॉन्डिंग दिखने लगती है। ऐसी ही दोस्ती अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया और बंगाली अभिनेता परब्रमता चटर्जी के बीच देखने को मिली। दोनों इन दिनों एक नई थ्रिलर-एक्शन वेब सीरीज की शूटिंग कर रहे हैं। निमृत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने अपने को-स्टार की जमकर तारीफ की और उन्हें सबसे अच्छा इंसान बताया।

निमृत कौर अहलूवालिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक सेल्फी शेयर की, जो नैनिताल की शूटिंग के दौरान ली गई है। इस तस्वीर में वह और परब्रमता चटर्जी साथ खड़े नजर आ रहे हैं और कैमरे की तरफ मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं। तस्वीर में उनकी दोस्ती साफ दिख रही है।

इस फोटो के साथ निमृत ने कैप्शन में लिखा, ''परब्रमता चटर्जी इस दुनिया के सबसे अच्छे लोगों में से एक हैं और उनके साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है।''

फिलहाल इस नई वेब सीरीज का नाम अभी सामने नहीं आया है और इसके बारे में ज्यादा जानकारी भी गोपनीय रखी गई है।

फिल्म की शूटिंग पिछले हफ्ते शुरू हो चुकी है और इसे एक थ्रिलर-एक्शन कहानी के रूप में बनाया जा रहा है।

इससे पहले फरवरी में खबर आई थी कि निमृत एक नई थ्रिलर सीरीज में नजर आएंगी, जिसका नाम 'अब होगा हिसाब' बताया जा रहा है।

इसकी कहानी पंजाबी संस्कृति से जुड़ी होगी। इस शो में संजय कपूर, शहीर शेख और मौनी रॉय जैसे बड़े कलाकार भी शामिल हैं। इस सीरीज को एरे स्टूडियो प्रोड्यूस कर रहा है और इसका निर्देशन दिव्यांशु मल्होत्रा कर रहे हैं। कहानी एक रहस्य और बदले पर आधारित है, जिसमें इंसानी भावनाएं, सत्ता की लड़ाई और छिपे हुए राज दिखाए जाएंगे। इस कहानी में निमृत का किरदार काफी अहम बताया जा रहा है।

बता दें कि निमृत इससे पहले पंजाबी फिल्म 'शौकी सरदार' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ गुरु रंधावा, बब्बू मान और गुग्गू गिल जैसे कलाकार भी थे। यह फिल्म 16 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

'कुछ रिश्तों को शब्दों की जरूरत नहीं होती', बहन के जन्मदिन पर इमोशनल हुए सुनील शेट्टी

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने अपनी बहन के जन्मदिन पर खास पोस्ट शेयर किया। इस पोस्ट में उन्होंने अपनी बहन के लिए प्यार और आभार जताया। उन्होंने बताया कि उनकी बहन उनके जीवन में हमेशा एक मजबूत सहारा रही हैं और उनके बिना उनकी जिंदगी अधूरी सी लगती है।

पोस्ट में सुनील शेट्टी ने एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह अपनी बहन के साथ चलते हुए नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर किसी फैमिली प्रोग्राम की लग रही है, जिसमें दोनों खुश दिखाई दे रहे हैं।तस्वीर के साथ सुनील शेट्टी ने लिखा, ''कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं जिनके लिए ज्यादा शब्दों की जरूरत नहीं होती, क्योंकि वे खुद ही जिंदगी को संभाल लेते हैं। मैं अपनी बहन को धन्यवाद देता हूं कि वह हमेशा मेरी ताकत बनी रही और हर मुश्किल समय में मेरा साथ दिया। आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं।

सुनील शेट्टी के बारे में बात करें, तो उनके फैंस प्यार से अन्ना कहते हैं। सुनील शेट्टी ने अपने लंबे फिल्मी सफर में सिर्फ एक्शन और कॉमेडी ही नहीं, बल्कि कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर खुद को एक बहुमुखी अभिनेता साबित किया। साल 1992 में 'बलवान' से शुरुआत करने के बाद उन्होंने 'वक्त हमारा है', 'अंत', 'कृष्णा' और 'सपूत' जैसी फिल्मों में दमदार एक्शन हीरो की छवि बनाई। फिल्म 'मोहरा' में अक्षय कुमार के साथ उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया गया, जबकि 'गोपी किशन' और 'रक्षक' जैसी फिल्मों में भी उन्होंने अपने अभिनय से लोगों का ध्यान खींचा।

साल 1997 में आई जे.पी. दत्ता की फिल्म 'बॉर्डर' उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुई। इस फिल्म में निभाए गए बीएसएफ जवानों के किरदार ने उन्हें दर्शकों के बीच और ज्यादा लोकप्रिय बना दिया। इसके बाद उन्होंने 'रिफ्यूजी', 'कयामत', 'मैं हूं ना' और 'एलओसी कारगिल' जैसी फिल्मों में भी अहम भूमिकाएं निभाईं। वहीं 'हेरा फेरी', 'फिर हेरा फेरी' और 'आवारा पागल दीवाना' जैसी कॉमेडी फिल्मों में उनके मजाकिया अंदाज दर्शकों को खूब पसंद आया। वह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आने वाले हैं, जिसका निर्देशन अहमद खान कर रहे हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार, जैकलीन फर्नांडिस, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, परेश रावल, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, जॉनी लीवर, राजपाल यादव और अन्य कलाकार शामिल हैं।

राजीव खंडेलवाल ने खोला अपनी पर्सनल लाइफ का राज, पत्नी के लिए खुद चाय बनाकर जताते हैं प्यार

मुंबई । नए रियलिटी शो तुम हो ना में, में एक ऐसा भावुक और सोचने पर मजबूर करने वाला पल देखने को मिला जब अभिनेता और शो होस्ट राजीव खंडेलवाल ने कंटेस्टेंट पूनम और उनके पति के साथ दिल को छू लेने वाली बातें शेयर कीं।

राजीव ने इस दौरान यह बात सामने रखी कि घर और रिश्तों की जिम्मेदारियां सिर्फ महिला या पुरुष की नहीं होतीं, बल्कि दोनों को मिलकर निभानी चाहिए। उन्होंने शादी में पुराने तय ढर्रे से हटकर बराबरी की सोच अपनाने पर जोर दिया। राजीव ने अपनी निजी जिंदगी का उदाहरण देते हुए बताया कि वह अपनी पत्नी का हर दिन खास ख्याल रखते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं हर रोज अपनी पत्नी के लिए चाय बनाता हूं। रोज सुबह उन्हें गर्म पानी भी देता हूं।' उन्होंने यह भी कहा कि वह इस बारे में आगे और बात करेंगे, लेकिन इतना जरूर समझना चाहिए कि घर में देखभाल और जिम्मेदारी दोनों की होती है।

पूनम से बातचीत के दौरान, उन्होंने बताया कि उसके पति भी अपनी पत्नी के लिए करवा चौथ का व्रत रखते हैं और कहा, '365 दिनों में एक ही दिन आता है, तो हर पति अपनी पत्नी के लिए एक दिन का त्याग तो कर ही सकता है।

राजीव ने पूनम के इस फैसले की भी तारीफ की कि वह इनाम की रकम का इस्तेमाल अपने पति के लिए रसोई को और सुविधाजनक बनाने में करना चाहती हैं।

जब राजीव ने पूनम के पति से पूछा कि वह रोज खाना क्यों बनाते हैं, तो उन्होंने भावुक होकर जवाब दिया, 'मेरी जिंदगी में माता-पिता के जाने के बाद मेरे घर को पूनम ने ही संभाला है।

इस पूरे पल पर बात करते हुए राजीव ने कहा कि बहुत कम महिलाएं ऐसी होती हैं जो अपनी जिंदगी में उस मुकाम तक पहुंच पाती हैं।

जहां उनका पति खुलकर यह कहे कि वह रोज उनके लिए खाना बनाता है और आगे भी जिंदगी भर बनाना चाहता है।जानकारी के लिए बता दें कि राजीव खंडेलवाल ने फरवरी 2011 में मंजरी कामटिकर से शादी की थी।

जयशंकर ने इंडिया-अफ्रीका समिट का लोगो किया लॉन्च, बोले- अफ्रीका के विकास के बिना हमारा विकास अधूरा

नई दिल्ली। भारत, अफ्रीकन यूनियन कमीशन के साथ मिलकर 31 मई 2026 को नई दिल्ली में चौथे इंडिया-अफ्रीका फोरम समिट की मेजबानी करने जा रहा है। समिट से पहले भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 23 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में चौथे आईएएफएस का लोगो, थीम और वेबसाइट लॉन्च की।

चौथे आईएएफएस में पूरे अफ्रीकी महाद्वीप के नेता, अफ्रीकन यूनियन कमीशन और क्षेत्रीय संगठन के प्रतिनिधि एक साथ आएंगे ताकि भारत-अफ्रीका की पक्की साझेदारी को मजबूत किया जा सके और अलग-अलग क्षेत्र में सहयोग को और बढ़ाने के लिए एक रोडमैप तैयार किया जा सके।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि यह समिट 'आईए स्प्रिट: इंडिया अफ्रीका स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फॉर इनोवेशन, रेजिलिएंस, एंड इनक्लूसिव ट्रांसफॉर्मेशन' थीम के तहत होगी, जो भारत और अफ्रीका के बीच साझेदारी के बड़े नेचर को दिखाती है। समिट से पहले, तैयारी के लिए कई मीटिंग होंगी, जिसमें 29 मई 2026 को भारत-अफ्रीका विदेश मंत्रियों की बैठक शामिल है। इसके पहले 28 मई को सीनियर अधिकारियों की मीटिंग होगी, जिसमें भारत और अफ्रीका के बीच सहयोग के खास क्षेत्र पर बातचीत होगी। भारत-अफ्रीका फोरम समिट, अफ्रीकी देशों और एयू कमीशन के साथ बातचीत को बढ़ावा देने और आपसी सम्मान, बराबरी, एकजुटता और मिली-जुली खुशहाली के सिद्धांतों के आधार पर आपसी फायदे वाले सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एक जरूरी प्लेटफॉर्म है। भारत-अफ्रीका फोरम समिट के पिछले एडिशन में अफ्रीका के लिए भारतीय डेवलपमेंट मदद और कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम में बड़ा विस्तार हुआ था। इस मौके पर विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा, अफ्रीका की आजादी के बिना हमारी आजादी पूरी नहीं थी, अफ्रीका के विकास के बिना हमारा विकास पूरा नहीं था, और हमारी तरक्की तभी पूरी और पक्की होगी जब हम अफ्रीका की तरक्की भी देखेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी बड़े पैमाने पर डेवलपमेंट पार्टनरशिप और कैपेसिटी-बिल्डिंग की कोशिशें, जो अफ्रीकी प्राथमिकताओं और लोकल ओनरशिप से चलती हैं। डिजिटल, फिनटेक और इनोवेशन के नए क्षेत्रों में हमारे जुड़ाव का विस्तार, पूरे अफ्रीकी महाद्वीप की अर्थव्यवस्थाओं को नया आकार दे रहा है। डॉ. जयशंकर ने कहा, सस्टेनेबल भविष्य के लिए मजबूत सहयोग- इंटरनेशनल सोलर अलायंस, ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस, कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर और इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस में हमारा गहरा जुड़ाव। ग्लोबल गवर्नेंस में अफ्रीका की सही जगह के लिए भारत का लगातार समर्थन, भारत की 2023 की अध्यक्षता के दौरान जी20 में एयू के शामिल होने से दिखा।

अमेरिकी विदेश विभाग ने एयरस्पेस फिर से खुलने के बाद अमेरिकियों को ईरान छोड़ने की दी सलाह

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश विभाग ने ईरान में मौजूद अमेरिकी नागरिकों से देश छोड़ने की अपील की है, क्योंकि मध्य पूर्वी देश ने आंशिक रूप से अपना हवाई क्षेत्र (एयरस्पेस) फिर से खोल दिया है।

सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में, विदेश विभाग के कांसुलर मामलों के ब्यूरो ने अमेरिकियों से कहा कि वे स्थानीय मीडिया पर नजर रखें और देश से बाहर जाने वाली उड़ानों की जानकारी के लिए वाणिज्यिक एयरलाइंस से संपर्क करें। इस सलाह में कहा गया है कि अमेरिकी नागरिक आर्मेनिया, अजरबैजान, तुर्किये और तुर्कमेनिस्तान के रास्ते भूमि मार्ग से भी ईरान छोड़ सकते हैं। हालांकि इसमें अफगानिस्तान, इराक या पाकिस्तान-ईरान सीमा क्षेत्र की यात्रा से बचने की चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 28 फरवरी को शुरू हुए संयुक्त अमेरिका-इजरायल हमलों के बाद ईरान ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। देश ने शनिवार को अपने पूर्वी हवाई क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए फिर से खोल दिया, जिससे हवाई अड्डों के आंशिक संचालन की शुरुआत हुई। रविवार को ईरान के इस्लामिक रिपब्लिक ब्रॉडकास्टिंग ने नागरिक उड्डयन संगठन के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया कि देश का हवाई क्षेत्र चार चरणों में फिर से खोला जाएगा। इस बीच, बुधवार को डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरान के साथ युद्धविराम को आगे बढ़ा दिया, जबकि व्यापक नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखी गई है। व्हाइट हाउस ने कहा कि बातचीत के लिए कोई समय-सीमा तय नहीं की गई है और तेहरान पर आर्थिक दबाव जारी रहेगा। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लीविट ने कहा कि अमेरिका दोहरी रणनीति अपना रहा है। सैन्य हमलों को रोकते हुए वित्तीय और समुद्री प्रतिबंधों को और कड़ा किया जा रहा है। उन्होंने कहा, `राष्ट्रपति ट्रंप ने युद्धविराम के विस्तार की घोषणा की है...और ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के कारण पूरी तरह बदनाम हो चुके एक शासन को कुछ लचीलापन भी दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सैन्य कार्रवाई रोकने का मतलब दबाव कम करना नहीं है। उन्होंने कहा, सैन्य और प्रत्यक्ष हमलों पर युद्धविराम है, लेकिन ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी जारी है और प्रभावी नौसैनिक नाकेबंदी भी जारी है। व्हाइट हाउस के अनुसार, इस नाकेबंदी से ईरान को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। लीविट ने कहा, हम इस नाकेबंदी के जरिए उनकी अर्थव्यवस्था को पूरी तरह जकड़ रहे हैं... उन्हें रोज़ 500 मिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा है।

इजरायली हमले में लेबनानी पत्रकार की मौत पर भड़के पीएम नवाफ

बेरूत। लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी (एनएनए) ने बताया कि दक्षिणी लेबनान में इजरायली हमलों में एक पत्रकार समेत पांच लोग मारे गए। इजरायल और लेबनान के बीच 10 दिनों का सीजफायर 17 अप्रैल को हुआ था, जिसके बाद दोनों देशों के बीच अगले राउंड की वार्ता गुरुवार को होने वाली है। इस बीच इजरायल की ओर से ये ताजा हमला सामने आया है। वहीं, लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने इजरायली हमले की कड़ी आलोचना की है।

लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पत्रकारों को टारगेट करना, रिलीफ टीम तक पहुंचने में रुकावट डालना और यहां तक ??कि टीम के पहुंचने के बाद भी उनकी जगहों को फिर से टारगेट करना, बताए गए वॉर क्राइम हैं। इजरायल का दक्षिण में मीडियाकर्मियों को तब टारगेट करना जब वे अपना प्रोफेशनल काम कर रहे होते हैं, अब कोई अलग-थलग घटना नहीं रह गई है बल्कि यह एक आम तरीका बन गया है जिसकी हम निंदा करते हैं। इसे हम सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनों और समझौतों की तरह खारिज करते हैं।

पीएम सलाम ने आगे कहा, लेबनान इन अपराधों को काबिल अंतरराष्ट्रीय फोरम में उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। मैं शहीद अमल खलील के परिवार, उनके साथियों और दोस्तों और पूरे लेबनानी मीडिया समुदाय के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। मैं पत्रकार जैनब फराज के भी जल्दी ठीक होने की कामना करता हूं।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यक महिलाओं के अपहरण और जबरन धर्म परिवर्तन पर यूएन की गंभीर चिंता

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं और लड़कियों के अपहरण, जबरन धर्म परिवर्तन और जबरन विवाह की लगातार बढ़ती घटनाओं पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने चेतावनी दी है कि दंडमुक्ति (इम्प्यूनिटी) का माहौल इस अमानवीय प्रथा को देशभर में जारी रखने का प्रमुख कारण बन रहा है।

विशेषज्ञों ने स्पष्ट कहा कि किसी भी व्यक्ति का धर्म या विश्वास बदलना पूरी तरह स्वतंत्र और बिना किसी दबाव के होना चाहिए, और विवाह भी तभी वैध माना जा सकता है जब उसमें दोनों पक्षों की पूर्ण और स्वतंत्र सहमति हो। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि यदि पीड़िता नाबालिग है, तो ऐसी सहमति कानूनी रूप से मान्य ही नहीं हो सकती। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में जबरन विवाह के जरिए धर्म परिवर्तन का शिकार हुई महिलाओं और लड़कियों में लगभग 75 प्रतिशत हिंदू धर्म से थीं, जबकि करीब 25 प्रतिशत ईसाई धर्म से संबंधित थीं। विशेषज्ञों ने बताया कि लगभग 80 प्रतिशत घटनाएं पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सामने आईं, जहां 14 से 18 वर्ष की आयु की लड़कियों को खास तौर पर निशाना बनाया जाता है, जबकि कुछ मामलों में इससे भी कम उम्र की बच्चियां शामिल रही हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, गरीबी और सामाजिक हाशिए पर रहने वाली महिलाओं और लड़कियों के लिए खतरा और बढ़ जाता है। उन्हें शारीरिक और यौन उत्पीड़न, शोषण, सामाजिक कलंक और गहरे मानसिक आघात का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, ये महिलाएं और लड़कियां लगातार भय के माहौल में जीती हैं, उन पर दबाव डाला जाता है और उनकी धार्मिक स्वतंत्रता तथा व्यक्तिगत स्वायत्तता छीन ली जाती है। यह स्थिति तुरंत समाप्त होनी चाहिए। विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि इन गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों का पैमाना और निरंतरता यह दर्शाती है कि पाकिस्तान में गैर-मुस्लिम महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ प्रणालीगत भेदभाव मौजूद है, जहां उन्हें मुस्लिम पुरुषों से विवाह के लिए इस्लाम अपनाने को मजबूर किया जाता है।

लेबनान में इजरायली हमले में एक और शांति सैनिक की मौत

संयुक्त राष्ट्र। लेबनान में इजरायली हमले में एक फ्रांसीसी सैनिक की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र ने इजरायली हमले में मारे गए फ्रांसीसी सैनिकों को लेकर चिंता जाहिर की है। यूएन महासचिव के प्रवक्ता के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, लेबनान में यूनाइटेड नेशंस इंटरिम फोर्स (यूएनआईएफआईएल) में काम कर रहे दूसरे फ्रांसीसी सैनिक की शनिवार को हुए हमले में घायल होने से मौत से दुखी हैं।

गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बुधवार (लोकल टाइम) को एक बयान में कहा कि शांति सैनिक पर हमले बंद होने चाहिए। ये अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का गंभीर उल्लंघन हैं और वॉर क्राइम की श्रेणी में आ सकते हैं।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने यूएन प्रवक्ता के हवाले से बताया कि शांति सैनिकों पर हुए सभी हमलों की तुरंत जांच होनी चाहिए और जो लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं, उन पर असरदार तरीके से मुकदमा चलाया जाना चाहिए और उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। इस बारे में, महासचिव शनिवार की घटना के बारे में लेबनानी अधिकारियों की प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं।

गुटेरेस ने सभी लोगों से गुरुवार को घोषित इजरायल-लेबनान सीजफायर का सम्मान करने की अपील की। ??बयान में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र दुश्मनी खत्म करने और सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 1701 को पूरी तरह लागू करने की दिशा में डिप्लोमैटिक कोशिशों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जर्मनी में सबमरीन प्लांट का दौरा किया, उन्नत नौसेना तकनीकें देखी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने आधिकारिक दौरे के दौरान जर्मनी के कील शहर में टीकेएमएस के सबमरीन बनाने वाले प्लांट का दौरा किया। वहां उन्हें आधुनिक नौसेना तकनीकों और क्षमताओं के बारे में जानकारी दी गई।

इस दौरे में उनके साथ जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस भी मौजूद थे। यह शिपबिल्डिंग सुविधा आधुनिक और उन्नत पनडुब्बियां बनाने के लिए जानी जाती है। रक्षा मंत्री ने बुधवार को सोशल मीडि?या पोस्ट करते हुए इस दौरे को 'काफी जानकारी देने वाला' बताया। उन्होंने कहा कि यहां दिखाई गई तकनीक और ऑपरेशनल क्षमता काफी प्रभावशाली है। उन्होंने यह भी कहा कि इस दौरे से उन्हें आधुनिक पनडुब्बी निर्माण और समुद्री क्षेत्र में हो रहे नए विकास को करीब से समझने का मौका मिला, जो आज के समय में वैश्विक सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सबमरीन यार्ड का निरीक्षण किया और अधिकारियों से बातचीत भी की। इस दौरान उन्हें डिजाइन, इंजीनियरिंग और तैनाती से जुड़ी कई अहम बातें समझाई गईं।

उन्होंने कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें वे भारत और जर्मनी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ डॉकयार्ड में बातचीत करते और जानकारी लेते नजर आए। राजनाथ सिंह ने कहा कि इस तरह के दौरे दोनों देशों के बीच समुद्री क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करेंगे। यह दौरा ऐसे समय पर हुआ है जब भारत और जर्मनी के बीच रक्षा सहयोग लगातार बढ़ रहा है। इसमें तकनीक साझा करना, साथ मिलकर विकास करना और नौसेना की ताकत बढ़ाना शामिल है। भारत अपनी पनडुब्बी क्षमता और समुद्री ताकत को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है, और जर्मनी जैसे देशों के साथ सहयोग उसी दिशा में एक अहम कदम है।

इससे पहले बुधवार को राजनाथ सिंह ने बर्लिन में अपने जर्मन समकक्ष बोरिस पिस्टोरियस से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने रक्षा सहयोग बढ़ाने और बदलती वैश्विक चुनौतियों से निपटने पर चर्चा की। उन्होंने सुरक्षा और रक्षा से जुड़े कई मुद्दों पर बात की, खासकर नई तकनीकों के क्षेत्र में मिलकर काम करने और उत्पादन बढ़ाने पर। रक्षा मंत्रालय के अनुसार दोनों देशों ने सैन्य सहयोग को अपनी रणनीतिक साझेदारी का अहम हिस्सा बनाने पर सहमति जताई।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए 'साहसी बने रहें: मैकी सैल

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की दिशा में 'हमें साहसी बने रहना होगा', यह बात संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के उम्मीदवार मैकी सैल ने कही।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के उम्मीदवार मैकी सैल ने बुधवार को यहां एक उम्मीदवार फोरम में कहा, सुरक्षा परिषद में सुधार पर चल रही बहस 30 वर्षों से अधिक समय से जारी है लेकिन जिस बात पर हम सभी सहमत हो सकते हैं, वह यह है कि आज सुरक्षा परिषद मौजूदा दुनिया का प्रतिनिधित्व नहीं करती। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद में सुधार के कई अलग-अलग प्रस्ताव हैं, और कुछ का यह भी मानना है कि यह अभी तनाव के समय में नहीं हो सकता, इसके लिए और समय की आवश्यकता है।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, 'मैं कर सकता हूं वह है इस एजेंडे को आगे बढ़ाना,' यह जवाब उन्होंने भारत, जर्मनी, जापान और ब्राजील (जी 4) के प्रतिनिधि के रूप में दिया, जो संयुक्त रूप से सुधार की वकालत करते हैं। उन्होंने कहा, हमें समावेश सुनिश्चित करना होगा, साथ ही परिषद की विश्वसनीयता और सबसे महत्वपूर्ण उसकी प्रभावशीलता को बनाए रखने की आवश्यकता को भी ध्यान में रखना होगा क्योंकि पांच वीटो शक्तियों के साथ यह पहले से ही एक कठिन काम है। उन्होंने कहा, सभी विकल्प खुले हैं, और मैं जितना संभव हो सके उतना प्रयास करूंगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बेशक, अंतिम निर्णय महासचिव का नहीं होता। यदि यह सुधार आगे बढ़ना है, तो यह सदस्य देशों का निर्णय होगा।

कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका के बीच अमेरिका ने रूसी तेल पर छूट का बचाव किया

वाशिंगटन। अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने रूस के तेल पर लगाए गए प्रतिबंधों में दी गई अस्थायी छूट का बचाव किया। उन्होंने कहा कि इस फैसले से दुनिया भर में तेल की कीमतों में अचानक बड़ी बढ़ोतरी होने से रोका जा सका। हालांकि, डेमोक्रेट नेताओं ने चेतावनी दी कि इससे रूस को युद्ध के लिए पैसा मिल सकता है और ईंधन महंगा बना रह सकता है।

सीनेट की एक समिति के सामने बोलते हुए बेसेंट ने कहा कि यह कदम उस समय उठाया गया जब बाजार में काफी अनिश्चितता थी, ताकि तेल की सप्लाई स्थिर रखी जा सके। उन्होंने बताया, हम 25 करोड़ बैरल से ज्यादा तेल बाजार में बनाए रखने में सफल रहे। बेसेंट ने कहा कि अगर यह छूट नहीं दी जाती, तो कीमतें और ज्यादा बढ़ सकती थीं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, आज तेल की कीमत करीब 100 डॉलर है। अगर हमने यह राहत नहीं दी होती, तो यह 150 डॉलर तक जा सकती थी। उन्होंने कहा कि यह नीति आम लोगों को राहत देने के लिए बनाई गई है। कम कीमत लोगों के लिए बेहतर है। वहीं, डेमोक्रेट नेताओं ने इस फैसले का विरोध किया। क्रिस कून्स ने कहा कि इस छूट से रूस को अरबों डॉलर मिल सकते हैं और इससे उस पर दबाव कम हो जाएगा, जो इस समय बहुत जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि आम लोग आज भी महंगा पेट्रोल खरीद रहे हैं। उन्होंने कहा, डेलावेयर में लोग 4 डॉलर प्रति गैलन के हिसाब से पेट्रोल खरीद रहे हैं।

सिबी जॉर्ज ने एंटोनियो गुटेरेस से की मुलाकात, बहुपक्षवाद में भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया

नई दिल्ली। भारत के विदेश सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की। उन्होंने बहुपक्षवाद के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया और ग्लोबल साउथ को ज्यादा आवाज देने को लेकर विचार साझा किए। इसके अलावा, दोनों नेताओं में यूएनएससी में सुधार को लेकर भी बातचीत हुई।

विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की तस्वीर साझा कर लिखा, सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की। सचिव (पश्चिम) ने बहुपक्षवाद के लिए भारत की मजबूत प्रतिबद्धता पर जोर दिया। दोनों ने यूएन रिफॉर्म्स और ग्लोबल साउथ को ज्यादा आवाज देने पर अपने विचार शेयर किए, जिसका भारत ने इंडिया-यूएन डेवलपमेंट पार्टनरशिप फंड जैसे पहलों के जरिए लगातार समर्थन किया है। इससे पहले सिबी जॉर्ज ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) सुधारों पर अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) की बैठकों में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने भारत का पक्ष रखा। इस बैठक में यूनाइटेड नेशंस सिक्योरिटी काउंसिल रिफॉर्म के अफ्रीकन मॉडल पर फोकस था।

इस बैठक में उन्होंने कहा, भारत एल69 की ओर से सेंट लूसिया के पीआर और जी4 की ओर से ब्राजील के पीआर द्वारा दिए गए बयानों से पूरी तरह सहमत है। भारत अफ्रीकन मॉडल के प्रेजेंटेशन का तहे दिल से स्वागत करता है और इस इलाके के अपने दोस्तों को धन्यवाद देता है जिन्होंने इसे पूरा करने के लिए बहुत मेहनत की। अफ्रीकन मॉडल के लिए अपना सपोर्ट दोहराते हुए, भारत कुछ खास बातों पर जोर देना चाहेगा।

झारखंड हाईकोर्ट ने मानवाधिकार और निशक्तता आयोग की नियुक्तियों पर सरकार से मांगा जवाब

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य में लोकायुक्त और राज्य सूचना आयोग में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की मांग वाली जनहित याचिकाओं को निष्पादित कर दिया है। हालांकि, कोर्ट ने राज्य मानवाधिकार आयोग और राज्य निशक्तता आयोग के अध्यक्षों के खाली पदों पर सरकार से जवाब तलब किया है। राज्य में संवैधानिक संस्थाओं में नियुक्ति से जुड़ी जनहित याचिकाओं पर चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में हुई सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन ने बताया कि सरकार ने रिटायर्ड जस्टिस अमिताभ कुमार गुप्ता को राज्य का नया लोकायुक्त नियुक्त कर लिया है।

इस पर अदालत ने साफ किया कि अब चूंकि लोकायुक्त की नियुक्ति हो चुकी है और मुख्य सूचना आयुक्त व सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के मामलों की निगरानी खुद सुप्रीम कोर्ट कर रहा है, इसलिए अब इन मामलों पर हाईकोर्ट में सुनवाई जारी रखने का कोई औचित्य नहीं रह गया है। अदालत ने अगली सुनवाई के दौरान राज्य मानवाधिकार आयोग और राज्य निशक्तता आयोग के अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर सरकार से स्पष्ट रिपोर्ट मांगी है। अदालत ने सरकार से पूछा है कि इन पदों को भरने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं और चयन प्रक्रिया किस स्तर पर है।

गौरतलब है कि राजकुमार की अवमानना याचिका सहित अन्य याचिकाओं में यह मुद्दा उठाया गया था कि झारखंड की करीब 12 संवैधानिक संस्थाओं में अध्यक्ष और सदस्यों के पद पिछले 3 से 5 वर्षों से खाली पड़े हैं।

प्रार्थियों का तर्क था कि इन महत्वपूर्ण पदों के खाली रहने से राज्य की न्याय और प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। पिछली सुनवाई में सरकार ने आश्वासन दिया था कि नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है, जिसके बाद लोकायुक्त की नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त हुआ।

झारखंड बोर्ड के 10वीं का परीक्षाफल जारी, प्रियांशु कुमारी बनीं टॉपर, सीएम सोरेन ने दी बधाई

रांची। झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने गुरुवार को अपराह्न करीब तीन बजे कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया। काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष कुल 95.27 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल हुए हैं। राज्य की मेरिट सूची में प्रियांशु कुमारी ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। प्रियांशु ने कुल 500 अंकों में से 498 अंक (99.60 प्रतिशत) प्राप्त किए हैं।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष मैट्रिक परीक्षा के लिए 4,24,001 छात्रों ने अपना पंजीकरण कराया था, जिसमें से 4,22,109 छात्र परीक्षा में सम्मिलित हुए। इनमें से कुल 4,02,178 छात्र सफल घोषित किए गए हैं। श्रेणीवार परिणामों पर नजर डालें तो 2,26,957 छात्रों ने प्रथम श्रेणी हासिल की है। वहीं 1,60,673 छात्र द्वितीय श्रेणी और 14,548 छात्र तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

परीक्षा में शामिल हुए छात्र अपना परिणाम झारखंड एकेडमिक काउंसिल की आधिकारिक वेबसाइटों जैक रिजल्ट्स डॉट कॉम या जैक डॉट झारखंड डॉट गवर्नमेंट डॉट इन पर जाकर देख सकते हैं। परिणाम देखने के लिए छात्रों को वेबसाइट के मुख्य पृष्ठ पर उपलब्ध मैट्रिक रिजल्ट लिंक पर क्लिक करना होगा और वहां अपना रोल कोड और रोल नंबर दर्ज करना होगा। सबमिट बटन दबाते ही स्कोरकार्ड स्क्रीन पर प्रदर्शित हो जाएगा, जिसे छात्र भविष्य के संदर्भ के लिए डाउनलोड भी कर सकते हैं। डिजिटल माध्यमों के अलावा छात्र अपना परिणाम डिजीलॉकर की आधिकारिक वेबसाइट पर भी देख सकते हैं। झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने स्पष्ट किया है कि इंटरनेट पर जारी परिणाम छात्रों की तत्काल जानकारी के लिए हैं।

संक्षिप्त खबर

शिमला में भाजपा महिला मोर्चा की पदयात्रा में उमड़ा जनसैलाब, महिलाओं की ताकत का प्रदर्शन

शिमला। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा आयोजित 'जन आक्रोश महिला पदयात्रा' में भारी संख्या में महिलाओं की भागीदारी देखने को मिली। यह रैली महिलाओं की शक्ति, अधिकार और शासन में भागीदारी के सशक्त प्रदर्शन के रूप में उभरी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष डेज़ी ठाकुर ने की। इस दौरान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिंदल, प्रदेश प्रभारी श्रीकांत शर्मा, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर और सह-प्रभारी संजय टंडन भी मौजूद रहे। सभा को संबोधित करते हुए पायल वैद्य ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अभियान महिलाओं को पंचायत से संसद तक 33 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम था। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने राजनीतिक कारणों से इसे विफल कर दिया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के नारों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि जब महिलाओं के अधिकारों की असली लड़ाई आई, तब कांग्रेस पीछे हट गई, जिससे उसकी कथनी-करनी का अंतर सामने आ गया। डेज़ी ठाकुर ने इस विधेयक के रुकने को 'लोकतांत्रिक इतिहास का काला दिन' बताते हुए कांग्रेस पर महिलाओं को केवल वोट बैंक समझने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा सिर्फ राजनीति नहीं, बल्कि करोड़ों महिलाओं की गरिमा से जुड़ा है। प्रदेश उपाध्यक्ष रश्मि धर सूद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस ने मिलकर महिलाओं की आकांक्षाओं को कमजोर किया। उन्होंने इसे सामाजिक न्याय का मुद्दा बताया। विधायक रीना कश्यप ने राज्य सरकार पर पदयात्रा को रोकने के लिए प्रशासनिक तंत्र के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सोलन और आसपास के क्षेत्रों से आने वाली महिलाओं की बसों को जानबूझकर रोका और डायवर्ट किया गया, लेकिन इसके बावजूद भारी संख्या में महिलाओं की भागीदारी ने इन कोशिशों को नाकाम कर दिया। प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक को रोककर कांग्रेस ने देश की करोड़ों महिलाओं के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक में महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त किया गया है और अब शासन में उनकी भागीदारी बढ़ाना अगला कदम है।

राजस्थान : राज्यपाल ने आवारा सांडों को छोड़े जाने पर जताई चिंता, सामूहिक कार्रवाई का आह्वान

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सड़कों पर छोड़े गए नंदियों (सांडों) की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई है। उन्होंने इस समस्या के समाधान के लिए समाज और सरकार द्वारा मिलकर प्रयास किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने चारे का दान और गौशालाओं के जरिए आश्रय जैसी पहलों पर जोर दिया, और यह भी बताया कि राजस्थान सरकार उनकी सुरक्षा के लिए विशेष अभियान चला रही है। उन्होंने 'नंदी' (सांडों) के पालन-पोषण और खेती में उनके इस्तेमाल को बढ़ावा देने वाली एक खास योजना का भी जिक्र किया, जिसके तहत किसानों को हर साल 30,000 रुपए की आर्थिक मदद मिलती है। हरिभाऊ बागड़े ने गुरुवार को बहरोड़ इलाके के बिजोरवास गांव का दौरा किया, जहां उन्होंने बाबा बिशाह मंदिर परिसर में बने एक शिव मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने पारंपरिक धार्मिक ग्रंथों में बताए गए तरीकों के अनुसार पूजा-अर्चना और अनुष्ठान किए, और राज्य के लोगों की खुशी, समृद्धि और भलाई के लिए प्रार्थना की। सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भगवान शिव अज्ञान और नकारात्मकता को दूर करने का प्रतीक हैं, और वे लोगों को ज्ञान और सकारात्मकता की ओर ले जाते हैं। सांस्कृतिक निरंतरता के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी के लिए अपनी परंपराओं और विरासत से गहराई से जुड़े रहना बहुत जरूरी है। राज्यपाल ने कहा, भगवान शिव ही वह शक्ति हैं जो अज्ञान और नकारात्मकता के अंधेरे को मिटाकर हमारे जीवन में ज्ञान और सकारात्मकता का प्रकाश लाते हैं। युवाओं के लिए यह बहुत जरूरी है कि वे अपनी परंपराओं और संस्कृति को अपने जीवन में उतारें, ताकि उनकी सांस्कृतिक पहचान, मूल्य और निरंतरता बनी रहे। ऐसा करने से लोग अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं और साथ ही आधुनिकता के साथ तालमेल भी बिठा पाते हैं, जिससे एक मजबूत समाज और राष्ट्र के निर्माण में योगदान मिलता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में संस्कृति और मूल्यों की गहरी समझ भी पैदा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह का संतुलन लोगों को बदलते समय के साथ ढलते हुए भी अपनी पहचान से जुड़े रहने में मदद करता है, और अंततः एक मजबूत और सौहार्दपूर्ण समाज के विकास में योगदान देता है।

अधीर रंजन चौधरी ने ईवीएम में खराबी और भीषण गर्मी में वोटरों के लिए खराब इंतजाम की शिकायत की

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए जारी वोटिंग के बीच, बहरामपुर निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि जिले के एक बूथ में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) बार-बार खराब हो रही है। जिसके चलते मतदाताओं को वोट डालने के लिए चिलचिलाती गर्मी में घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।

एक मतदान केंद्र के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि मुझे सुबह से ही यह खबर मिल रही है कि बूथ नंबर 141 में ईवीएम बार-बार खराब हो रही है। मैंने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद ईवीएम बदल दी गई, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। कांग्रेस नेता के अनुसार, चुनाव आयोग ने आश्वासन दिया था कि वे टेक्नीशियन भेजेंगे, लेकिन अब तक कोई भी प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। नतीजतन, मुझे यहां आने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस संबंध में मैंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को एक लिखित शिकायत भी भेजी है। इसके अलावा, कांग्रेस उम्मीदवार ने कहा कि उन्होंने इस मामले को लेकर जिलाधिकारी (डीएम) से भी संपर्क किया है। डीएम ने आश्वासन दिया है कि वे इस समस्या को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। चौधरी ने ईवीएम में खराबी के कारण वोटरों को हो रही दिक्कतों की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि लोग इस चिलचिलाती गर्मी में इतनी ज्यादा परेशानी झेल रहे हैं कि वे घर वापस लौट रहे हैं। वोटर इतनी लंबी कतारों में घंटों इंतजार कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने खास तौर पर महिला वोटरों को हो रही दिक्कतों पर जोर दिया। १उन्होंने कहा कि ये औरतें इतनी तेज गर्मी में खड़ी हैं। वोट डालने के लिए पूरी तरह से दृढ़ हैं।

मध्य प्रदेश के बड़वानी में दर्दनाक हादसा, नदी में डूबे तीन सगे भाई-बहन, गांव में शोक

भोपाल। मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में एक दर्दनाक हादसे में तीन सगे भाई-बहन आंनेर नदी में डूब गए। यह घटना वरला थाना क्षेत्र में बुधवार शाम को हुई, जिससे पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान राधा (10), राजवीर (8) और जयवीर (6) के रूप में हुई है। तीनों पवन ब्राह्मणे के बच्चे थे और देओली गांव के रहने वाले थे।

जानकारी के मुताबिक, परिवार बिलवा पनाली में अपने मामा के घर आया हुआ था। घटना के समय उनकी बड़ी बहन राधिका दूसरे मामा के घर पर थी, इसलिए वह नदी किनारे मौजूद नहीं थी।

बुधवार शाम बच्चे आंनेर नदी में नहाने गए थे, तभी यह हादसा हो गया। बताया गया कि नहाते समय एक बच्चा गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे बचाने के लिए दूसरा बच्चा भी पानी में उतरा, लेकिन वह भी डूबने लगा। दोनों को बचाने के प्रयास में तीसरा बच्चा भी नदी में कूद गया, जिसके बाद तीनों गहरे पानी में समा गए।

जब बच्चे शाम तक घर नहीं लौटे तो परिजनों को चिंता हुई। खोजबीन के दौरान पिता पवन ब्राह्मणे को नदी किनारे बच्चों के कपड़े और चप्पल मिले, जिसके बाद अनहोनी की आशंका गहरा गई। इसके बाद ग्रामीणों की मदद से नदी में सर्च ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें काफी प्रयासों के बाद तीनों बच्चों के शव बरामद कर लिए गए। ह्यसूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए धावली अस्पताल भेज दिया गया।

पुलिस ने मामले में आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस दर्दनाक घटना से पूरा गांव गमगीन है और परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

सिर्फ बिहारी बाबू ही नहीं, मैं बंगाली बाबू भी हूं, बंगाल के आसनसोल में पहली बार मतदान के बाद बोले शत्रुघ्न सिन्हा

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के पहले चरण में अपना वोट डाला। उन्होंने कहा कि वे पहली बार पश्चिम बंगाल के आसनसोल में अपना वोट डाल रहे हैं। इसके साथ ही, शत्रुघ्न सिन्हा ने खुद को 'बिहारी बाबू' के बाद बंगाली बाबू' बताया। टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने आसनसोल उत्तर के रवींद्र भवन में अपना वोट डाला। उन्होंने कहा, आज मैं यहां पहली बार वोट डालने आया हूं। बहुत अच्छा लग रहा है। मैं अपने अधिकार का इस्तेमाल करने और एक वोटर के तौर पर अपने कर्तव्य को पूरा कर रहा हूं। उन्होंने आगे कहा, 'मैं सिर्फ 'बिहारी बाबू' ही नहीं हूं, मैं एक 'बंगाली बाबू' भी हूं और सच कहूं तो मैं एक 'हिंदुस्तानी बाबू' हूं। वोट डालना एक राष्ट्रीय कर्तव्य है। मैंने हमेशा इसे निभाया है और आगे भी निभाता रहूंगा। इसी बीच, टीएमसी नेता शांतनु सेन ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, जिस तरह से ज्ञानेश कुमार चुनाव करवा रहे हैं, इसके बाद भी अगर कोई घटना होती है, तो यह ममता बनर्जी की जिम्मेदारी नहीं है, क्योंकि अब पूरा प्रशासन ज्ञानेश कुमार के नियंत्रण में है।

कांग्रेस शासन में भारत-दक्षिण कोरिया के बीच हुआ एफटीए 'खराब बातचीत' का नतीजा : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस शासन में 2010 में लागू हुआ भारत-दक्षिण कोरिया एफटीए (फ्री ट्रेड एग्रीमेंट) खराब बातचीत का नतीजा था। इससे भारत के व्यापार घाटे में बढ़ोतरी हुई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर गोयल ने कहा, कांग्रेस शासन में 2009 में भारत-दक्षिण कोरिया एफटीए हुआ था और 2010 में इसे लागू किया गया था। यह एक खराब बातचीत का नतीजा और इसमें व्यापार असंतुलन भारत की तरफ झुका हुआ था। पोस्ट में आगे गोयल ने कहा, एफटीए के लागू होने के बाद से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 92.7 प्रतिशत बढ़ा है और भारत के आयात में 103.7 प्रतिशत का इजाफा हुआ है, जो साफ दिखाता है कि इससे भारत को फायदा नहीं हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ने मुलाकात की और भारत-कोरिया सीईपीए (व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते) में संशोधन के लिए बातचीत शुरू करने पर सहमति व्यक्त की, जिसका उद्देश्य एक सहमत रोडमैप के माध्यम से व्यापार में गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों प्रकार की वृद्धि हासिल करना था। इसके बाद, भारत-कोरिया व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (आईकेसीईपीए) के तहत संयुक्त समिति की मंत्रिस्तरीय बैठक में, मंत्रियों ने पुनर्विचार वार्ता शुरू करने की घोषणा की, जिसके तहत ग्यारह दौर आयोजित किए गए और एक अर्ली हार्वेस्ट पैकेज पर सहमति बनी।

तमिलनाडु चुनाव : वेल्लोर में मतदान केंद्रों पर रोबोट ने किया मतदाताओं का स्वागत, वोटर्स में दिखा उत्साह

वेल्लोर। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के दौरान वेल्लोर जिले के कुछ मतदान केंद्रों पर इस बार मतदाताओं को एक अनोखा अनुभव मिला, जहां रोबोट ने उनका स्वागत किया और मतदान प्रक्रिया में सहयोग भी दिया।

गुडियात्तम और वेल्लोर विधानसभा क्षेत्रों के चुनिंदा मतदान केंद्रों पर चुनाव आयोग की पहल के तहत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में ह्यूमनॉइड रोबोट तैनात किए गए। इन रोबोट्स का उद्देश्य मतदाताओं को सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ मतदान प्रक्रिया को अधिक आकर्षक और तकनीकी रूप से उन्नत बनाना था। गुडियात्तम के सरकारी नगरपालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्थित मतदान केंद्र पर एक साड़ी पहने रोबोट ने मतदान करने पहुंचे लोगों का तमिल में स्वागत किया। यह रोबोट फूलों और चॉकलेट की ट्रे लेकर खड़ा था, जिससे मतदान केंद्र का माहौल उत्सव जैसा हो गया। कई मतदाता, खासकर पहली बार वोट देने वाले, इस दृश्य से काफी उत्साहित नजर आए। एक मतदाता ने बताया, 'हम रोबोट को देखकर हैरान रह गए। यह तमिल में बात कर रहा था और गर्मी से बचने के सुझाव भी दे रहा था।'

अधिकारियों के अनुसार, वेल्लोर जिले के कुल 1,427 मतदान केंद्रों में से केवल दो केंद्रों पर यह प्रयोग किया गया। वेल्लोर विधानसभा क्षेत्र के सरकारी मुस्लिम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में तैनात रोबोट सेंसर आधारित था, जो मतदाताओं से हाथ मिलाने और मतदान प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी देने में सक्षम था। यह मतदाताओं को मोबाइल फोन जमा करने, मतदान कक्ष तक पहुंचने और अन्य नियमों के बारे में भी जानकारी दे रहा था। इसके अलावा, रोबोट ने बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और दिव्यांग मतदाताओं के लिए अलग कतारों और व्हीलचेयर जैसी सुविधाओं की जानकारी देकर जागरूकता फैलाने का काम भी किया।

क्या है जीपीएस और कैसे बताता है सटीक लोकेशन, जानें कैसे काम करता है ये सिस्टम?

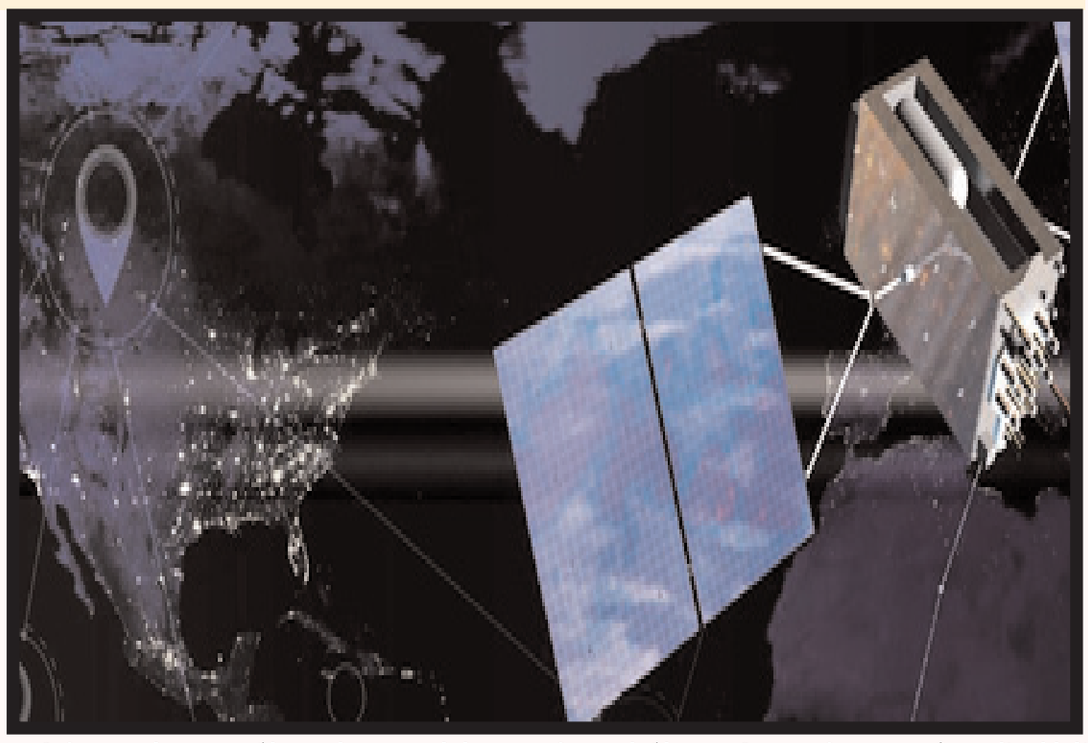

नई दिल्ली । आज के समय में रास्ता भटकना लगभग असंभव हो गया है। बस एक स्मार्टफोन या कार का नेविगेशन सिस्टम चालू करें और सटीक जगह का पता चल जाता है। यह संभव होता है ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम यानी जीपीएस की मदद से, जो अंतरिक्ष में मौजूद सैटेलाइट के नेटवर्क पर आधारित एक आधुनिक तकनीक है।

जीपीएस हमें पृथ्वी पर कहीं भी अपनी सटीक लोकेशन बताता है लेकिन सवाल यह है कि जीपीएस आखिर है क्या और यह इतनी सटीक जानकारी कैसे देता है। जीपीएस दरअसल 30 से अधिक नेविगेशन सैटेलाइट्स का एक नेटवर्क है, जो पृथ्वी के चारों ओर बहुत ऊंची कक्षा में लगातार घूमते रहते हैं। ये सैटेलाइट हर समय विशेष सिग्नल भेजते रहते हैं। आपके फोन, वॉच या कार में लगा जीपीएस रिसीवर इन सिग्नल्स को पकड़ता है और गणना करके बताता है कि आप ठीक कहां खड़े हैं।

यह सिस्टम तीन मुख्य हिस्सों से मिलकर काम करता है, सैटेलाइट, ग्राउंड स्टेशन और रिसीवर। सैटेलाइट पृथ्वी से करीब 20 हजार किलोमीटर ऊपर 12 घंटे के चक्कर में घूमते हैं। इनकी व्यवस्था ऐसी है कि पृथ्वी पर किसी भी जगह से लगभग हमेशा 6 या उससे ज्यादा सैटेलाइट दिखाई देते हैं। ग्राउंड स्टेशन पृथ्वी पर बने स्टेशन हैं जो इन सैटेलाइट की स्थिति की जांच करते रहते हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें सही पथ पर रखते हैं। वहीं, रिसीवर सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो हम रोज इस्तेमाल करते हैं। जब रिसीवर कम से कम चार सैटेलाइट से सिग्नल प्राप्त करता है, तो वह हर सैटेलाइट से अपनी दूरी का हिसाब लगाता है। इन दूरी के आधार पर रिसीवर त्रिकोणमिति यानी ट्राइलेटरेशन की मदद से आपकी सटीक जगह पता लगा लेता है।

आम रिसीवर कुछ मीटर की सटीकता देते हैं, जबकि हाई रिसीवर तो कुछ इंच की दूरी तक सही लोकेशन बता सकते हैं। पुराने समय में नाविक तारों को देखकर दिशा का पता लगाते थे। आज उसी काम को सैटेलाइट बहुत तेजी और सटीकता से करते हैं। जीपीएस सिर्फ रास्ता दिखाने तक सीमित नहीं है। इसका इस्तेमाल विमानों, जहाजों, सेना, किसानों, डिलीवरी सर्विस और यहां तक कि भूकंप जैसे प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी में भी होता है।

जीपीएस अमेरिका की रक्षा विभाग की टीम द्वारा विकसित किया गया सिस्टम है, लेकिन अब ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) के रूप में कई देशों के सैटेलाइट काम कर रहे हैं। रूस का जीएलओएनएएसएस भी इसीका हिस्सा है, जिसमें 24 सैटेलाइट हैं। ये सैटेलाइटेस खास रेडियो फ्रीक्वेंसी पर कोड भेजते हैं, जिन्हें रिसीवर डिकोड करके इस्तेमाल करता है। दुनिया भर में सैकड़ों स्थायी रिसीवर लगे हैं, जो वैज्ञानिकों को पृथ्वी की प्लेटों की हलचल, भूकंप और पृथ्वी के घूमने की दिशा अध्ययन करने में मदद करते हैं।

घर पर बना खाना क्यों माना जाता है सबसे अच्छा? जानिए कारण

नई दिल्ली। आजकल बाहर का खाना जितना आसान और जल्दी मिलने वाला हो गया है, उतना ही लोगों की सेहत पर असर भी डाल रहा है। फास्ट फूड, होटल का खाना या पैक्ड फूड भले ही स्वाद में अच्छा लगे, लेकिन सेहत के मामले में घर का बना खाना हमेशा सबसे आगे रहता है।

इसका सबसे बड़ा कारण है ताजगी और शुद्धता। घर में खाना बनाते समय हम खुद सामग्री चुनते हैं। हम मौसमी और ताजी सब्जियां, साफ दालें, अच्छे अनाज और जरूरत के अनुसार मसालों का उपयोग करते हैं। हमें पता होता है कि हम क्या खा रहे हैं। वहीं बाहर के खाने में तेल, मसाले और सामग्री की गुणवत्ता पर पूरा भरोसा नहीं किया जा सकता।

घर में खाना बनाते समय साफ-सफाई का ध्यान हम खुद रखते हैं। बर्तन, रसोई और हाथ को साफ रखते हैं। लेकिन बाहर के खाने में यह तय नहीं होता कि सफाई का स्तर कितना अच्छा है। यही वजह है कि कई बार पेट की दिक्कतें बाहर का खाना खाने से हो जाती हैं।

घर में हम अपनी जरूरत के हिसाब से तेल, नमक और मसाले डालते हैं। अगर किसी को कम तेल वाला खाना पसंद है तो वह वैसा ही बन सकता है। लेकिन बाहर के खाने में अक्सर ज्यादा तेल, ज्यादा मसाले और ज्यादा नमक होता है, जो धीरे-धीरे शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

पोषण का संतुलन भी जरूरी होता है। घर के खाने में हम आसानी से दाल, सब्जी, रोटी, चावल और सलाद को संतुलित तरीके से शामिल कर सकते हैं। इससे शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं। बाहर के खाने में अक्सर यह संतुलन नहीं होता, जिससे सेहत पर असर पड़ सकता है।

घर का खाना सिर्फ पेट भरने के लिए नहीं होता, उसमें परिवार का प्यार भी जुड़ा होता है। जब कोई अपने हाथों से हमारे लिए खाना बनाता है, तो उसमें एक भावनात्मक जुड़ाव होता है, जो मानसिक सुकून भी देता है।घर का खाना खाने से मोटापा, डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों का खतरा कम होता है। क्योंकि इसमें हम जरूरत से ज्यादा तेल-चीनी या अनहेल्दी चीजों से बच सकते हैं। इसके अलावा, घर का खाना पचने में आसान होता है।

बाहर का भारी और तला-भुना खाना पेट पर ज्यादा बोझ डालता है, जबकि घर का खाना हल्का और प्राकृतिक होता है।

नेक मूवमेंट : घंटों डेस्क पर बैठकर काम करने वालों के लिए राहत, गर्दन के आसान मूवमेंट से दूर होगी जकड़न

नई दिल्ली। आजकल की व्यस्त जिंदगी में ज्यादातर लोग कंप्यूटर या मोबाइल पर घंटों बैठकर काम करते हैं, जिससे गर्दन और कंधों में जकड़न, दर्द और थकान आम समस्या बन गई है। आयुष मंत्रालय ने योग के जरिए ऐसी परेशानियों से निपटने का आसान और प्रभावी उपाय सुझाया है।

मंत्रालय के अनुसार, योग की शुरुआत गर्दन की हल्की गतिविधियों से करनी चाहिए, जो शरीर को धीरे-धीरे सक्रिय करती हैं और तंत्रिका तंत्र को शांत रखती हैं।

गर्दन की मांसपेशियां खोपड़ी, जबड़े, कंधों की हड्डियों और कॉलरबोन तक फैली हुई होती हैं। ये मांसपेशियां सिर और गर्दन को मजबूती प्रदान करती हैं व सिर घुमाने, चबाने, निगलने और सांस लेने जैसी रोजमर्रा की गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। लंबे समय तक एक ही मुद्रा में बैठने से ये मांसपेशियां तनावग्रस्त हो जाती हैं, जिससे दर्द और अकड़न पैदा होती है।

आयुष मंत्रालय ने कॉमन योग प्रोटोकॉल में गर्दन की चार आसान गतिविधियों को शामिल किया है, जो घर या ऑफिस में आसानी से किए जा सकते हैं। ये व्यायाम तनाव कम करने, लचीलापन बढ़ाने और सिर व रीढ़ की हड्डी में रक्त संचार सुधारने में मदद करते हैं। साथ ही मानसिक थकान को भी दूर करते हैं।

एक्सपर्ट सभी लोगों, खासकर डेस्क जॉब करने वालों से अपील करते हैं कि वे इन व्यायामों को अपनी दिनचर्या में जरूर शामिल करें। नेक मूवमेंट के चार स्टेप में फ्लेक्सन और एक्सटेंशन, साइड बेंडिंग, रोटेशन व पूर्ण रोटेशन शामिल है।

फ्लेक्सन और एक्सटेंशन:- गर्दन को आगे की ओर झुकाकर ठोड़ी को छाती से लगाने की कोशिश करें और फिर धीरे से पीछे की ओर झुकाएं। यह गर्दन की सामने और पीछे वाली मांसपेशियों को खोलता है और तनाव मुक्त करता है।

साइड बेंडिंग: - गर्दन को दाईं और बाईं तरफ झुकाएं। इससे गर्दन की साइड वाली मांसपेशियां लचीली बनती हैं और जकड़न दूर होती है।

रोटेशन: - गर्दन को दाईं और बाईं ओर घुमाएं। यह गतिविधि गर्दन की गतिशीलता बढ़ाती है और कंधों की अकड़न को भी कम करती है।

पूर्ण रोटेशन: - गर्दन को धीरे-धीरे गोलाकार घुमाएं (दोनों दिशाओं में)। इससे मांसपेशियों को पूरी तरह से खिंचाव मिलता है ।

असंख्य तारे व सूर्य फिर भी अंतरिक्ष क्यों दिखता है डार्क? जानें दिन में नीला और रात में काला क्यों होता है आकाश

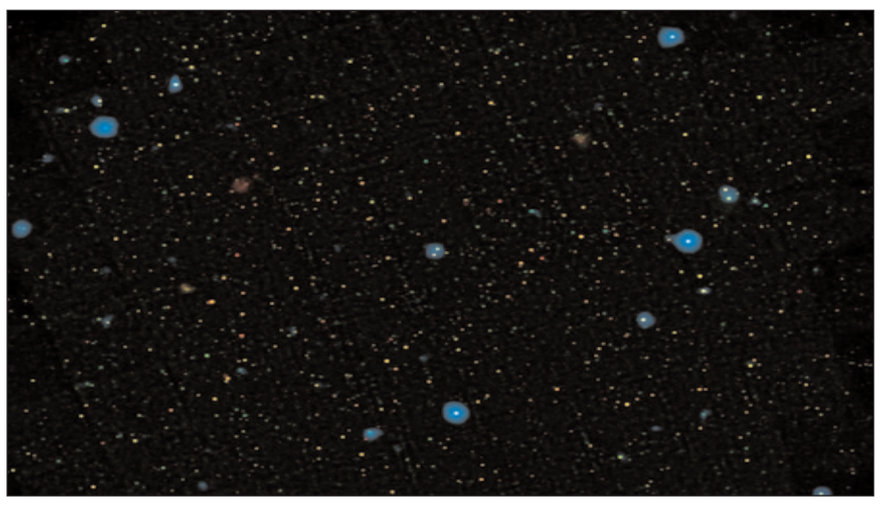

नई दिल्ली। अंतरिक्ष काला क्यों दिखाई देता है, यह सवाल सदियों से वैज्ञानिकों और जिज्ञासु लोगों को आकर्षित करता रहा है। इस विषय पर कई वैज्ञानिकों ने गहराई से अध्ययन किया। आज विज्ञान इस रहस्य को काफी हद तक समझ चुका है। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि पृथ्वी पर दिन के समय आकाश नीला क्यों दिखता है। दरअसल, सूर्य से आने वाली रोशनी जब पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करती है, तो वहां मौजूद गैसों और कणों से टकराकर अलग-अलग दिशाओं में बिखर जाती है। इस प्रक्रिया को रेले प्रकीर्णन कहा जाता है। नीली रोशनी का बिखराव अधिक होता है, इसलिए हमें आकाश नीला नजर आता है।

वहीं, रात के समय स्थिति बदल जाती है। जब पृथ्वी का हिस्सा सूर्य की रोशनी से दूर होता है, तो प्रकाश का बिखराव नहीं हो पाता और आकाश काला दिखाई देता है। अगर कोई व्यक्ति चंद्रमा जैसे स्थान पर जाए, जहां वायुमंडल नहीं है, तो वहां दिन में भी आकाश काला ही दिखाई देगा। ऐसा इसलिए क्योंकि वहां प्रकाश को बिखेरने के लिए कोई माध्यम मौजूद नहीं होता।

अब सबसे अहम सवाल उठता है कि जब ब्रह्मांड में सूर्य व असंख्य तारे मौजूद हैं, तो उनका प्रकाश मिलकर पूरे आकाश को रोशनी क्यों नहीं देता? इसी पहेली को ओल्बर्स का विरोधाभास कहा जाता है। सामान्य तौर पर यह उम्मीद की जाती है कि यदि ब्रह्मांड अनंत और हमेशा से मौजूद होता, तो हर दिशा में हमें तारे दिखाई देते और रात का आकाश चमकदार होता।

वैज्ञानिकों के अनुसार इस विरोधाभास का समाधान ब्रह्मांड की उम्र और विस्तार में छिपा है। माना जाता है कि ब्रह्मांड लगभग 13 से 15 अरब वर्ष पुराना है। इसका मतलब यह है कि हम केवल उतनी ही दूरी तक देख सकते हैं, जितनी दूर तक प्रकाश इस समय में यात्रा कर पाया है। जो तारे और आकाशगंगाएं इससे भी अधिक दूर हैं, उनकी रोशनी अभी तक हम तक पहुंची ही नहीं है।

इसके अलावा, एक और महत्वपूर्ण कारण ब्रह्मांड का लगातार फैलना है। जब कोई तारा या आकाशगंगा हमसे दूर जाती है, तो उसके प्रकाश की तरंगदैर्ध्य बढ़ जाती है। इस प्रभाव को डॉप्लर प्रभाव कहा जाता है। इस प्रक्रिया में प्रकाश लाल रंग की ओर खिसक जाता है और कई बार इतना कमजोर हो जाता है कि हमारी आंखों से दिखाई ही नहीं देता। हालांकि, अंतरिक्ष पूरी तरह से काला नहीं है। बहुत दूर स्थित तारों और आकाशगंगाओं से आने वाली हल्की रोशनी अंतरिक्ष में एक धुंधली चमक पैदा करती है। पृथ्वी के वायुमंडल से बाहर यह अंधकार और भी गहरा प्रतीत होता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, आकाश के रंग और प्रकाश का व्यवहार वायुमंडल की संरचना पर भी निर्भर करता है। यदि वायुमंडल हाइड्रोजन से भरपूर और फैला हुआ हो, तो नीली रोशनी ज्यादा बिखरती है। वहीं यदि वायुमंडल घना या बादलों से ढका हो, तो सभी रंगों का बिखराव लगभग समान होता है।

उज्जायी प्राणायामः योग की वह तकनीक, जो अंदर से करती है उपचार

नई दिल्ली। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए सही खानपान के साथ ही योग को भी दिनचर्या का हिस्सा बनाना बहुत जरूरी है। सिर्फ कुछ मिनट रोज योग अभ्यास करके आप अपने जीवन में एक शांत, स्वस्थ और संतुलित बदलाव महसूस कर सकते हैं।

योग में एक बहुत ही प्रभावशाली श्वास तकनीक है जिसे उज्जायी प्राणायाम कहा जाता है। यह शरीर और मन दोनों पर नियंत्रण और संतुलन लाने में मदद करती है। उज्जायी प्राणायाम में सांस को धीरे-धीरे, गहराई से और थोड़ी आवाज के साथ लिया और छोड़ा जाता है। इसमें गले के पिछले हिस्से को हल्का सा सिकोड़कर सांस ली जाती है। शुरुआत में यह थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन अभ्यास के साथ यह बहुत सहज हो जाता है। यह हमारे पाचन तंत्र को मजबूत करता है। जब हम गहरी और नियंत्रित सांस लेते हैं, तो पेट के अंदर ऑक्सीजन की आपूर्ति बेहतर होती है। इससे गैस, अपच और भारीपन जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। गले और थायरॉयड स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। उज्जायी प्राणायाम गले के हिस्से में हल्का दबाव बनाता है, जिससे थायरॉयड ग्रंथि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जो लोग थायरॉयड की समस्या से परेशान हैं, उनके लिए यह बहुत उपयोगी माना जाता है। इसके अलावा यह प्राणायाम दिल और फेफड़ों के लिए भी बहुत फायदेमंद है।

जब हम धीमी और गहरी सांस लेते हैं, तो फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और हृदय को भी बेहतर ऑक्सीजन मिलती है। इससे ब्लड सर्कुलेशन सुधरता है और शरीर ज्यादा ऊर्जावान महसूस करता है।

अपान वायु मुद्रा से कम हो सकता है पीरियड्स का दर्द, ऐंठन और थकान से मिलती है राहत

नई दिल्ली । महिलाओं के लिए पीरियड्स का समय अक्सर थोड़ा मुश्किल होता है। इस दौरान पेट में दर्द, ऐंठन, कमर में भारीपन और कभी-कभी बहुत ज्यादा थकान महसूस होती है। कई बार यह दर्द इतना बढ़ जाता है कि रोज का काम करना भी मुश्किल हो जाता है।

कुछ महिलाएं इसके लिए दवाइयों का सहारा लेती हैं, लेकिन हर बार दवा लेना सही नहीं माना जाता। ऐसे में योग और कुछ आसान हस्त मुद्राएं शरीर को प्राकृतिक तरीके से आराम देने में मदद कर सकती हैं। इन्हीं में से एक है अपान वायु मुद्रा, जो शरीर के अंदर की ऊर्जा को संतुलित करने का काम करती है।

पीरियड्स के दौरान पेट के निचले हिस्से में दर्द और खिंचाव होने लगता है। अपान वायु मुद्रा इसी दर्द में राहत पहुंचाने में मदद करती है। जब हाथों की उंगलियों को एक खास तरीके से जोड़ा जाता है और कुछ देर आंखें बंद कर शांत बैठकर इसे किया जाता है, तो शरीर में खून का बहाव बेहतर होता है और मांसपेशियों का तनाव धीरे-धीरे कम होने लगता है। इसी वजह से पेट का दर्द और ऐंठन कुछ हद तक कम महसूस हो सकती है।

इस मुद्रा को करना भी बहुत आसान है। अपान वायु मुद्रा का अभ्यास करने के लिए, सबसे पहले सुखासन की मुद्रा में बैठ जाएं। अब अपने हाथों को सीधा करके घुटनों पर रखें। इस दौरान आपकी हथेलियां आसमान की ओर होनी चाहिए। इसके बाद अपने हाथों की तर्जनी उंगली को मोड़ते हुए अंगूठे की जड़ से सटाएं और फिर अनामिका और मध्यमा उंगली को मोड़कर अंगूठे की नोक को दबाएं। इस दौरान छोटी उंगली बाहर की ओर फैली हुई और दोनों आंखें बंद रखें। कुछ देर बाद वापस आरामदायक मुद्रा में आ जाएं।

मासिक धर्म के दौरान यह मुद्रा मानसिक परेशानी को दूर करने में भी मदद कर सकती है। इस समय कई महिलाओं को चिड़चिड़ापन, बेचैनी और तनाव महसूस होता है। अपान वायु मुद्रा मन को शांत करने में मदद करती है।

क्या है 'साइकोलॉजिकल फर्स्ट एड', मानसिक समस्याओं से जूझ रहे लोगों की कैसे करता है मदद?

नई दिल्ली । गर्मी के मौसम में न सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। बढ़ती गर्मी, नींद की कमी, डिहाइड्रेशन और रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाली परेशानियां कई लोगों में चिंता, तनाव, घबराहट और उदासी बढ़ा देती हैं। ऐसे समय में साइकोलॉजिकल फर्स्ट एड (पीएफए) बहुत उपयोगी साबित हो सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, यह संकट की स्थिति में परेशान लोगों को तुरंत मानसिक सहारा देने का एक सरल और प्रभावी तरीका है। साइकोलॉजिकल फर्स्ट एड कोई दवा या थेरेपी नहीं है। यह उन लोगों के लिए सहायक प्रतिक्रिया है जो किसी संकट, आपदा या तनावपूर्ण स्थिति से गुजर रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य व्यक्ति को सुरक्षित, जुड़ा हुआ, शांत और आशावान महसूस कराना है। यह सुनने, आराम देने और भावनात्मक समर्थन देने पर आधारित है।

गर्मियों में कई लोग गर्मी के कारण चिड़चिड़ापन, नींद न आना, काम में मन न लगना और परिवार में झगड़े जैसी समस्याओं का सामना करते हैं। इन स्थितियों में पीएफए तुरंत मदद कर सकता है और लंबे समय तक मानसिक स्वास्थ्य सुधारने में सहायक सिद्ध होता है। अब सवाल है कि पीएफए क्यों जरूरी है? जब कोई व्यक्ति मानसिक संकट में होता है, तो उसे सबसे ज्यादा जरूरत होती है कि वह खुद को सुरक्षित महसूस करे, दूसरों से जुड़ा हुआ अनुभव करे और उम्मीद बनी रहे।

आईपीएल 2026: अकील-नूर की शानदार गेंदबाजी, सीएसके ने एमआई को 103 रनों से रौंदा

मुंबई। आईपीएल 2026 के 33वें मुकाबले में गुरुवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मुंबई इंडियंस (एमआई) को 103 रनों से रौंदा। वानखेड़े के मैदान पर सीएसके से मिले 208 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए एमआई की पूरी टीम 104 रन बनाकर ऑलआउट हुई। यह सीएसके की इस सीजन की तीसरी जीत है।

208 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दानिश मालेवार बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। वहीं, नमन धीर को भी अकील हुसैन ने जीरो पर आउट किया। क्विंटन डी कॉक भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और महज 7 रन बनाकर मुकेश चौधरी का शिकार बने। 11 रनों के स्कोर पर 3 विकेट गिरने के बाद सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने टीम की लड़खड़ाती हुई पारी को संभाला। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 73 रनों की साझेदारी निभाई।

तिलक 29 गेंदों में 5 चौकों की मदद से 37 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, सूर्यकुमार 30 गेंदों में 36 रन बनाकर अकील हुसैन का शिकार बने। कप्तान हार्दिक पांड्या का निराशाजनक प्रदर्शन इस मुकाबले में भी जारी रहा, और वह सिर्फ एक रन ही बना सके। शेरफेन रदरफोर्ड पहली ही गेंद पर नूर अहमद की बॉल पर अंशुल कंबोज को कैच देकर पवेलियन लौटे। कृष भगत 15 गेंदों का सामना करने के बाद 7 रन ही बना सके। जसप्रीत बुमराह 2 रन बनाकर आउट हुए।

एमआई ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए, और पूरी टीम 104 रन बनाकर सिमट गई। गेंदबाजी में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से अकील हुसैन ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में महज 17 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए। वहीं, नूर अहमद ने 24 रन खर्च करते हुए 2 विकेट चटकाए, जबकि मुकेश चौधरी, जेमी ओवरटन और गुरजपनीत सिंह ने एक-एक विकेट झटका।

इससे पहले, चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 207 रन लगाए। टीम की तरफ से संजू सैमसन ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। संजू ने सिर्फ 54 गेंदों का सामना करते हुए 101 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में सैमसन ने 10 चौके और 6 छक्के लगाए। सीएसके की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ 14 गेंदों में 22 रन बनाकर आउट हुए, जबकि सरफराज खान 8 गेंदों में 14 रन बनाने के बाद मिचेल सैंटनर का शिकार बने। शिवम दुबे 5 रन ही बना सके, तो डेवाल्ड ब्रेविस ने 21 रनों का योगदान दिया। कार्तिक शर्मा (18) और जेमी ओवरटन (15) भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। गेंदबाजी में एमआई की तरफ से अल्लाह गजनफर ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि अश्वनी कुमार ने 37 रन खर्च करते हुए 2 विकेट निकाले।

ट्रंप के दूत ने फीफा से विश्व कप में ईरान की जगह इटली को शामिल करने को कहा: रिपोर्ट

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक स्पेशल दूत ने कथित तौर पर फीफा से 11 जून से शुरू होने वाले विश्व कप में ईरान की जगह इटली को रखने को कहा है। यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पोस्ट में पोप लियो (चौदहवें) पर टिप्पणी करने के बाद कही है।

ट्रंप ने पोप लियो पर यूएस इमिग्रेशन पॉलिसी और ईरान में युद्ध के विरोध को लेकर तीखा हमला किया है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पोस्ट में पहले अमेरिकी पोप पर 'अपराध के मामले में कमजोर और विदेश नीति के लिए बहुत खराब' होने का आरोप लगाया। इसकी सभी राजनीतिक दलों ने आलोचना की है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के दूत द्वारा इटली को ईरान की जगह फीफा विश्व कप में शामिल किए जाने की मांग ट्रंप और ईटली की प्रधानमंत्री मेलोनी के बीच खराब हुए रिश्ते सुधारने की कोशिश है।

एक रिपोर्ट में यूएस के विशेष दूत पाओलो जम्पोली के हवाले से कहा गया, 'मैंने ट्रंप और फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो को सुझाव दिया है कि विश्व कप में ईरान की जगह इटली को शामिल किया जाए। मैं इटली का रहने वाला हूं, और यूएस के टूर्नामेंट में अजुरी को देखना एक सपना होगा। चार खिताब के साथ, उनके पास शामिल होने को सही ठहराने के लिए रिकॉर्ड है। फीफा विश्व कप के इतिहास में पहली बार, कोई पूर्व विश्व चैंपियन लगातार तीसरी बार क्वालीफाई नहीं कर सका है।

ऋषभ पंत अपने शॉट चयन से निराश होंगे: संजय बांगड़

लखनऊ। आईपीएल 2026 में बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की टीमें इकाना स्टेडियम में आमने-सामने थी। आरआर ने 40 रन से मैच जीत लिया। इस मैच में एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत एक बार फिर से कप्तान और खिलाड़ी के रूप में फ्लॉप साबित हुए। पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने कहा है कि पंत अपने शॉट चयन से निराश होंगे।

स्टार स्पोर्ट्स के 'अमूल क्रिकेट लाइव' पर बात करते हुए जियोस्टार एक्सपर्ट संजय बांगर ने ऋषभ पंत की मौजूदा फॉर्म का विश्लेषण करते हुए कहा, 'अपनी पारी की शुरुआत में उन्होंने जो शॉट लगाए, वे सही नहीं लगे। अपनी पहली तीन गेंदों में, उन्होंने हर बार लाइन के पार स्विंग करने की कोशिश की। एक टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज होने के नाते, जिसके पास बहुत सारे अंतरराष्ट्रीय रन और अनुभव है, यह कुछ ऐसा है जिससे वह बहुत निराश होंगे। उनकी बॉडी लैंग्वेज ने सब कुछ बता दिया। उन्हें पता था कि उन्होंने गलती की है। अगर वह शुरू में ही अपने अप्रोच पर ज्यादा स्पष्टता दिखाते हैं, तो उन्हें कहीं बेहतर परिणाम मिलेगा।'

वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच गुरुवार को होने वाले मुकाबले पर बांगड़ ने कहा, 'मुंबई के लिए आत्मविश्वास कोई मुद्दा नहीं है। अहम खिलाड़ी रन बना रहे हैं। क्विंटन डी कॉक और तिलक वर्मा शतक लगा चुके हैं। जसप्रीत बुमराह का नई गेंद से गेंदबाजी करना सकारात्मक है। स्पिनर्स ने भी शानदार गेंदबाजी की है। गजनफर और सेंटनर शानदार रहे हैं। विल जैक्स के उपलब्ध होने से मुंबई का प्लेइंग इलेवन अब धीरे-धीरे संतुलित हो रहा है।

रोहित शर्मा के खेलने की संभावना पर बांगड़ ने कहा, 'भले ही यह पूरी तरह से बल्लेबाज या इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर हो, लेकिन एमआई को रोहित का इस्तेमाल करना चाहिए। एक मजबूत शुरुआत बहुत जरूरी है। इस सीजन की सबसे सफल टीमों की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों एक साथ अच्छी रही हैं।

आईपीएल 2026: वो 4 बल्लेबाज, जो इस सीजन शतक लगा चुके

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में अब तक 32 मुकाबले खेले जा चुके हैं। इस दौरान 4 बल्लेबाजों ने शतक लगाए हैं, जिनमें एक-एक खिलाड़ी सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), जबकि दो खिलाड़ी मुंबई इंडियंस (एमआई) से हैं। आइए, इनके बारे में जानते हैं।

अभिषेक शर्मा (135 रन): बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 21 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की ओर से खेलते हुए दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध 68 गेंदों में नाबाद 135 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से 10 छक्के और इतने ही चौके निकले। अभिषेक की इस पारी के दम पर एसआरएच ने 2 विकेट खोकर 242 रन बनाए। इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 195 रन ही बना सकी। एसआरएच ने मुकाबला 47 रन से अपने नाम कर लिया।

संजू सैमसन : चेन्नई सुपर किंग्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज ने बतौर ओपनर 11 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध 56 गेंदों में 4 छक्कों और 15 चौकों के साथ 115 रन की नाबाद पारी खेली थी। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी के साथ सीएसके ने 2 विकेट खोकर 212 रन बनाए। इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स 189 रन पर सिमट गई। सीएसके ने मुकाबला 23 रन से अपने नाम किया।

तिलक वर्मा: मुंबई इंडियंस (एमआई) की टीम 20 अप्रैल को गुजरात टाइटंस (जीटी) के विरुद्ध 96 के स्कोर तक अपने 4 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से तिलक वर्मा ने 45 गेंदों में 7 छक्कों और 8 चौकों के साथ नाबाद 101 रन की पारी खेलते हुए टीम को 199/5 के स्कोर तक पहुंचाया। इसके जवाब में जीटी 15.5 ओवरों में महज 100 रन पर सिमट गई। एमआई ने मुकाबला 99 रन से अपने नाम किया।

क्विंटन डी कॉक: रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में क्विंटन डी कॉक को मुंबई इंडियंस की प्लेइंग इलेवन में बतौर सलामी बल्लेबाज मौका मिला। इस सीजन के अपने पहले ही मैच में क्विंटन ने 60 गेंदों में 7 छक्कों और 8 चौकों के साथ 112 रन की नाबाद पारी खेली, जिसकी मदद से एमआई ने 6 विकेट खोकर 195 रन बनाए।

ला लीगा: बार्सिलोना ने सेल्टा विगो को हराया, लामिन यामल इंजर्ड हुए

मैड्रिड । एफसी बार्सिलोना ने सेल्टा विगो को अपने घर में 1-0 से हराकर ला लीगा में रियल मैड्रिड पर नौ अंकों की बढ़त बना ली। इस जीत के लिए बार्सिलोना को कड़ी मेहनत करनी पड़ी। टीम को लामिन यामल के रूप में बड़ा झटका लगा। स्टार खिलाड़ी लामिन यामल को हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से बाहर होना पड़ा।

सेल्टा ने पहले हाफ में काउंटरअटैक में दिक्कतें पैदा कीं, लेकिन बार्सिलोना ने तब बढ़त बनाई जब यामल डिफेंस को भेदते हुए गिर गए। फॉरवर्ड ने पेनल्टी को गोल में बदला, लेकिन बॉल को हिट करते समय उसकी हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई और उसे बाहर जाना पड़ा।

स्टैंड में मेडिकल इमरजेंसी के कारण मैच 15 मिनट के लिए रोक दिया गया था। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, दूसरे हाफ में फेरान टोरेस का एक गोल मामूली ऑफसाइड की वजह से रद्द कर दिया गया। दूसरी तरफ, डिएगो शिमोन ने कोपा डेल रे फाइनल में हार के बाद अपनी एटलेटिको मैड्रिड टीम में बड़े बदलाव किए, लेकिन उनकी टीम एल्चे से 3-2 से हार गई, जो इस जीत के साथ रेलीगेशन जोन से बाहर हो गई।

एटलेटिको के लिए निको गोंजालेज ने दो गोल किए, जबकि डेविड एफेंग्रुबर के गोल और आंद्रे सिल्वा की पेनल्टी से हाफटाइम तक स्कोर 2-2 हो गया, एटलेटिको के थियागो अल्माडा को फाउल के लिए बाहर भेज दिया गया, जिससे स्पॉट किक हुई। सिल्वा ने दूसरे हाफ में फिर से गोल करके एल्चे को जीत दिलाई और अलावेस को निचले तीन में पहुंचा दिया।

गेटाफे ने अनोएटा स्टेडियम में रियल सोसिएदाद को 1-0 से हराकर स्टैंडिंग में छठे स्थान पर पहुंच गया। रियल मैड्रिड ने अपने घर में अलावेस को 2-1 से हराया, रियल बेटिस ने गिरोना को 3-2 से हराया, एथलेटिक क्लब ने ओसासुना के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला, और मैलोर्का और वालेंसिया ने भी 1-1 से ड्रॉ खेला।

आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप: दूसरे दिन भारत ने 3 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज जीता, मेडल टैली में नंबर-3

नई दिल्ली । इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) जूनियर वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन के दूसरे दिन बुधवार को भारतीय जूनियर खिलाड़ियों ने चार और मेडल अपने नाम कर लिए हैं, जिनमें 3 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल शामिल है। पहले दिन हर रंग का एक-एक मेडल जीतने के बाद, अब भारत मेडल टैली में तीसरे स्थान पर आ गया है। कजाकिस्तान और इंडिविजुअल न्यूट्रल एथलीट्स (एआईएन) के खिलाड़ियों ने दांव पर लगे 5 में से 4 गोल्ड मेडल अपने नाम किए।

काहिरा के ओलंपिक इंटरनेशनल सिटी शूटिंग रेंज में रोहित कान्यान ने 50 मीटर राइफल प्रोन पुरुषों के जूनियर इवेंट में 615.8 के स्कोर के साथ भारत को दिन का पहला सिल्वर मेडल दिलाया। वह कजाकिस्तान के गोल्ड मेडल विजेता ओलेग नोस्कोव से सिर्फ 0.5 अंक पीछे रहे।

इसके बाद सेजल कांबले ने जूनियर महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल क्वालीफायर में 580 के स्कोर के साथ टॉप किया।

आईपीएल 2026: क्या एलएसजी की कप्तानी के लिए ऋषभ पंत से बेहतर विकल्प एडन मार्करम है?

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में जिन टीमों का प्रदर्शन सबसे निराशाजनक रहा है, उसमें लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का नाम भी है। बुधवार को इकाना स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से मिली हार के बाद टीम अंकतालिका में नौवें स्थान पर पहुंच गई है। किसी भी टीम के बेहतर और निराशाजनक प्रदर्शन में उसके कप्तान की अहम भूमिका होती है। एलएसजी के खराब प्रदर्शन में कप्तान ऋषभ पंत का बड़ा योगदान है।

आईपीएल 2026 में ऋषभ पंत बतौर कप्तान और खिलाड़ी पूरी तरह असफल रहे हैं। उनकी असफलता के कारण ही टीम प्लेऑफ से बाहर होने के कगार पर है। पंत बल्लेबाज और कप्तान दोनों ही भूमिकाओं में असफल रहे हैं। यह पहली बार नहीं है। आईपीएल 2025 में पंत एलएसजी के लिए कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में सफल नहीं रहे थे। पिछले सीजन भी टीम सातवें स्थान पर रही थी।

पंत 2021 से 2024 तक आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के कप्तान रहे हैं। उनकी कप्तानी में डीसी 2021 में प्लेऑफ में पहुंची थी। इसके अलावा, बतौर कप्तान, भारतीय टीम के कुछ मैचों में कप्तानी के अलावा, उनके पास कोई उपलब्धि नहीं है।

एलएसजी एक ऐसी टीम है जिसमें कई और भी खिलाड़ी हैं जिनके पास अंतरराष्ट्रीय और लीग क्रिकेट में कप्तानी का अनुभव है। इसमें मिशेल मार्श, एडन मार्करम और निकोलस पूरन का नाम शामिल है।

इसमें कप्तानी के लिए सबसे बेहतर विकल्प एडन मार्करम हैं। एलएसजी के पारी की शुरुआत करने वाले मार्करम बतौर कप्तान अपनी क्षमता अंतरराष्ट्रीय और लीग क्रिकेट में साबित कर चुके हैं। मार्करम दक्षिण अफ्रीका टी20 टीम के कप्तान हैं। उन्हीं की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका ने 2024 टी20 विश्व कप का फाइनल खेला था। साउथ अफ्रीका टी20 लीग को मौजूदा समय की श्रेष्ठ टी20 लीग में एक माना जाता है। इस लीग में मार्करम ने अपनी कप्तानी में सनराइजर्स ईस्टर्न केप को लगातार तीन बार (2023, 2024 और 2025) में फाइनल में पहुंचाया और टीम दो बार (2023 और 2024) विजेता रही थी।

एर्लिंग हालैंड के गोल से मैनचेस्टर सिटी ने बर्नले को 1-0 से हराया

बर्नले । मैनचेस्टर सिटी ने बर्नले को 1-0 से हराकर प्रीमियर लीग की अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। अगस्त के बाद यह पहला मौका है जब सिटी टॉप पर पहुंची है। इससे आर्सेनल का लंबे समय से चला आ रहा दबदबा भी समाप्त हो गया। इस हार के साथ बर्नले का रेलिगेशन तय हो गया, जो टीम के लिए बड़ा झटका साबित हुआ।

मैच की शुरुआत से ही सिटी ने आक्रामक अंदाज दिखाया और पांचवें मिनट में ही बढ़त बना ली। एर्लिंग हालैंड ने शानदार गोल किया। यह सीजन का उनका 35वां गोल था।

शुरुआती बढ़त के बाद भी सिटी ने लगातार दबाव बनाए रखा, लेकिन कई मौकों को भुनाने में नाकाम रही। बर्नले ने भी बीच-बीच में पलटवार किए और बराबरी के करीब पहुंची, लेकिन सिटी की डिफेंस मजबूत रही। खासकर एक मौके पर अब्दुकोदिर खुसानोव ने शानदार ब्लॉक कर टीम को बढ़त बनाए रखने में मदद की। पहले हाफ में सिटी के पास गेंद पर अधिकार ज्यादा समय तक रहा। उनकी पासिंग में थोड़ी ढील देखने को मिली, जिससे हमले उतने प्रभावी नहीं बन सके। दूसरी ओर, बर्नले के खिलाड़ी जियान फ्लेमिंग एक अच्छे मौके को गोल में तब्दील नहीं कर सके और उनका शॉट काफी दूर चला गया।

दूसरे हाफ में भी मैच का रुख ज्यादा नहीं बदला। सिटी ने नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन गोल करने के साफ मौके कम ही बन पाए। हालैंड एक और गोल के करीब पहुंचे, लेकिन उनका शॉट पोस्ट के बाहर निकल गया। इसके अलावा चेर्की और मार्क गुएही के बीच शानदार मूव के बाद भी सिटी गोल करने से चूक गई।

मैच के अंतिम मिनटों में सिटी के पास बढ़त दोगुनी करने का अच्छा मौका था, लेकिन उसे भी भुनाया नहीं जा सका। मैच के बाद मैनेजर पेप गार्डियोला ने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की है ।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415